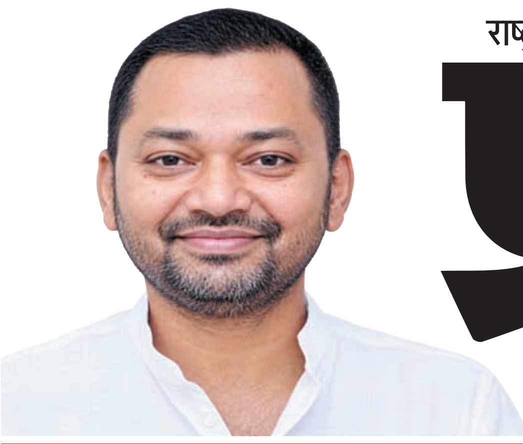

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के छात्रों एवं युवाओं ...

ईरान पर बौखलाया अमेरिका: ट्रंप बोले... 12

वर्ष : 14 | अंक : 176 | पटना, सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

एआई से बढ़ेगी उत्पादकता, लेकिन रोजगार पर असर को सावधानी से संभालना आवश्यक: रिपोर्ट

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को दुनिया भर में एक परिवर्तनकारी तकनीक माना जा रहा है, जो उत्पादकता बढ़ाने और आर्थिक गतिविधियों को नई गति देने की क्षमता रखती है। ग्राहक सेवा, चिकित्सा निदान, कोडिंग और कंटेंट निर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई का बढ़ता उपयोग अभूतपूर्व संभावनाएं पैदा कर रहा है। हालांकि, एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि तकनीकी क्रांतियां हमेशा तुरंत व्यापक सामाजिक समृद्धि में परिवर्तित नहीं होतीं और एआई के दौर में रोजगार बाजार को लेकर विशेष सतर्कता की आवश्यकता होगी। इंडिया नैरेटिव में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, एआई ऐसी स्थिति पैदा कर सकता है जिसे आर्थिक इतिहासकार एंगेल्स पॉज कहते हैं। इसका अर्थ है कि उत्पादकता और संपत्ति में तेज वृद्धि तो होती है, लेकिन आम कामगारों की आय और जीवन स्तर में सुधार काफी देर से दिखाई देता है। लेख में ब्रिटेन की औद्योगिक क्रांति का उदाहरण दिया गया है। 19वीं सदी में औद्योगिक उत्पादन में भारी वृद्धि हुई, लेकिन श्रमिकों के जीवन स्तर और आय में सुधार आने में काफी समय लगा। इससे यह संकेत मिलता है कि तकनीकी प्रगति के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने में समय लग सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछली औद्योगिक क्रांतियों ने बड़े पैमाने पर रोजगार इसलिए पैदा किए क्योंकि उन्होंने पूरी तरह नए उद्योगों को जन्म दिया। वस्त्र उद्योग ने फैक्टरी नौकरियां पैदा कीं, ऑटोमोबाइल उद्योग ने विनिर्माण और सेवाओं में लाखों रोजगार दिए, जबकि डिजिटल क्रांति ने सॉफ्टवेयर, ई-कॉमर्स और प्लेटफॉर्म आधारित अर्थव्यवस्था विकसित की। एआई भी भविष्य में ऐसे नए पेशे पैदा कर सकता है जिनकी आज कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन संक्रमण का दौर चुनौतीपूर्ण हो सकता है। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह बदलाव और अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने आईटी आउटसोर्सिंग, बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट और कस्टमर सपोर्ट जैसे श्रम-प्रधान सेवा क्षेत्रों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान बनाई है। लेकिन अब बुनियादी कोडिंग, डेटा एंट्री, ग्राहक सहायता और दस्तावेज प्रसंस्करण जैसे कई कार्य एआई द्वारा कम लागत और अधिक गति से किए जा सकते हैं। हालांकि रिपोर्ट यह भी रेखांकित करती है कि एआई भारत के लिए बड़े अवसर लेकर आया है। कृषि उत्पादकता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, लॉजिस्टिक्स को अधिक कुशल बनाने, शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और शासन व्यवस्था को प्रभावी बनाने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत के कई स्टार्टअप फिनटेक, भाषा प्रौद्योगिकी और अन्य क्षेत्रों में एआई आधारित समाधान विकसित कर रहे हैं। लेख के अनुसार, असली चुनौती एआई को अपनाने में नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने में है कि उससे होने वाले उत्पादकता लाभ समाज के बड़े हिस्से तक पहुंचें और केवल कुछ बड़ी कंपनियों तक सीमित न रह जाएं। रिपोर्ट में कहा गया है कि औद्योगिक क्रांति के दौरान सरकारें शुरूआत में श्रमिकों की बिगड़ती स्थिति और बढ़ती असमानता पर पर्याप्त तेजी से प्रतिक्रिया नहीं दे सकीं। बाद में श्रमिक आंदोलनों, श्रम अधिकारों, सार्वजनिक शिक्षा और सामाजिक कल्याण नीतियों के माध्यम से संतुलन स्थापित किया गया। लेख का तर्क है कि एआई के युग में भी इसी तरह की संस्थागत तैयारियों की आवश्यकता होगी। नीति निमार्ताओं को रोजगार बाजार में बदलाव के लिए पहले से तैयारी करनी होगी, ताकि तकनीकी परिवर्तन सामाजिक अस्थिरता का कारण न बने।

चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को होगा मतदान

बिहार विधान परिषद चुनाव: महागठबंधन में दरार! राजद और कांग्रेस आमने-सामने

- पटना स्नातक में जदयू के भीतर ही आंतरिक विवाद

प्रात: किरण

पटना। चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन या विपक्षी दल भले ही एकजुट नजर आ रहे हों, लेकिन बिहार में विधान परिषद चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की तस्वीर अलग दिखाई दे रही है। बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव में राजद और कांग्रेस के उम्मीदवार कई सीटों पर आमने-सामने हैं। वहीं, जन सुराज ने सभी आठ सीटों पर उम्मीदवार उतारकर मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। बिहार विधान परिषद की चार स्नातक और चार शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर को होगी। एनडीए ने अपने हिस्से की चार-चार सीटें भाजपा और जदयू के बीच बांटी हैं। जदयू ने पटना स्नातक सीट से नीरज कुमार समेत चार उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा भी चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। महागठबंधन में सीटों का तालमेल हालांकि पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है। राजद ने छह सीटों पर उम्मीदवार घोषित किए हैं, जबकि कांग्रेस ने पांच सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। कोसी स्नातक, दरभंगा स्नातक और पटना स्नातक सीट पर दोनों दलों के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। वहीं दरभंगा शिक्षक और पटना शिक्षक सीट पर राजद ने उम्मीदवार नहीं उतारा है और यहां कांग्रेस के प्रत्याशी मैदान में हैं। महागठबंधन के सहयोगी दलों के बीच चुनावी टकराव नया नहीं है। 2025 के विधानसभा चुनाव में भी कई सीटों पर सहयोगी दलों के प्रत्याशी आमने-सामने आए थे। इसे कई जगह ह्यफ्रेंडली फाइट कहा गया था। इस बार जन सुराज ने सभी आठ सीटों पर प्रत्याशी उतारकर मुकाबले को त्रिकोणीय और बहुकोणीय बनाने की कोशिश की है।

जदयू विधायक अनंत सिंह जनसुराज के उम्मीदवार डॉ. अनुज सिंह के समर्थन में

पटना स्नातक सीट पर डॉ. अनुज सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। उनके सामने एनडीए समर्थित जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार हैं। इस सीट पर जदयू के भीतर का विवाद चुनाव को और दिलचस्प बना रहा है। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह खुले तौर पर जनसुराज के उम्मीदवार डॉ. अनुज सिंह के समर्थन में खड़े हैं। एक अक्टूबर को अनुज सिंह के नामांकन के दौरान भी अनंत सिंह उनके साथ नजर आए थे। उन्होंने नीरज कुमार के खिलाफ प्रचार करने की बात कही है। अनंत सिंह का कहना है कि विधान परिषद का चुनाव पार्टी के चुनाव चिह्न पर नहीं होता, इसलिए वह इसे जदयू के खिलाफ चुनाव नहीं मानते। नीरज कुमार को लेकर उनका विरोध व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा बताया गया है। अनंत सिंह ने अब अनुज सिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार भी कर रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से अनुज सिंह को समर्थन देने की अपील की। इधर, नीरज कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने उन्हें मजबूती से चुनाव लड़ने और जीत के लिए प्रयास करने का संदेश दिया। इस तरह पटना स्नातक सीट पर एक ओर पार्टी नेतृत्व का समर्थन प्राप्त जदयू उम्मीदवार हैं, तो दूसरी ओर उसी दल के विधायक का समर्थन जन सुराज प्रत्याशी को मिल रहा है। ऐसे में बिहार का यह विधान परिषद चुनाव केवल दलों के बीच मुकाबला नहीं, बल्कि गठबंधन की अंदरूनी राजनीति और बदलते राजनीतिक समीकरण को भी कसौटी पर कसता दिख रहा है।

कोलकाता में मनाया जाएगा 19वां प्रवासी भारतीय दिवस, पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

- सम्मेलन का 19वां सत्र इस बार 7 से 9 जनवरी तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा

प्रात: किरण

नई दिल्ली/कोलकाता। महात्मा गांधी की याद में मनाया जाने वाला प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन का 19वां सत्र इस बार 7 से 9 जनवरी 2027 तक पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का आयोजन विदेश मंत्रालय (एमईए) और पश्चिम बंगाल सरकार मिलकर करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, सम्मेलन में युवा प्रवासी भारतीय दिवस का एक खास सेगमेंट भी होगा।

इस कार्यक्रम में दुनिया भर से भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्य, युवा प्रवासी नेता, कारोबारी, प्रोफेशनल्स, शिक्षाविद, इनोवेटर्स और दूसरे लोग शामिल होंगे। महात्मा गांधी 9 जनवरी 1915 को दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। उनकी याद में प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भारतीय प्रवासी समुदाय से जुड़ने वाले इस बड़े कार्यक्रम का 19वां संस्करण पिछले आयोजनों की सफलता को आगे बढ़ाएगा। इसका मकसद विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के भारत के साथ रिश्तों को और मजबूत करना और भारत तथा दुनिया के लिए उनके योगदान को सम्मान देना है।

विदेश मंत्रालय ने कहा, सम्मेलन के रजिस्ट्रेशन और कार्यक्रम समेत दूसरी जानकारियां जल्द साझा की जाएंगी। किसी भी जरूरी जानकारी के लिए स्थानीय भारतीय दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क किया जा सकता है। प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की शुरूआत पहली बार 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल के दौरान हुई थी। इसे विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय से जुड़ने, उनके योगदान को पहचान देने और भारत के साथ उनके रिश्तों को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था। 2015 से विदेश मंत्रालय ने इस कार्यक्रम के फॉर्मेट में बदलाव किया। इसके बाद प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन हर दो साल में किया जाने लगा, जबकि बीच के वर्षों में अलग-अलग विषयों पर सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। इसका मकसद खास मुद्दों पर बेहतर तरीके से चर्चा करना और दुनिया भर में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों को एक-दूसरे से मिलने और संपर्क बढ़ाने का मौका देना है।

पिछले कई वर्षों में प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन ने अलग-अलग क्षेत्रों में जानकारी, हुनर और अनुभव साझा करने के लिए एक अहम मंच के रूप में काम किया है। इससे भारत और विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के बीच रिश्ते मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार प्रदान करेंगी और समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी।

प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार किसी अनिवासी भारतीय (एनआरआई), भारतीय मूल के व्यक्ति या उनके द्वारा स्थापित और चलाए जा रहे किसी संगठन या संस्था को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। यह पुरस्कार भारतीय प्रवासी समुदाय के उन सदस्यों को दिया जाता है, जिन्होंने विदेशों में भारत की छवि बेहतर बनाने, भारत से जुड़े मुद्दों का समर्थन करने और स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण हेतु अहम योगदान दिया हो।

केंद्र की पेंशन अदालत सोमवार को 897 शिकायतों के निवारण के लिए सुनवाई करेगी

नई दिल्ली। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित होने वाली 17वीं पेंशन अदालत में वरिष्ठतम पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की 897 लंबित शिकायतों के निवारण के लिए सुनवाई की जाएगी। 24 मंत्रालयों और विभागों से संबंधित और सीपीएनजीआरएएमएस पोर्टल पर दर्ज की गई वरिष्ठतम पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की ये शिकायतें यहां आईआईपीए स्थित टीएन चतुर्वेदी मेमोरियल हॉल में आयोजित पेंशन अदालत में निवारण के लिए सूचीबद्ध की गई हैं। बयान में कहा गया है कि देश भर से वरिष्ठतम पेंशनभोगी, पारिवारिक पेंशनभोगी और उनके रिश्तेदार हाइब्रिड मोड के माध्यम से कार्यवाही में भाग लेंगे।

बिहार हर साल बाढ़ त्रासदी, 17 साल में डबल इंजन सरकार ने क्या किया: राहुल गांधी

प्रात: किरण

नई दिल्ली/पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में बाढ़ की भयावह स्थिति को लेकर केंद्र और राज्य की भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार में बाढ़ फिर कहर बनकर टूटी है। लाखों लोग प्रभावित हैं, सैकड़ों गांव डूबे हुए हैं। कई लोगों की मौत और लापता होने की खबर है। जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उन्होंने लिखा, सबसे दुखद बात यह है कि बिहार में यह संकट नया नहीं है। हर साल बाढ़ आती है, मौतें होती हैं, परिवार उजड़ते हैं और लोग पलायन करते हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकार बताए कि पिछले 17 साल में इस सालाना त्रासदी से निपटने के लिए क्या किया? जमीन पर क्या बदला? बिहार के लोगों को हर साल राहत और आश्वासन नहीं, स्थाई समाधान चाहिए। राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार बिहार सरकार और केंद्र सरकार पर बाढ़ प्रबंधन को लेकर सवाल उठा रहा है। बिहार में कोसी, गंडक और बागमती नदियों में उफान के कारण सुपौल, सहरसा, दरभंगा, मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है। कांग्रेस का कहना है कि पिछले 17 साल से बिहार में अधिकतर समय एनडीए की सरकार रही है, बावजूद इसके बाढ़ के स्थाई समाधान के लिए कोई ठोस योजना धरातल पर नहीं उतर पाई। हर साल राहत सामग्री और हवाई सर्वेक्षण तक ही सरकार सीमित रह जाती है। वहीं, भाजपा नेताओं का दावा है कि सरकार राहत और बचाव कार्य में पूरी तरह जुटी हुई है और केंद्र की ओर से हरसंभव मदद भेजी जा रही है।

पहाड़ों में गूंजा भारत-मंगोलिया का युद्ध कौशल 'नोमैडिक एलीफेंट-2026' का समापन

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उत्तराखंड के पहाड़ों में भारत और मंगोलिया की सेनाओं ने साथ मिलकर युद्ध कौशल को नई धार दी है। अभ्यास के दौरान जवान आधुनिक युद्धक्षेत्र से जुड़ी कई गतिविधियों में शामिल हुए। सामरिक अभ्यास और खुफिया एवं निगरानी गतिविधियों के साथ ड्रोन संचालन, साइबर सुरक्षा और तकनीकी प्रदर्शन पर भी फोकस किया गया। यहां हेलिबोर्न अभियानों को भी अंजाम दिया गया। घायल सैनिकों को उपचार देकर सुरक्षित निकालने, निशानेबाजी और विशेष सैन्य कौशल का भी अभ्यास किया गया। इससे दोनों सेनाओं को अलग-अलग परिस्थितियों में तेजी से और मिलकर कार्रवाई करने का अनुभव मिला। भारत व मंगोलिया की सेनाओं के बीच चल रहा यह नोमैडिक एलीफेंट-2026 का 18वां संस्करण था, जो पिथौरागढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 20 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चले इस अभ्यास में दोनों सेनाओं ने साथ प्रशिक्षण लिया, अनुभव साझा किए और कठिन परिस्थितियों में मिलकर अभियान चलाने की क्षमता को परखा। इस अभ्यास की खासियत यह रही कि यह सिर्फ हथियारों और युद्धाभ्यास तक सीमित नहीं रहा। भारतीय और मंगोलियाई सैनिकों ने एक-दूसरे की कार्यप्रणाली को समझा और संयुक्त कार्रवाई के दौरान बेहतर तालमेल बनाने पर जोर दिया। अभ्यास की शुरूआत 20 से 23 सितंबर तक एकीकरण चरण से हुई। इस दौरान दोनों देशों के सैनिकों ने एक-दूसरे की सैन्य प्रक्रियाओं और प्रशिक्षण पद्धतियों को समझा। इसके बाद 24 से 30 सितंबर तक संयुक्त प्रशिक्षण और युद्धाभ्यास का दौर चला।

'न तो रिश्ते में बहुत ज्यादा तनाव हो, न ही बहुत ज्यादा दोस्ती': जयशंकर

- विदेश मंत्री ने अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता की तुलना संतुलित और अनुकूल माहौल से की

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता की तुलना संतुलित और अनुकूल माहौल से की। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा, ह्यअमेरिका और चीन के बीच चल रही खींचतान को लेकर हम एक ऐसी स्थिति में हैं, जिसे गोल्डीलॉक्स वाली स्थिति कहा जाता है। न तो रिश्ते में बहुत ज्यादा तनाव हो, न ही बहुत ज्यादा दोस्ती। संतुलन होना चाहिए। डॉ. जयशंकर ने सवाल उठाया कि इन हालात में उभरती और मध्यम ताकतों का क्या होगा। उन्होंने कहा, आज ज्यादातर देश हर मोर्चे पर अपने हितों को सुरक्षित करने में लगे हैं, सिर्फ अर्थव्यवस्था या सुरक्षा ही नहीं, बल्कि सप्लाई चेन को भी ज्यादा मजबूत बना रहे हैं। कई तरह से वे नए गठजोड़ बना रहे हैं और साझा मुद्दों पर मिलकर काम कर रहे हैं और उभरती व मध्यम शक्तियों के लिए जो सबसे जरूरी सिद्धांत एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाना है और शायद वे पहले से ही ऐसा कर भी रहे हैं।

अहिंसा का अर्थ है विचार, वचन और कर्म से हिंसा का अभाव: उपराष्ट्रपति

प्रात: किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भगवान महावीर स्मारक समिति और जैन महासभा दिल्ली द्वारा आयोजित महापर्व क्षमापना समारोह-2026 को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर को क्षमा, मित्रता, अहिंसा और आंतरिक शुद्धि के सार्वभौमिक मूल्यों का उत्सव बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जिस गहराई के साथ जैन परंपरा ने क्षमा को आध्यात्मिक अनुशासन में बदल दिया है, वह आज भारत और मानवता के लिए बहुत प्रासंगिक है। उन्होंने रेखांकित किया कि क्षमापान केवल एक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि मानव हृदय के परिवर्तन का एक अवसर है। तमिलनाडु और जैन धर्म के बीच गहरे ऐतिहासिक संबंध पर प्रकाश डालते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि जैन धर्म ने तमिल साहित्य और संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने शास्त्रीय तमिल साहित्य में जैन विद्वानों और भिक्षुओं के योगदान को याद किया और पूरे तमिलनाडु में प्राचीन जैन मंदिरों और शिक्षा केंद्रों की उपस्थिति का उल्लेख किया। जैन दर्शन के सार्वभौमिक संदेश पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी जीवित प्राणियों के प्रति मित्रता और किसी के प्रति शत्रुता की शिक्षा ह्यवसुधैव कुटुम्बकम के भारत के सभ्यतागत लोकाचार के साथ प्रतिध्वनित होती है। उन्होंने कहा कि संघर्ष और हिंसा की साक्षी दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं शांति, संवाद, सह-अस्तित्व और करुणा का मार्ग प्रशस्त करती हैं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा की अनुपस्थिति नहीं है, बल्कि विचार, वचन और कर्म में हिंसा का अभाव भी है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर ने मानवता को आंतरिक विजय का मार्ग दिखाया और लोगों को याद दिलाया कि सच्ची ताकत क्रोध, असहिष्णुता और प्रतिशोध पर विजय पाने में निहित है। क्षमा के बारे में उपराष्ट्रपति ने कहा कि क्षमा का अर्थ अन्याय को स्वीकार करना या सत्य से समझौता करना नहीं है। उन्होंने कहा कि क्षमा का अर्थ है बदले की जगह सुधार, घृणा के बजाय बातचीत और शत्रुता के स्थान पर सुलह को चुनना। उन्होंने कहा कि प्रतिक्रमण की भावना व्यक्तियों और परिवारों को गलतियों को स्वीकार करने और संघर्षों को हल करने में मदद कर सकती है। विकसित भारत के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि विकास को आर्थिक समृद्धि, आधुनिक बुनियादी ढांचे और तकनीकी प्रगति से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तव में विकसित भारत में नागरिकों के बीच विश्वास, परिवारों के भीतर मूल्य, युवाओं में चरित्र और समाज में करुणा को ह्यविकास भी, विरासत भी के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए होना चाहिए।

क्रांति | 2019 से 2026 तक ग्रामीण विकास विभाग समेत चार विभागों ने मिलकर 27,036 तालाबों और पोखरों को दिया नया जीवन

सात वर्षों में हुआ 27 हजार से भी अधिक सार्वजनिक तालाब और पोखरों का जीर्णोद्धार

प्रात: किरण

पटना। वर्ष 2019 में शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना जल-जीवन-हरियाली मिशन के तहत करीब सात वर्षों में 27,036 सार्वजनिक पोखर और तालाबों का जीर्णोद्धार किया गया है। इस बड़ी सफलता में ग्रामीण विकास विभाग की भूमिका सबसे अहम रही है, जिसने अकेले ही 25,130 जल संरचनाओं का पुनरुद्धार कर ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुरक्षा की मजबूत नींव रखी है।

पर्यावरण में हुए तेजी से बदलाव की वजह से मानव जीवन को कई गंभीर चुनौतियों और कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वैसे समुदाय जो वर्षा जल रोककर सिंचाई, कृषि, पशुपालन के साथ-साथ दूसरे छोटे-मोटे उद्योग धंधों पर निर्भरशील है, उनकी समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। पर्यावरण और जलवायु असंतुलन संबंधी इन्हीं चुनौतियों से निपटने की मंशा से पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान राज्यसभा सांसद श्री नीतीश कुमार ने वर्ष 2019 में बिहार में जल-जीवन-हरियाली अभियान की नींव रखी। इसके तहत तालाब, पोखर, पइन, आहर, कुआं आदि का जीर्णोद्धार, नव निर्माण के साथ-साथ सार्वजनिक जलस्रोतों को

अतिक्रमण मुक्त कराने और उनके आसपास पौधरोपण का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। अलग-अलग विभागों के आपसी सामंजस्य में चलाए जा रहे इस मुहिम का ही परिणाम है बिहार की हरित आवरण 9 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी तक पहुंच चुका है और इसे बढ़ाकर 30 फीसदी तक करने का लक्ष्य है।

ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जल-जीवन-हरियाली मिशन के तहत लघु जल संसाधन विभाग ने अभी तक 1,568, नगर विकास एवं आवास विभाग ने 280 और पंचायती राज विभाग ने 18 सार्वजनिक तालाबों व पोखरों का जीर्णोद्धार किया है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी इस अभियान को पूरी गति से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस वर्ष कुल 662 तालाबों और पोखरों के जीर्णोद्धार का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध विभिन्न विभागों ने आपसी सामंजस्य में 723 स्थलों पर काम शुरू कराया है। प्रशासनिक तत्परता का ही परिणाम है कि निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले इस वर्ष अभी तक 628 तालाब और पोखरों का जीर्णोद्धार पूर्ण हो चुका है। बाकी के 74 जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। तालाब एवं पोखर के जीर्णोद्धार संबंधी विभागवार प्रगति पर नजर डालें तो मौजूदा वित्तीय वर्ष में ग्रामीण विकास विभाग ने 541 के लक्ष्य से भी आगे बढ़कर 669 कार्यों की शुरूआत की, जिसमें से 581 कार्य अभी तक पूर्ण किए जा चुके हैं। इसी तरह लघु जल संसाधन विभाग ने 21 कार्य शुरू कर 20 पूरे किए हैं। नगर विकास एवं आवास विभाग ने 33 तालाबों के जीर्णोद्धार के लक्ष्य का पीछा करते हुए 27 में कार्य पूरा कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि राज्य के अलग-अलग जिलों में पोखरों और तालाबों के जीर्णोद्धार से न केवल आसपास के भूजल स्तर में सुधार आया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सिंचाई सुविधाओं और स्थानीय पर्यावरण को भी बहुत बड़ा बल मिला है।

> पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज हरित आवरण तेजी से बढ़ रहा है। आज बिहार जल और पर्यावरण संरक्षण के मामले में देश के सामने एक मिसाल पेश कर रहा है। जल-जीवन-हरियाली केवल एक योजना नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जीवनरेखा है। गांव-गांव में फैले पुराने तालाबों और पोखरों को पुनर्जीवित कर उनका संरक्षण करने से भूजल स्तर ऊपर उठ रहा है। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा की नई राह तैयार हुई है।
>
> - श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग)

दुबई में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर बिहार की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था केसीएस फाउंडेशन द्वारा 27 युवा प्रतिभाओं का सम्मान

- केसीएस फाउंडेशन के यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स 2026 में शिक्षा, नेतृत्व और सामाजिक योगदान को मिली वैश्विक पहचान

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा, युवा सशक्तिकरण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत बिहार की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था केसीएस फाउंडेशन ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर दुबई में यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स 2026 का आयोजन किया। समारोह में विभिन्न देशों और क्षेत्रों से चयनित 27 मेधावी विद्यार्थियों को शिक्षा, नेतृत्व, नवाचार और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूनेस्को द्वारा निर्धारित वर्ष 2026 की थीम ह्यलिटरेसी फॉर पीपल , द प्लानेट एंड प्रोस्पेरिटीह्ल के अनुरूप किया गया। वक्ताओं ने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदार नागरिकता, सतत विकास और समावेशी समाज के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन और भविष्य के नेतृत्व के निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स 2026 के लिए विश्वभर से बड़ी संख्या में नामांकन प्राप्त हुए थे। प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल द्वारा कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के उपरांत 27 विद्यार्थियों का चयन किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, नेतृत्व क्षमता, नवोन्मेषी सोच, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा अपने समुदायों के लिए किए गए सतत और मापनीय योगदान के आधार पर सम्मानित किया गया। समारोह का नेतृत्व डॉ. पंकज झा, डॉ. गौतम कुमार, डॉ. मेनका शेखर और डॉ. संजीत झा ने किया। आयोजकों ने कहा कि केसीएस फाउंडेशन शिक्षा, साक्षरता, युवा सशक्तिकरण और सामुदायिक सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है और यूथ एम्पावरमेंट एंड सर्विसेज अवॉर्ड्स इसी उद्देश्य की एक महत्वपूर्ण पहल है।कार्यक्रम में नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के कार्यकारी निदेशक (मध्य क्षेत्र) प्रभात कुमार झा तथा भारतीय महावाणिज्य दूतावास, दुबई के काउंसल (शिक्षा) पवित्र कुमार मजूमदार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा और साक्षरता ही युवाओं को समाज और राष्ट्र निर्माण में सार्थक भूमिका निभाने के लिए सक्षम बनाती हैं। इस अवसर पर बांके इंटरनेशनल के पोरुष झुनझुनवाला, डेलॉइट के भूपेश कौर एवं अनीशा जैसिंघानी, मानवता फाउंडेशन के अनिल झा, अल्ट्रिया ग्लोबल के सिद्धांत झुरानी तथा प्रेरक वक्ता अमर चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन और समन्वयन साइबर सुरक्षा अभियंता श्री तन्निश गौतम, जुमेराह कॉलेज, दुबई की हेड ऑफ चैरिटी सुश्री रिया सारा कॉर्नेल, हेड गर्ल सिडोनी मैरी मोरिन तथा छात्रा सुश्री क्रिस्टन गैब्रिएला वैलेस ने किया। इनके प्रयासों से कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सहभागितापूर्ण रहा।

सीता कुंड में डॉ. प्रेम कुमार ने किया पितरों एवं दिवंगत आत्माओं का तर्पण

- पितरों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए किया तर्पण

प्रात: किरण संवाददाता

बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के अवसर पर गयाजी स्थित सीता कुंड में अंतःसलिला फल्गु नदी के पावन तट पर विधिवत तर्पण एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपने पितरों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए तर्पण किया। इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने अपने पितरों के साथ-साथ देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, राष्ट्र की रक्षा में शहीद हुए अमर जवानों तथा विभिन्न कारणों से दिवंगत हुई सभी आत्माओं की शांति एवं सद्गति के लिए श्रद्धापूर्वक तर्पण किया। उन्होंने कहा कि गयाजी की पावन धरती पर पितरों का तर्पण एवं श्राद्ध कर्म करने की परंपरा सनातन संस्कृति की महान विरासत है। फल्गु नदी के पवित्र तट पर किया गया पिंडदान एवं तर्पण पितरों के प्रति श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता का प्रतीक है। गयाजी में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति एवं मोक्ष की कामना के साथ पिंडदान एवं तर्पण करते हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानी और अमर जवान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनके त्याग, बलिदान और राष्ट्रसेवा को सदैव स्मरण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। ऐसे वीर सपूतों एवं सभी दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गयाजी आने वाले सभी श्रद्धालुओं से पितृपक्ष मेला के दौरान श्रद्धा, आस्था एवं अनुशासन के साथ अपने पितरों का तर्पण करने तथा गयाजी की स्वच्छता एवं गरिमा बनाए रखने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ में हुई जनहानि पर डॉ. प्रेम कुमार ने व्यक्त की गहरी संवेदना

बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर गहरा दुःख एवं शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ की इस कठिन परिस्थिति में लोगों की जान जाना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोक-संतप्त परिवारों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को और तेज किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन एवं राहत-बचाव दलों से प्रभावित लोगों तक भोजन, पेयजल, दवा तथा अन्य आवश्यक सहायता शीघ्र पहुंचाने और लापता लोगों की तलाश में हरसंभव प्रयास करने की अपील की। उन्होंने आम लोगों से भी बाढ़ प्रभावित एवं जलमग्न क्षेत्रों में सावधानी बरतने तथा प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की

चोरी के प्रयास कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया

दानापुर रूपसपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीते रात गश्ती के दौरान पुलिस नेविश्वेश्वरिया नगर के ट्रेंड गली नंबर 3 में चोरी के प्रयास कर रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से चोरी में प्रयोग करने वाले सामान खंती रड आदि जप्त किया। गिरफ्तार लोगों में निवासी विकास कुमार, चंदन कुमार एवं राजीव नगर गली नंबर 25 भी निवासी आयुष कुमार के रूप में किया गया। पुलिस ने तीनों से पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बताया जाता है कि बीते रात रूपसपुर की गश्ती दल विश्वेसरैया नगर में गश्त लगा रही थी। इसी दौरान ट्रेडर गली संख्या 3 के पास हल्ला होने की आवाज सुन गश्ती दल सायरन बजाते हुए पहुंची। उधर सायरन की आवाज सुन बदमाश भागने की प्रयास करने लगे। इसमें तीन लोगों को स्थानीय लोग के प्रयास पकड़ लिया गया। थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार सिंह ने बताया कि तीनों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

होटलों में चल रहे देह व्यापार में विदेशी महिला गिरफ्तार

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोला रोड स्थित एक होटल में पुलिस द्वारा चल रहे देह व्यापार का उद्भेदन करते हुए तीन युवतियां को रेस्क्यू कराया गया। जिसमें एक युवती केन्या की रहने वाली है। पुलिस ने दोनों होटल के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। एएसपी अजीत कुमार ने बताया कि शुक्रवार को गुप्त सूचना की मिली की दानापुर थाना क्षेत्र के सगुना मोड़ एवं गोला रोड इलाके में संचालित होटलों में संचालकों द्वारा बाहर से मजबू लड़किया,महिलओं को बुलाकर देह-व्यापार का धंधा कराया जा रहा है। सूचना का पहल करते हुए एक टीम बुनाई गई। सगुना मोड़ स्थित एक होटल की विधिवत तलाशी ली गई। जहां से एक विदेशी महिला को रेस्क्यू कराया गया,जो केन्या की रहने वाली है। उसके पास से दो मोबाईल,एक पासपोर्ट का छायाप्रति, आपतिजनक समान और होटल का रजिस्टर जप्त किया गया।

नदी थाना पुलिस ने चोरी मामले के अभियुक्त को भेजा न्यायिक अभिरक्षा में

फतुहा। नदी थाना कांड संख्या-392/2026 (चोरी) के प्राथमिकी अभियुक्त सत्येंद्र कुमार (19 वर्ष), पिता मनोज राय, ग्राम जेठुली, थाना नदी, जिला पटना को नदी थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

भारत मंडपम में बिहार के प्रतिभाओं को मिला राष्ट्रीय सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम 3 अक्टूबर 2026 को बिहार की प्रतिभाओं की उपलब्धियों का साक्षी बना। यहां आयोजित भव्य प्रतिष्ठित शांति एवं उपलब्धि सम्मान समारोह 2026 में बिहार के चिकित्सा, भौतिक चिकित्सा (फिजियोथेरापी), व्यावसायिक चिकित्सा (ऑक्यूपेशनल थेरापी) एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई शिक्षकों एवं विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। समारोह में बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरापी एंड ऑक्यूपेशनल थेरापी, पटना तथा श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना से जुड़े शिक्षाविदों को विभिन्न प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से संबद्ध/मान्यता प्राप्त संस्थाओं के रूप में आयोजकों द्वारा प्रस्तुत *प्रतिष्ठित शांति पुरस्कार परिषद* एवं *उभरती उपलब्धि पुरस्कार परिषद, नई दिल्ली की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को पहचान देना रहा। आयोजकों ने इसे अपने ध्येय वाक्य 'महानता का उत्सव' के तहत आयोजित किया। समारोह में बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरापी एंड ऑक्यूपेशनल थेरापी, पटना के सह-प्राध्यापक डॉ. अभय कुमार जायसवाल को *अशोक सम्मान* से सम्मानित किया गया। वहीं संस्थान से जुड़े डॉ. प्रियदर्शी आलोक, विभागाध्यक्ष सह नियंत्रण पदाधिकारी, डॉ. उदय कुमार, सहायक प्राध्यापक, डॉ. मनोज कुमार, विभागाध्यक्ष, भौतिक चिकित्सा विभाग तथा डॉ. उमेश कुमार, शैक्षणिक प्रभारी को 'मानद विद्यावाचस्पति सम्मान (मानद डॉक्टरेट सम्मान)' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना की सहायक प्राध्यापक डॉ. विभा कृति को भी 'मानद विद्यावाचस्पति सम्मान' से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में डॉ. अभय कुमार जायसवाल की उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्हें इससे पहले 22 अगस्त 2026 को भी *मानद विद्यावाचस्पति सम्मान* से सम्मानित किए जाने की जानकारी दी गई है। अब भारत मंडपम में आयोजित समारोह में उन्हें *अशोक सम्मान* प्रदान किया गया। उनकी उपलब्धियों को भौतिक चिकित्सा एवं व्यावसायिक चिकित्सा के क्षेत्र में कार्य, दिव्यांगजनों की सेवा, कठिन परिश्रम और गुणवत्तापूर्ण योगदान से जोड़कर देखा गया। यह सम्मान चिकित्सा शिक्षा एवं पुनर्वास सेवाओं से जुड़े क्षेत्र के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आयोजकों के अनुसार सम्मान के लिए प्रतिभाओं का चयन चरणबद्ध और निर्धारित मापदंडों के आधार पर किया गया। संबंधित व्यक्तियों के कार्य, सामाजिक योगदान, अपने पेशे के प्रति समर्पण तथा समाज के लिए किए गए प्रयासों को चयन प्रक्रिया में महत्व दिया गया। कार्यक्रम में यह संदेश भी प्रमुखता से सामने आया कि समाज में ऐसे अनेक लोग हैं, जो बिना किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के अपने पेशे और समाज के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों की उपलब्धियों को सामने लाना और उन्हें सार्वजनिक पहचान देना भी समाज के लिए प्रेरणादायक है। बिहार कॉलेज ऑफ फिजियोथेरापी एंड ऑक्यूपेशनल थेरापी, पटना और श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना से जुड़े शिक्षकों एवं विशेषज्ञों को राष्ट्रीय राजधानी में सम्मान मिलने से दोनों संस्थानों में भी खुशी का माहौल है। संस्थान के पदाधिकारियों, कर्मचारियों, शुभचिंतकों, परिजनों, मित्रों और समाज के लोगों ने सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए इसे बिहार और संबंधित संस्थानों के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन संस्थानों की शैक्षणिक और सामाजिक भूमिका को भी रेखांकित करता है, जहां से ये प्रतिभाएं जुड़ी हुई हैं। समारोह का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही रहा कि किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान केवल उसकी प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि उसके कर्मों से बनती है। चिकित्सा, पुनर्वास और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में लंबे समय तक निष्ठा के साथ काम करने वाले लोगों का योगदान समाज के लिए स्थायी महत्व रखता है। भारत मंडपम में बिहार की इन प्रतिभाओं का सम्मान इस बात का उदाहरण बना कि मेहनत, सेवा, ज्ञान और समर्पण की पहचान सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकती है। यह उपलब्धि बिहार के युवाओं और शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों के लिए भी प्रेरणा का संदेश देती है कि अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ किया गया प्रयास अंततः सम्मान और पहचान का मार्ग प्रशस्त करता है।

वाणी पुस्तकालय में निःशुल्क आंख जांच शिविर आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

फतुहा। राजद नगर अध्यक्ष डॉ. दयानंद प्रसाद सिंह के नेतृत्व में रविवार को वाणी पुस्तकालय में देविता आई हॉस्पिटल, पटना के सहयोग से निःशुल्क आंख जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों लोगों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं दी गईं। वहीं, जांच के दौरान दर्जनों मरीजों में सफेद मोतियाबिंद की पहचान की गई, जिन्हें ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। शिविर में देविता आई हॉस्पिटल, पटना के डॉ. विजय कुमार शर्मा, गुरुदेव कुमार, निशांत सूर्या एवं कुमारी अनुराधा रानी ने मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया।

शिविर के आयोजन से स्थानीय लोगों को आंखों की जांच एवं उपचार संबंधी सुविधाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हुईं, जिससे लोगों में काफी संतोष देखा गया।

सड़क पर मत करो मस्ती जिंदगी नहीं है सस्ती- रौशन

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवकों ने खुसरूपुर पुलिस के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा अभियान चलाया। कार्यक्रम में उपस्थित थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हम सबो की जिम्मेदारी है । नबालिग गाड़ी चलते पकड़े जायेगे तो जप्त होगी वाहन और अविभावक पर होगी कारवाई । उन्होंने सीट बेल्ट , हेलमेट को अपने जीवन के सुरक्षा कबच के रूप में उपयोग करे । मत करो मस्ती जिंदगी नहीं है सस्ती के नारे के साथ युवाओं को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया गया। मौके पर मौजूद बैकुंठधाम ओपी प्रभारी संतोष कुमार ने फाउंडेशन के इस अभियान की सराहना की और सहयोग का आश्वासन दिया। फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की आंकड़ा बढ़ना चिंता का विषय है । नशा के हालत में कदापि वाहन नही चलाये न ही यातायात नियम का अनदेखी करे साथ ही समय समय पर टायर को बदलते रहे । मौके पर एसआई वकील अंसारी ,फाउंडेशन के निदेशक देवानंद कुमार, मुख्य स्वयंसेवक दिलीप कुमार, प्रोग्राम ऑफिसर सुरजीत कुमार, स्नेहा कुमारी, मनीषा कुमारी, अशोक दास, ऋतिक राज वर्मा, सुनील कुमार, अजय राज , मनोज कुमार सिंह, अविनाश पांडेय, विकाश कुमार, गौतम कुमार,रंजन कुमार, अंकित कुमार , राहुल कुमार , जुनुश कुमार, बजरंगी यादव समेत सैंकड़ो स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

भाजपा की बैठक में संगठन मजबूती पर जोर

प्रात: किरण संवाददाता

फतुहा। भाजपा फतुहा नगर मंडल की बैठक शनिवार को सिंदूर गार्डेन मैरेज हॉल, रायपुरा में मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन नगर मंडल महामंत्री ई. सुरजीत कुमार ने किया। मुख्य अतिथि जिला प्रभारी धर्मेंद्र कुमार एवं बैठक के विशेष प्रभारी भाजपा नेता मनोज प्रभाकर ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती पर जोर दिया। उन्होंने मंडल अध्यक्ष को निष्क्रिय पदाधिकारियों को सक्रिय करने की विशेष हिदायत दी। बैठक में 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर पटना में आयोजित ह्यसेवा ज्योति यात्रा में फतुहा से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं एवं सामाजिक कार्यकताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की गई। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अरविंद यादव, जिला उपाध्यक्ष भास्कर लाल पटवा, भाजपा नेता गोपाल शर्मा, पूर्व अध्यक्ष गोपाल प्रसाद, रवि प्रकाश, नगर उपाध्यक्ष सुनील वर्मा, अरुण कुमार झा, अनामिका कुमारी, पिंकी साहू, संतोष नोनिया, विशाल कुमार विक्की, सूरज कुमार, शैलेश गुप्ता, संजय तांती, कुंदन कुमार, श्री भगवान यादव सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फतुहा में पटना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2,285 लीटर प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप बरामद

फतुहा। मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पटना पुलिस ने फतुहा थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2,285 लीटर प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर 2026 को दनियावां-फतुहा रोड स्थित एक वेयरहाउस में फार्मा कंपनी के नाम पर प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप की बड़ी खेप मंगाए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के बाद मद्यनिषेध एवं उत्पाद स्वापक इकाई को सूचित कर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने जांच के दौरान रांची से आए पार्सल से प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप की दो खेप बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है।

मधुप मणि पिक्कू बने अशोक नगर चित्रगुप्त परिषद के सचिव

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। 55 वर्षों से भी अधिक पुरानी सामाजिक संस्था अशोकनगर चित्रगुप्त परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन आज आमसभा की बैठक में सर्वसम्मति से किया गया। आमसभा में संस्था के पदाधिकारियों का चयन निर्विरोध एवं सर्वसम्मति से किया गया। आमसभा ने पत्रकार एवं समाजसेवी मधुप मणि पिक्कू को संस्था के महत्वपूर्ण संवैधानिक पद सचिव के रूप में मनोनीत किया। वहीं संस्था के वरिष्ठ सदस्य सुरेंद्र कुमार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, सचिव मधुप मणि पिक्कू, उपाध्यक्ष चितरंजन कुमार, उपाध्यक्ष गोविंद, कोषाध्यक्ष अलिंद वर्मा तथा अंकेक्षक राजेश कुमार सिन्हा का चयन किया गया।

आमसभा में सदस्यों ने नई कार्यकारिणी से संस्था की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने, सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों को मजबूत करने तथा सदस्यों के हित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की। आमसभा में आगामी चित्रगुप्त पूजनोत्सव की तैयारी की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छता के लिए विशेष अभियान-6 शुरू

पटना। राज्य के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के लिए ह्यविशेष अभियान-6ह्ल शुरू किया गया है। यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने सभी जिलों को इसके लिए निर्देश जारी किए हैं। राज्य कार्यक्रम अधिकारी-क्वालिटी एश्योरेंस ने सभी सिविल सर्जन और जिला स्वास्थ्य समिति के सदस्य सचिवों को पत्र भेजा है। इसमें स्वास्थ्य संस्थानों में सफाई व्यवस्था बेहतर करने पर जोर दिया गया है। रोजाना देनी होगी जानकारी- अभियान के दौरान अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में होने वाली सफाई से जुड़ी गतिविधियों की रोजाना जानकारी देनी होगी। इसके लिए विभाग अलग गूगल शीट जारी करेगा।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1.50 लाख तक निःशुल्क उपचार की सुविधा

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने एवं उपचार के खर्च की चिंता से मुक्त करने के उद्देश्य से पीएम राहत योजना प्रभावी रूप से संचालित है। योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक पात्र पीड़ित को 1.50 लाख तक का कैशलेस (निःशुल्क) उपचार आयुष्मान भारत से निबंधित अस्पतालों में उपलब्ध कराया जा रहा है। दुर्घटना की तिथि से अगले 7 दिनों तक उपचार का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाता है जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने संबंधित अस्पतालों एवं पुलिस पदाधिकारियों को इस योजना अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को सरलता से इलाज उपलब्ध कराने के निदेश दिए हैं. इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है, ताकि सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को समय पर उपचार एवं योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती कराए जाने पर योजना के तहत उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। अस्पताल द्वारा मरीज का विवरण ऑनलाइन ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम में दर्ज किया जाता है। इसके बाद पुलिस सत्यापन एवं आवश्यक अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी कर पीड़ित को योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद का गोल्डन ऑवर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार उपलब्ध होने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। पीएम राहत योजना का उद्देश्य इसी महत्वपूर्ण अवधि में उपचार की सुविधा सुनिश्चित करना

वृद्धजनों के बीच 111 महिलाओं को साड़ी और पुरुषों को मिला अंगवस्त्र

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदना और अपनत्व का संदेश देने के उद्देश्य से 1 अक्टूबर 2026 को गुलजारबाग स्थित सहारा वृद्धाश्रम में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की स्वतंत्र इकाई ह्यमेरा युवा भारतह्ल की पटना जिला इकाई के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में वृद्धजनों के साथ समय बिताने के साथ उन्हें सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि वृद्धावस्था जीवन का ऐसा पड़ाव है, जहां व्यक्ति को सबसे अधिक जरूरत सम्मान, स्नेह, संवाद और साथ की होती है। आयोजन के दौरान वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं और पुरुषों के चेहरों पर दिखाई दी खुशी ने कार्यक्रम को भावनात्मक बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों और सामाजिक कार्यकताओं ने वृद्धजनों के सम्मान और उनके अनुभवों से सीख लेने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल सामग्री का वितरण करना नहीं था, बल्कि बुजुर्गों के बीच जाकर उनके साथ आत्मीय समय बिताना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़े होने का एहसास कराना भी था। ह्यमेरा युवा भारतह्ल की पटना जिला इकाई की जिला युवा अधिकारी निशा कुमारी के आग्रह पर राम जानकी प्रगति सेवा संस्थान की सचिव अर्पणा बाला ने कार्यक्रम की समन्वयक की भूमिका निभाई। उन्होंने आयोजन की विभिन्न गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण वृद्धाश्रम में रहने वाली महिलाओं के बीच 111 साड़ियों का वितरण रहा। महिलाओं को साड़ी प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। वहीं वृद्धाश्रम में रहने वाले पुरुषों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वृद्धजनों के लिए ऐसे अवसर केवल उपहार पाने तक सीमित नहीं होते हैं। उनके लिए किसी का पास बैठना, हालचाल पूछना, बातचीत करना और सम्मान के साथ उन्हें संबोधित करना भी विशेष महत्व रखता है। कार्यक्रम में इसी आत्मीयता का वातावरण दिखाई दिया। आयोजन के अगले चरण में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वृद्धजनों के सम्मान के साथ प्रकृति के संरक्षण को जोड़ना कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही। वृक्षारोपण यह संदेश भी देता है कि जैसे पेड़ अपने जीवनभर समाज को छाया, फल और प्राणवायु देते हैं, वैसे ही बुजुर्ग अपने अनुभवों और संस्कारों से परिवार और समाज को समृद्ध करते हैं। इसलिए उनका सम्मान और पर्यावरण संरक्षण दोनों आने वाली पीढ़ियों के प्रति जिम्मेदारी का हिस्सा है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कविता और गीतों की प्रस्तुति ने वातावरण को और अधिक भावपूर्ण बना दिया। उपस्थित लोगों ने अपनी रचनाओं और गीतों के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति सम्मान और जीवन के अनुभवों को अभिव्यक्त किया। कुछ समय के लिए वृद्धाश्रम का वातावरण उत्सव और पारिवारिक मिलन जैसा हो गया।

बाढ़ एवं अत्यधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती मिशन मोड में जारी

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। जिले में बाढ़ एवं अत्यधिक वर्षा के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती का कार्य मिशन मोड में जारी है। जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार ने सभी संबंधित कार्यपालक अभियंताओं को सड़क मरम्मती कार्य में और तेजी लाते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है, ताकि आम नागरिकों को आवागमन में अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। पटना जिला अंतर्गत आने वाली ठलअक की 145 किलोमीटर सड़क में बाढ़ एवं अत्यधिक वर्षा से 130 स्थानों पर बने छोटे -छोटे गड्ढे को मरम्मती के लिए चिह्नित किया गया था, जिनमें से 100 स्थानों पर गड्ढों को ठीक किया जा चुका है। शेष 30 स्थानों पर भी कार्य तेजी से जारी है। ग्रामीण कार्य विभाग के विभिन्न प्रमंडलों में भी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती का कार्य लगातार प्रगति पर है। बाढ़ प्रमंडल में 166 चिह्नित स्थलों में से 5 स्थानों पर लगभग 1.60 किलोमीटर सड़क की मरम्मती पूर्ण हो चुकी है। पटना पश्चिमी प्रमंडल में 96 चिह्नित स्थलों में से 43 स्थानों पर कार्य पूरा किया जा चुका है। साथ ही बाढ़ से क्षतिग्रस्त 5 सड़कों, जिनकी कुल लंबाई लगभग 4.9 किलोमीटर है, को पुनः मोटरेबल बनाने का कार्य प्रगति पर है।पालीगंज प्रमंडल में 73 चिह्नित स्थलों में से 6 स्थानों पर 2 किलोमीटर से अधिक सड़क की मरम्मती पूर्ण हो चुकी है। दानापुर प्रमंडल में चिह्नित दोनों स्थानों पर मरम्मती कार्य पूरा कर लिया गया है। मसौढ़ी प्रमंडल में 11 चिह्नित स्थलों में से 6 स्थानों पर कार्य पूर्ण हो चुका है। पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत भी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मती तेजी से की जा रही है। न्यू कैपिटल रोड डिवीजन में चिह्नित 355 स्थलों में से 72 स्थानों पर सड़क की मरम्मती पूरी की जा चुकी है। पटना पश्चिमी डिवीजन में 129 चिह्नित स्थलों में से 8 स्थानों पर लगभग 7 किलोमीटर सड़क की मरम्मती पूर्ण हो चुकी है। पटना सिटी पथ प्रमंडल में चिह्नित सभी 4 स्थानों पर लगभग 1.5 किलोमीटर सड़क की मरम्मती पूरी कर ली गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ एवं अत्यधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों को शीघ्रता से आवागमन योग्य बनाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है।

बुद्ध मार्ग में बनेगा बहुमंजिला विद्या भवन एक छत के नीचे आएगा शिक्षा विभाग

■ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा विभाग की तमाम गतिविधियां अब एक ही परिसर से संचालित करने की दिशा में पहल शुरू हो गई है। बुद्ध मार्ग स्थित टेक्स्ट बुक कार्यालय परिसर में बहुमंजिला विद्या भवन (शिक्षा भवन) का निर्माण कराया जाएगा। प्रस्तावित भवन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा और इसकी डिजाइन इस तरह तैयार की जाएगी कि वर्तमान के साथ-साथ भविष्य में विभाग की बढ़ती जरूरतों को भी पूरा किया जा सके। विद्या भवन के निर्माण के बाद शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों और निदेशालयों को एक ही भवन में स्थान मिल सकेगा। इससे विभागीय कामकाज को एक स्थान पर समेकित करने में मदद मिलेगी। भवन के निर्माण में गुणवत्ता के मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। विद्या भवन को केवल वर्तमान कार्यालयी जरूरतों को ध्यान में रखकर नहीं बनाया जाएगा, बल्कि आने वाले वर्षों में शिक्षा विभाग के विस्तार और कार्यप्रणाली में होने वाले बदलावों को भी ध्यान में रखा जाएगा। भवन की डिजाइन, कार्यालयों की व्यवस्था और उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं को इसी आधार पर विकसित किया जाएगा।

आधुनिक आधारभूत सुविधाओं से युक्त यह भवन शिक्षा विभाग के लिए एक केंद्रीकृत प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे विभाग की विभिन्न गतिविधियों को एक ही स्थान से संचालित करने की व्यवस्था तैयार होगी।

स्कूल बस और चालकों की जानकारी वाला पोर्टल तैयार

■ वाहन और सारथी पोर्टल पर इंटीग्रेशन के बाद होगा लॉन्च

प्रात : किरण

पटना। स्कूली बच्चों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने एक नई डिजिटल पहल की है। विभाग ने निजी स्कूलों में संचालित होने वाले सभी वाहनों का पूरा डाटाबेस तैयार करने के लिए एक विशेष पोर्टल विकसित किया है। पोर्टल को पूरी तरह तैयार कर लिया गया है, जिसे वाहन और सारथी पोर्टल से जोड़े जाने के बाद लाइव किया जाएगा। विभागीय के अनुसार, पोर्टल शुरू होने के बाद राज्य के सभी निजी स्कूलों को इस पर अनिवार्य रूप से निबंधन कराना होगा। स्कूलों को अपने यहां संचालित सभी तरह के वाहन और उसके चालक से संबंधित संपूर्ण विवरण ऑनलाइन अपलोड करना होगा। इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। इसके माध्यम से स्कूली।

जमाबंदी शुद्धीकरण एवं उत्तराधिकार नामांतरण अभियान पर राजस्व विभाग का विशेष जोर

■ विभागीय सचिव प्रतिदिन अभियान की प्रगति की खुद कर रहे समीक्षा

■ तीसरे शनिवार को भी जिलों में पहुंचे राजस्व मुख्यालय के 10 अधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जमाबंदी अद्यतीकरण एवं उत्तराधिकार नामांतरण के लिए चलाए जा रहे 45 दिवसीय विशेष अभियान की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अभियान की जमीनी प्रगति का जायजा लेने के लिए तीसरे शनिवार को भी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के 10 अधिकारी 10 जिलों के 20 अंचल कार्यालयों में पहुंचे। अधिकारियों ने अंचल स्तर पर अभियान की प्रगति, ऑनलाइन सेवाओं के निष्पादन और अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति की जांच की। विभाग के सचिव जय सिंह द्वारा अभियान की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। अंचल स्तर पर उपलब्ध कराई गई अधूरी जमाबंदियों के शुद्धीकरण, मृत रैयतों के वैधानिक उत्तराधिकारियों के नामांतरण तथा लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर अधिकारियों से प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। विभागीय स्तर से जिलों और अंचलों में अधिकारियों को भेजकर जमीनी स्थिति की भी नियमित जांच कराई जा रही है।

शनिवार को किए गए निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह देखा कि अंचल कार्यालयों में उपलब्ध कराई गई अधूरी जमाबंदियों में रकबा, खाता, खेसरा, लगान एवं अन्य विवरणों का अभिलेख से मिलान कर सुधार किया जा रहा है या नहीं। मृत जमाबंदी धारकों के मामलों में उनके वैधानिक उत्तराधिकारियों की पहचान एवं नामांतरण की कार्रवाई की भी समीक्षा की गई।

साथ ही ऑनलाइन सेवाओं के समयबद्ध निष्पादन, अभिलेखागार के रखरखाव तथा नवंबर में वासभूमिहीन परिवारों को पर्चा निर्गत करने की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। निरीक्षण के बाद संबंधित अंचल अधिकारियों को अभियान के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने तथा विभाग को रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।

कैमूर के भभुआ एवं मोहनिया अंचल का निरीक्षण अपर सचिव डॉ. महेन्द्र पाल ने किया।

औरंगाबाद के गोह एवं हसपुरा अंचल का निरीक्षण अपर सचिव श्री आजीव वत्सराज ने किया। मुजफ्फरपुर के मुशहरी एवं मोतीपुर अंचल का निरीक्षण संयुक्त सचिव डॉ. सुनील कुमार तथा पूर्वी चंपारण के चकिया एवं मेहसी अंचल का निरीक्षण संयुक्त सचिव संजय कुमार सिंह ने किया।

समस्तीपुर के समस्तीपुर सदर एवं पूसा अंचल का निरीक्षण विशेष कार्य पदाधिकारी श्री मणि भूषण किशोर ने किया। पटना के दानापुर एवं मनेर अंचल का निरीक्षण उप निदेशक, सर्वेक्षण कार्यालय, गुलजारबाग श्रीमती मोना झा ने किया। दरभंगा के सिंघवाड़ा एवं केवटी अंचल का निरीक्षण विशेष कार्य पदाधिकारी मो. नवाजिश अख्तर ने किया।

मधुबनी के मधुबनी सदर एवं पंडौल अंचल का निरीक्षण उप सचिव अविनाश कुमार ने किया। सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर एवं बनमा इटहरी अंचल का निरीक्षण उप निदेशक, कृषि गणना अशोक कुमार शर्मा ने किया।

मुंगेर के मुंगेर सदर एवं हवेली खड़गपुर अंचल का निरीक्षण सहायक निदेशक, कृषि गणना सुमित कुमार आनंद ने किया। विभाग की ओर से अभियान की नियमित समीक्षा और क्षेत्रीय निरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जमाबंदी शुद्धीकरण एवं उत्तराधिकार नामांतरण का कार्य केवल आवेदन आधारित न रहकर अंचल स्तर से सक्रिय पहल के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा हो।

45 दिवसीय विशेष अभियान के तहत 31 अक्टूबर तक जमाबंदियों के शुद्धीकरण और उत्तराधिकार नामांतरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

‘फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद’ : दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर जदयू की वर्चुअल बैठक

बिहार के जल हितों को लेकर जनता जागरूक, ‘नीतीश संवाद’ को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन : उमेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को आगामी 6, 7, 8 एवं 9 अक्टूबर को क्रमशः सारण, वैशाली, समस्तीपुर एवं पटना में आयोजित होने वाले ह्यफरक्का जल संधि पर नीतीश संवादह्व के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर संबंधित जिलों के विधानमंडल दल के सदस्यों, जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, प्रकोष्ठ अध्यक्षों एवं वरिष्ठ साथियों के साथ वर्चुअल बैठक कर विस्तृत समीक्षा की तथा कार्यक्रमों के ऐतिहासिक आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान श्री कुशवाहा ने कहा कि हमारा बिहार पिछले 30 वर्षों से फरक्का बैराज और फरक्का जल संधि की भारी कीमत चुका रहा है। फरक्का बैराज के कारण गंगा में भारी मात्रा में गाद जमा होने से नदी की गहराई और जलधारण क्षमता प्रभावित हुई है। इसके चलते बिहार को हर वर्ष बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ती है, किसानों की फसलें तबाह होती हैं और आम जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यह एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है, लेकिन इसका 73 प्रतिशत बोझ अकेले बिहार को उठाना पड़ रहा है। इस संधि के कारण बिहार को शुष्क मौसम में गंगा समेत राज्य की आंतरिक नदियों का पानी भी फरक्का बैराज पर देना पड़ता है, जिससे कई जिलों में सूखे तक की स्थिति हो जाती है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लंबे समय से फरक्का के कारण बिहार को हो रहे नुकसान और बिहार के जल हितों को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे हैं। हमारी पार्टी की ओर से 14 करोड़. बिहारवासियों के हित और भविष्य से जुड़े इस बेहद महत्वपूर्ण विषय को लेकर 5 सितंबर से ह्यफरक्का जल संधि पर नीतीश संवादह्व कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इसके प्रथम चरण में 4 जिलों बक्सर, भोजपुर, खगड़िया एवं बेगूसराय मे राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा जी के साथ मेरा संयुक्त संवाद हुआ। इस कार्यक्रम को व्यापक जनसमर्थन मिला है।

पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के छात्रों एवं युवाओं से निशांत ने किया संवाद, चुनावी जीत का दिया मंत्र

■ नीरज कुमार समाजवादी विचारधारा वाले समर्पित साथी, उनकी जीत में निभाएं सक्रिय भूमिका : निशांत

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में मंत्री स्वास्थ्य विभाग निशांत ने पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से आए बड़ी संख्या में छात्रों एवं युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया। इस दौरान उपस्थित छात्र.युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जय निशांत-तय निशांतह्व के नारों से प्रदेश कार्यालय परिसर गूंज उठा। इस अवसर पर बिहार विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी एवं पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित जदयू प्रत्याशी सह मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार भी मौजूद रहे। निशांत ने कहा कि नीरज कुमार पार्टी के समर्पित एवं अनुभवी साथी हैं। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता रही है और वे सदैव अपने क्षेत्र की जनसमस्याओं एवं जनहित से जुडे.मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। ऐसे में युवा प्रत्येक साथी का दायित्व है कि वे पूरी एकजुटता के साथ नीरज कुमार के समर्थन में चुनाव प्रचार में जुटें और उनकी जीत सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि बीते 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने तथा छात्रों एवं युवाओं के हित में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने युवा साथियों से आह्वान किया कि वे सरकार की उपलब्धियों और शिक्षा के क्षेत्र में हुए बदलावों को प्रत्येक मतदाता तक पहुंचाएं तथा उन्हें इन कार्यों से अवगत कराएं। अपने संबोधन के अंत में निशांत ने कहा कि प्रत्येक मतदाता का एक-एक वोट नीतीश कुमार के 20 वर्षों के सुशासन के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है। यह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में न्याय के साथ विकास की गति को आगे बढ़ाने तथा बिहार की शिक्षा व्यवस्था एवं रोजगार परक नीतियों को और मजबूत बनाने के संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने पटना सहित सभी आठ शिक्षक/स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में जीत सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

बिहार विधान परिषद के दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से कुमर राय राजद के अधिकृत प्रत्याशी : एजाज

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के निदेर्शानुसार, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के परामशार्नुसार ,प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने बिहार विधान परिषद के दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से कुमर राय को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित किया है। एजाज अहमद ने आगे बताया कि कुमर राय बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रहे है और लगातार शिक्षकों के हित में संघर्ष और आंदोलन किया और शिक्षकों की मांगों को हर स्तर पर उठाने का काम करते रहे है। राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने कुमर राय को अधिकृत प्रत्याशी का समर्थन पत्र जारी किया।

अजय कुमार पासवान को बनाया गया बिहार कांग्रेस मीडिया विभाग का अध्यक्ष

नई दिल्ली। बिहार कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के बाद संगठन को नए सिरे से सक्रिय करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार विभाग में बदलाव किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद अजय कुमार पासवान को विभाग का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने रविवार को इस संबंध में आदेश जारी किया। नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार, अजय कुमार पासवान अब बिहार कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग की कमान संभालेंगे। वह मौजूदा अध्यक्ष राजेश राठौड़ का स्थान लेंगे। पार्टी के इस फैसले को विधानसभा चुनाव के बाद संगठनात्मक स्तर पर बदलाव की कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल, राजेश राठौड़ ने एक दिन पहले बिहार विधान परिषद के तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया था। कांग्रेस ने उन्हें एमएलसी चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया था। इसके बाद पार्टी ने मीडिया एवं प्रचार विभाग की जिम्मेदारी में बदलाव किया है। अजय कुमार पासवान मूल रूप से जहानाबाद के रहने वाले हैं। वह कांग्रेस के अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) विभाग में राष्ट्रीय समन्वयक की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। वर्तमान में वह बिहार कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते रहे हैं। अब उन्हें प्रदेश के मीडिया एवं प्रचार विभाग की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विधानसभा चुनाव के बाद बिहार कांग्रेस संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और मीडिया तंत्र को अधिक सक्रिय बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसी क्रम में मीडिया एवं प्रचार विभाग का पुनर्गठन किया गया है। दो दिन पहले जारी सूची में मीडिया और प्रचार से जुड़े विभिन्न पदों पर 93 नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अब विभाग के शीर्ष स्तर पर बदलाव के साथ पार्टी ने अपने संचार तंत्र को नए सिरे से व्यवस्थित करने का संकेत दिया है।

इंजीनियर अवधेश कुमार सिंह का निधन सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षतिः श्रवण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री सह जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने इंजीनियर अवधेश कुमार सिंह के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा है कि उनका निधन सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। वे समता पार्टी के स्थापना काल से ही हमारे साथ जुड़े रहे और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता एवं समर्पण के साथ लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाते रहे। खगड़िया जिला समता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष के दायित्व से लेकर जिला परिषद सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर उन्होंने जनसेवा को अपने जीवन का प्रमुख उद्देश्य बनाया।

पटना इंजीनियरिंग कॉलेज से इंजीनियरिंग की स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के बाद उनके सामने एक उज्ज्वल पेशेवर जीवन का अवसर था, लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत सुख-सुविधा और नौकरी के बजाय समाजसेवा को अपना जीवन-ध्येय बनाया। जीवन के अंतिम समय तक वे समाज के कमजोर, गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए तत्पर रहे।

स्वर्गीय सिंह का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षा और प्रतिभा का सर्वोत्तम उपयोग समाज के वंचित वर्गों के उत्थान और जनसेवा में किया जा सकता है। राजनीति को उन्होंने कभी केवल पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं माना, बल्कि लोगों की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए प्रयास करने का माध्यम बनाया।

स्वर्गीय अवधेश कुमार सिंह के साथ बिताए समय और उनके सामाजिक सरोकार सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनके निधन से हमने एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता, संघर्षशील साथी और संवेदनशील जनसेवक को खो दिया है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिजनों, शुभचिंतकों और समर्थकों को इस अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

स्वर्ण पदक विजेता शम्स आलम लगातार तीसरी बार एशियन पैरा गेम्स में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

■ जापान में 18 से 24 अक्टूबर तक होगा आयोजन, बिहार के पैरा तैराक के चयन से खेल जगत में खुशी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार के पैरा तैराक शम्स आलम ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन जापान में 18 से 24 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले एशियन पैरा गेम्स-2026 के लिए भारतीय दल में हुआ है। वे प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खास बात यह है कि एशियन पैरा गेम्स के लिए यह उनका लगातार तीसरा चयन है। वे बिहार से लगातार तीन बार इस प्रतियोगिता के लिए चयनित होने वाले पहले पैरा तैराक हैं। शम्स आलम का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन रहा है। वर्ष 2018 के इंडियन ओपन पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में उन्होंने चार स्वर्ण पदक जीते थे। वहीं, वर्ष 2016 में कनाडा के गैटिन्यू, क्यूबेक में आयोजित कैन-एम पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक हासिल किया।

उन्होंने वर्ष 2018 में जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित एशियन पैरा गेम्स तथा 2022 में मदीरा, पुर्तगाल में आयोजित वर्ल्ड पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। खेल के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों को देखते हुए 3 दिसंबर 2021 को भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें ह्यबेस्ट स्पोर्ट्सपर्सन विद डिसेबिलिटी अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

एशियन पैरा गेम्स-2026 के लिए चयन पर शम्स आलम ने बिहार सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को मिल रहा सहयोग और प्रोत्साहन उनके खेल करियर को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

कांग्रेस के कोशी स्नातक एमएलसी प्रत्याशी मनोज जायसवाल पहुंचे सुपौल

पटना। बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के हाथों पटना में पार्टी का सिंबल प्राप्त करने के तुरंत बाद कोशी स्नातक क्षेत्र के लिए कांग्रेस के विधान परिषद प्रत्याशी मनोज कुमार जायसवाल सीधे सुपौल स्थित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मिन्नत रहमानी के आवास पर पहुँचे और उनका आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर आयोजित स्नातक संवाद एवं प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मनोज जायसवाल ने कहा कि कोशी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, शिक्षकों, छात्रों एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर उन्होंने हमेशा सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ी है। पार्टी ने अब मौका दिया है कि स्नातक वोटर के समर्थन से मैं सदन में भी इन मुद्दों को लेकर आवाज उठाऊँ तो निश्चित तौर पर यदि जनता ने मुझे अपना प्रतिनिधि बनाया तो उनकी आवाज को बुलंद करने के लिए मुझे जितने भी प्रयास करने पड़ेंगे वो मैं कर के दिखाऊँगा। मनोज जायसवाल ने कहा, यदि मुझे स्नातक मतदाताओं ने मौका दिया, तो शिक्षकों की मांगों को पूरा करने के लिए, छात्र-युवाओं के रोजगार के मुद्दे पर यदि मुझे सदन में भी अनशन पर बैठना पड़ा, तो मैं पीछे नहीं हटूंगा। मैं अपनी लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ूंगा। इस मौके पर कांग्रेस नेता सह सुपौल विधानसभा के पुर्व प्रत्याशी मिन्नत रहमानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जमीन से जुड़े हुए एक ऐसे व्यक्ति को विधान परिषद के स्नातक उम्मीदवार के रूप में घोषित किया है, जो हमेशा से जमीनी स्तर पर काम करते रहे हैं।

शिक्षा के निजीकरण के खिलाफ शिक्षकों को सामाजिक भूमिका निभानी होगी : दीपंकर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा बचाओ, देश बचाओ विषय पर सेमिनार का आयोजन आईएमए हॉल में किया गया। कार्यक्रम में भाकपा(माले) महासचिव कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य, विधान परिषद सदस्य शशि यादव, पालीगंज विधायक संदीप सौरभ, दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. राजीव कुंवर, बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोपगुट) के सम्मानित अध्यक्ष रामबली प्रसाद, महासचिव प्रेमचंद सिन्हा तथा प्राथमिक शिक्षक संघ के राज्य अध्यक्ष प्रदीप राय समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और शिक्षा आंदोलन से जुड़े लोग उपस्थित थे।

सेमिनार को संबोधित करते हुए भाकपा(माले) महासचिव कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों को अपनी सामाजिक भूमिका निभानी होगी। शिक्षा के व्यापारीकरण, निजीकरण और केंद्रीयकरण के जरिए शिक्षा व्यवस्था और समाज में वैचारिक बदलाव की कोशिशों पर गंभीर बहस जरूरी है।

कॉमरेड दीपंकर ने कहा कि पूरे साल शिक्षा, सामाजिक बराबरी और फुले-आंबेडकर की विचारधारा के सवालों पर व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है। पालीगंज विधायक संदीप सौरभ ने कहा कि नई शिक्षा नीति को गरीब तबके के बच्चों की शिक्षा तक पहुंच के संदर्भ में गंभीरता से देखने की जरूरत बताई।

कौशिकी महिला दूध उत्पादक कंपनी ने बदली 49 हजार महिलाओं की तकदीर

कोसी क्षेत्र में डेयरी क्रांति से ग्रामीण महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

प्रात : किरण संवाददाता

> कौशिकी महिला दूध उत्पादक कंपनी ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और सामूहिक उद्यमिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। हमारे सर्वमान्य नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के हाथों गठित जीविका के सहयोग से शुरु हुआ यह मॉडल आज हजारों महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहा है। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे सफल मॉडलों को हर संभव प्रोत्साहन दिया जा रहा है। कौशिकी की यह सफलता दिखाती है कि जब ग्रामीण महिलाओं के छोटे-छोटे प्रयासों को संगठित ढांचे और बाजार से जोड़ा जाता है, तो यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा दोनों बदल सकता है।
>
> - श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग)

पटना। बिहार के ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक पशुपालन अब केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाला एक सफल उद्यम बन चुका है। वर्ष 2017 में स्थापित सहरसा की कौशिकी महिला दूध उत्पादक कंपनी लिमिटेड से जुड़ीं करीब 49 हजार से भी अधिक जीविका दीदियों ने कठिन मेहनत और लगन के बदौलत दुग्ध उत्पादन और उसके खरीद-बिक्री के कारोबार को आज करोड़ों में पहुंचाकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिखने का काम किया है। जीविका के अधिकारियों के अनुसार, सहरसा में कौशिकी महिला दूध उत्पादक कंपनी का गठन सितंबर 2017 में किया गया था, जबकि इसका व्यावसायिक संचालन अक्टूबर 2018 से शुरू हुआ। शुरूआत में सहरसा, सुपौल और मधेपुरा में डेयरी मूल्य श्रृंखला विकसित करने की योजना बनाई गई थी, जिसका बाद में खगड़िया और मुंगेर तक इसका विस्तार किया गया। इस कंपनी को बिहार जीविका से वित्तीय सहायता और एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज से तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त है। स्थापना के बाद से कंपनी ने अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2019-20 में जहां कंपनी से 16,656 महिला सदस्य जुड़ी थीं, वहीं अगस्त 2026 तक यह संख्या बढ़कर 49,344 हो गई है। यानी बीते सात वर्षों में सदस्य संख्या में करीब तीन गुना की वृद्धि हुई है। इसी अवधि में औसत दैनिक दूध संग्रह 11,436 किलोग्राम से बढ़कर 94,180 किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गया है। वर्तमान में 479 लाख रुपये की शेयर पूंजी के साथ कंपनी पांच जिलों के 53 प्रखंडों में 17 बल्क मिल्क कूलरों और 1,192 कार्यशील मिल्क प्रोक्योरमेंट प्वाइंट्स के माध्यम से प्रतिदिन औसतन 92,218 किलोग्राम दूध का संग्रह कर रही है। कंपनी की आर्थिक मजबूती उसके कारोबार के आंकड़ों में साफ झलकती है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में कंपनी का कुल टर्नओवर 16.54 करोड़ रुपये था, जो 2025-26 में लगभग 8.8 गुना बढ़कर 145.01 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त तक ही कंपनी 74.81 करोड़ रुपये का कारोबार कर चुकी है। कारोबार में हुई इस वृद्धि का सीधा लाभ महिला दुग्ध उत्पादकों को मिल रहा है। किसानों को किया जाने वाला भुगतान 2019-20 के 14.38 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में 113.10 करोड़ रुपये हो गया है, जो लगभग 8 गुना की बढ़ोतरी दशार्ता है। कंपनी दूध संग्रह के साथ-साथ पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम गभार्धान, संतुलित पशु आहार, मिनरल मिश्रण और हरा चारा जैसी सुविधाएं भी सदस्यों को उपलब्ध करा रही है। अगस्त 2026 तक सदस्यों द्वारा कुल 13.96 करोड़ किलोग्राम दूध की आपूर्ति की जा चुकी है। इस दौरान 1.97 लाख कृत्रिम गभार्धान, 7,375 मीट्रिक टन पशु आहार, 129 मीट्रिक टन मिनरल मिश्रण और 139 मीट्रिक टन हरे चारे की आपूर्ति की गई है।

हम लोग जनता के बीच जाएंगे और अन्याय के खिलाफ मरते दम तक लड़ेंगे : तेजस्वी

■ राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने चुनाव आयोग से लेकर केंद्र सरकार को घेरा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग वही करता है, जो भाजपा चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार जैसे लोग आते-जाते रहेंगे, लेकिन असली लड़ाई भाजपा और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त को कानूनी संरक्षण दिया गया है। तेजस्वी ने कहा कि राष्ट्रपति भी पद से हटने या कार्यकाल समाप्त होने के बाद कार्रवाई का सामना कर सकते हैं, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त पद से हटने के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने चुनाव संबंधी रिकॉर्ड रखने की अवधि कम किए जाने और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए चयन पैनल में बदलाव का भी मुद्दा उठाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले वोट के रिकॉर्ड को एक साल तक रखने का प्रावधान था, जिसे घटाकर 45 दिन कर दिया गया। साथ ही, मुख्य न्यायाधीश को चयन पैनल से हटाकर केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया। इन बदलावों के खिलाफ विपक्ष जनता के बीच जाएगा और लड़ाई जारी रखेगा। तेजस्वी ने कहा, ह्यहम लोग जनता के बीच जाएंगे, लड़ाई लड़ेंगे और अन्याय के खिलाफ मरते दम तक लड़ेंगे।ह्व उन्होंने दावा किया कि लोग सरकार से नाराज हैं और जनता में आक्रोश है। उनके मुताबिक, जब वोट का महत्व ही नहीं रहेगा और कथित तौर पर वोट की चोरी होगी तो सरकार जनता की समस्याओं की परवाह क्यों करेगी। बिहार में बाढ़ और फसल नुकसान को लेकर भी तेजस्वी ने राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में एक साथ बाढ़ और सूखे जैसी स्थिति है। बीच में हुई बारिश से किसानों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन अब तक किसानों को मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री को कई बार पत्र लिखे गए और बात भी की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि चुनाव के समय भाजपा को बिहार की जनता की याद आती है और चुनाव खत्म होते ही उसे ला दिया जाता है। चुनाव जीतने के लिए बिहार का खजाना खाली कर दिया गया है और राज्य कर्ज पर चल रहा है। उनके अनुसार, आने वाले छह महीनों में स्थिति और खराब हो सकती है। राजद नेता ने महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी और अपराध को लेकर भी सरकार को घेरा।

जाति की दीवारों को तोड़ दरभंगा में 53 होनहारों का भव्य सम्मान, सामाजिक सद्भाव और एकता की मिसाल पेश

- वैश्य सूड़ी समाज समिति ने सर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर पेश की सामाजिक एकता की मिसाल: सुमन महासेठ
- प्रतिभा का सम्मान ही समाज का सम्मान, वैश्य सूड़ी समाज की पहल से मिलेगा बच्चों को प्रोत्साहनः अमरनाथ गामी

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। जातीय संकीर्णता और सीमाओं से ऊपर उठकर प्रतिभाओं को सम्मानित करने की एक अद्भुत एवं ऐतिहासिक पहल रविवार को दरभंगा की धरती पर साकार हुई। ह्यवैश्य सूड़ी समाज समिति, दरभंगाह्न के तत्वावधान में आयोजित ह्यसर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोहह्न में विभिन्न समाजों की 53 चमकती प्रतिभाओं को एक ही मंच से सम्मानित कर सामाजिक समरसता, भाईचारे और अखंडता का शक्तिशाली संदेश दिया गया। इस गरिमामयी समारोह में नीट, जेईई मेन, बिहार लोक सेवा आयोग ,, चार्टर्ड अकाउंटेंसी , असिस्टेंट प्रोफेसर और बैंकिंग सेवा जैसी कठिन परीक्षाओं में परचम लहराने वाले युवाओं को सम्मानित किया गया। प्रतिभा और परिश्रम का महाउत्सवः अमरनाथ गामीसमारोह को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अमरनाथ गामी ने कहा, ह्लप्रतिभा का सम्मान वास्तव में पूरे समाज का सम्मान है। यह आयोजन महज एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लगन, कड़ी मेहनत और सफलता का महाउत्सव है। अलग-अलग जातियों और वर्गों के युवाओं को एक ही मंच पर लाकर आयोजकों ने समाज को जोड़ने, भाईचारे और शांति का सकारात्मक संदेश दिया है।ह्व उन्होंने कहा कि जातीय पहचान से बंधे संगठनों के बीच सर्वजातीय प्रतिभाओं को एकजुट करना एक सराहनीय कदम है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी। पूर्व एमएलसी सुमन महासेठ ने कहा कि वैश्य सूड़ी समाज समिति ने यह अनूठा आयोजन कर सामाजिक एकता का नया आयाम प्रस्तुत किया है। समाज को मजबूत करने के लिए ऐसे प्रयासों की अत्यंत आवश्यकता है। सर्वसमाज की दिखी एकमंच पर भागीदारी इस ऐतिहासिक आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि मंच पर और सम्मान पाने वालों में समाज के हर वर्ग का प्रतिनिधित्व दिखा। एमआरएम कॉलेज की प्राचार्या प्रो. पुष्पम नारायण, डॉ. सूरज नायक, प्रो. कविता नायक, डॉ. श्यामचंद्र गुप्ता, ब्राह्मण समाज के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत झा, मारवाड़ी समाज के जिलाध्यक्ष विनोद सरावगी, कायस्थ समाज के शैलेंद्र सिन्हा, रोनियार समाज के राष्ट्रीय युवा सचिव अंकुर गुप्ता और लोहार समाज के जिलाध्यक्ष शिवनाथ शर्मा ने अपने ओजस्वी विचार व्यक्त किए। इसके अलावा तेली समाज से संतोष साहू, पासी समाज से किशोरी महतो, सिंधी समाज से विजय पासवान समेत कई गणमान्य प्रतिनिधियों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामनाथ पंजियार ने की। प्रमंडलीय अध्यक्ष सुनील गड़ाई ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया, जबकि कोषाध्यक्ष अजय पंजियार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संदेश स्पष्ट है: प्रतिभा किसी जाति या वर्ग की मोहताज नहीं होती, यह संपूर्ण राष्ट्र की पूंजी है। प्रतिभाओं को सही मंच और सम्मान देकर ही हम एक सशक्त, समरस और उन्नत भारत का निर्माण कर सकते हैं।

इन क्षेत्रों में मिली सफलता का हुआ सम्मानसमारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुल 53 मेधावी युवाओं को सम्मानित किया गया, जिनमें शामिल हैं:
- नीट सफलः 17 प्रतिभाएं
- बीपीएससी सफलः 08 प्रतिभाएं
- जेईई मेन सफलः06 प्रतिभाएं
- चार्टर्ड अकाउंटेंट (उत्त.): 02 प्रतिभाएं
- असिस्टेंट प्रोफेसरः 02 प्रतिभाएं
- बैंकिंग सेवाः 02 प्रतिभाएं
- अन्य क्षेत्रः 16 प्रतिभाएं

एनडीए प्रत्याशियों की जीत के लिए बूथ स्तर तक मजबूत करें रणनीति : संजय झा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा।दिल्ली मोड़ स्थित होटल में रविवार को जनता दल यूनाइटेड की ओर से कार्यकर्ता संवाद एवं शिक्षक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा रहे। अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष सह विधायक राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने की। कार्यक्रम में आगामी बिहार विधान परिषद के शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में एनडीए समर्थित प्रत्याशियों डॉ. घनश्याम राय और सर्वेश कुमार की जीत सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई। संजय कुमार झा ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए बूथ स्तर तक चुनावी रणनीति को मजबूत करने और मतदाताओं से लगातार संपर्क बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार की उपलब्धियां और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्य पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। इन्हें शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की जरूरत है। विधायक ईश्वर मंडल ने संजय कुमार झा को परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी संसदीय स्थायी समिति का पुनः अध्यक्ष बनाए जाने पर दरभंगा की जनता एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से बधाई दी। उन्होंने कहा कि संजय कुमार झा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में मिथिला के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर पूरी मजबूती के साथ जुटकर विधान परिषद चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मंत्री मदन सहनी, विधान पार्षद डॉ. भारती मेहता एवं विधायक प्रो. विनय कुमार चौधरी ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में एकजुट होकर अभियान चलाने तथा सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रत्याशी डॉ. घनश्याम राय, विधायक सुधांशु शेखर, विधायक सतीश साह सहित जदयू के पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, शिक्षक प्रतिनिधि, प्रबुद्ध मतदाता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में आदित्य भारद्वाज ने जीते पांच मुकाबले

दरभंगा।जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल के नौवीं कक्षा के छात्र आदित्य भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अंडर-17 वर्ग के छह रोमांचक मुकाबलों में आदित्य ने पांच में जीत दर्ज कर पांच अंक हासिल किए।लक्ष्मीसागर निवासी बीएसएनएल के सेवानिवृत्त प्रशाखा पदाधिकारी अशोक कुमार झा के पौत्र एवं समाजसेवी मनीष झा रघु के पुत्र आदित्य की इस उपलब्धि पर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी चंदन कुमार झा ने उन्हें सम्मानित किया। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर आदित्य का चयन प्रमंडल स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता पांच अक्टूबर से आयोजित होगी।इसमें सफल प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आठ अक्टूबर से प्रस्तावित है। आदित्य के शानदार प्रदर्शन से विद्यालय परिवार एवं परिजनों में हर्ष का माहौल है।

बिक्रम में बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

बिक्रमः- थाना क्षेत्र के बिक्रम-पालीगंज मुख्य पथ पर असपुरा लॉक के समीप रविवार को संध्या 4 बजे के लगभग एक अज्ञात बस की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।बस चालक बस लेकर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार एक तेज गति से गुजर रही बस से बाइक के टकरा जाने के बाद उसपर सवार दो लोग सड़क पर गिर कर बुरी तरह जख्मी हो गए ।हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने बिक्रम थाना पुलिस को सूचना दी ।सूचना मिलते ही बिक्रम पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दतियाना लेकर पहुंचे ।अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद एक जख्मी युवक को मृत घोषित कर दिया ।मृतक की पहचान मुस्लिम राघोपुर निवासी संतोष पासवान के पुत्र रिपु कुमार (15 वर्ष) के रूप में कई गई है ।वहीं दूसरे जख्मी का प्राथमिक उपचार किया गया। बिक्रम अपर थानाध्यक्ष वरुण कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना परिवार वालों को दी गई है ।युवक के शव को पोर्समॉर्टम के लिए भेजा गया हैं ।जिस बस से दुर्घटना हुई है उसे सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य श्रोत से पता किया जा रहा है।

बूढ़ी गंडक का जलस्तर स्थिर, बागमती में गिरावट जारी

मुजफ्फरपुर।जिले में नदियों के जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र की ओर से 4 अक्टूबर को जारी दैनिक जलस्तर एवं बाढ़ पूवार्नुमान रिपोर्ट के अनुसार सिकंदरपुर में बूढ़ी गंडक का जलस्तर स्थिर है, जबकि कटौझा और बेनीबाद में बागमती तथा रेवाघाट में गंडक नदी का जलस्तर घट रहा है। रिपोर्ट के अनुसार सिकंदरपुर में बूढ़ी गंडक का जलस्तर 52.53 मीटर दर्ज किया गया है। यहां जलस्तर स्थिर बताया गया है।सिकंदरपुर में नदी का उच्चतम जलस्तर 54.29 मीटर दर्ज किया गया है। कटौझा में बागमती नदी का जलस्तर 54.10 मीटर दर्ज किया गया है और इसमें गिरावट जारी है। यहां उच्चतम जलस्तर 58.34 मीटर तथा खतरे का निशान 55.00 मीटर बताया गया है। इसी तरह बेनीबाद में बागमती का जलस्तर 49.39 मीटर दर्ज किया गया है। यहां भी जलस्तर गिर रहा है।

कालजयी और अमर पुरुष हैं ह्यपोखरेश्वर नाथ मन्दिर समिति के पूर्व अध्यक्ष बुद्धदेव यादव

बिक्रम :- गोपाल विद्यार्थी कालजयी और अमर पुरुष हैं प्रखंड के पैनापुर निवासी पोखरेश्वर नाथ महादेव मन्दिर समिति के पूर्व अध्यक्ष बुद्धदेव यादव। जबतक मन्दिर का अस्तित्व रहेगा, वे परिसर के कण-कण में जीवित रहेंगे ।उक्त बातें बातें उनके तीसरे पुण्यतिथि पर समिति सदस्यों द्वारा रविवार को आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में वक्ताओं ने कही। उन्होंने कहा कि उनके जीवन संघर्ष ने जिस तात्कालिक जड़ता को तोड़ा था, वही आज भी युवा पीढ़ियों को स्वाभिमान की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित होकर धैर्य के साथ संघर्ष करते रहने के लिए प्रेरित करता है।उनके संघर्ष की कहानी अपने समय की जनता की आकांक्षाओं को मजबूत आवाज दी। उनकी जीवनी आने वाली पीढ़ियाँ का मार्गदर्शन करता रहेगा।मौके पर आयोजित भजन संध्या में भजनों के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मन्दिर समिति के अध्यक्ष राज कुमार, जन्मेजय, छोटू राय, सत्येन्द्र, शम्भू, जय, पिंटू, धनु, गोपाल विद्यार्थी व त्रिभुवन समेत अन्यों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने का वीडियो वायरल एक गिरफ्तार; दो विधि-विरुद्ध बालक निरुद्ध

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी बिस्फी थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर अवैध हथियार लहराने एवं हथियार के साथ नृत्य करते हुए वीडियो पोस्ट करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। मामले में दो विधि-विरुद्ध बालकों को भी निरुद्ध किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, मधुबनी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 2 अक्टूबर को बिस्फी थानाध्यक्ष को जिला स्तर पर स्थापित सोशल मीडिया सेल के माध्यम से एक वीडियो प्राप्त हुआ। वीडियो में कुछ युवक अवैध हथियार लहराते तथा हथियार के साथ नृत्य करते नजर आ रहे थे। वीडियो के सत्यापन के बाद पुलिस ने स्थानीय चौकीदार के माध्यम से इसमें दिख रहे युवकों की पहचान कराई ।पुलिस के अनुसार, वीडियो में बिस्फी थाना क्षेत्र के धज्वा गांव निवासी प्रियांशु कुमार तथा एक बालक की पहचान हुई। वाहन जांच के दौरान दोनों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में दोनों ने वीडियो में अवैध हथियार के साथ शामिल होने की बात स्वीकार की तथा हथियार के संबंध में पुलिस को जानकारी दी ।इसके बाद पुलिस ने संबंधित स्थान पर कार्रवाई करते हुए दो विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया। पुलिस की आगे की कार्रवाई में एक युवक के घर की तलाशी के दौरान रैक के नीचे रखे बक्से से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया। हालांकि, तलाशी के दौरान एक युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने बरामद हथियार को विधिवत जब्त कर लिया। मामले में बिस्फी थाना कांड संख्या 217/26, दिनांक 03.10.2026 दर्ज कर सुसंगत धाराओं के तहत आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान प्रियांशु कुमार, पिता नंदकिशोर यादव, निवासी धज्वा, थाना बिस्फी, जिला मधुबनी के रूप में हुई है।

साहित्य से संवेदना, संस्कार और समरसता को बढ़ावा देना मंच का उद्देश्य : अमिताभ

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा.विश्व शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर हिन्दी समाहार मंच, दरभंगा के तत्वावधान में इंडियन पब्लिक स्कूल, बाकरगंज में बैठक सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सतीश चंद्र भगत ने की। इस दौरान आगामी 10 अक्टूबर 2026 को हिन्दी समाहार मंच का स्थापना समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। मंच के सचिव अमिताभ कुमार सिन्हा ने कहा कि हिन्दी समाहार मंच विगत 26 वर्षों से निरंतर साहित्य की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।साहित्य के माध्यम से समाज में संवेदना, संस्कार और समरसता को बढ़ावा देना मंच का प्रमुख उद्देश्य है। कार्यक्रम का शुभारंभ शंभु नारायण चौधरी की सरस्वती वंदना से हुआ। इसके बाद मुकेश कुमार झा ह्यसोनूह्न के संचालन में कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। अमरजीत ह्यअमरह्न ने मैं स्वयं धधकता हुआ दिवाकर हूँ से काव्य पाठ की शुरूआत की। सौम्य कुमार विभु ने है रात बहुत अँधियारी सी, निजाम बख्श ने रस्म-ए-महफि ल को निभाऊँ तो निभाऊँ कैसे, अतुल कुमार मिश्रा ने बंद पिंजरे से करते हैं तुम्हें आजाद और शंभु नारायण चौधरी ने ह्लये बादल, तू बरसने से पहले इतना शमार्ता क्यों हैह्व प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। प्रो. आशुतोष कुमार वर्मा ने अब सब ठीक है, माँ सबेरे उठ जाती है के माध्यम से मां के वात्सल्य का मार्मिक चित्रण किया। रूपम सिन्हा ने बज्जिका कविता तोरा से हमरा स्नेह हए सुनाकर वाहवाही बटोरी। मुश्ताक इकबाल ने जाने क्यों खूब लिख रही हैं वो तथा अमिताभ कुमार सिन्हा ने अपनी कविता के माध्यम से दरभंगा की समृद्ध साहित्यिक विरासत को रेखांकित किया। अध्यक्षीय काव्य पाठ में डॉ. सतीश चंद्र भगत ने ह्लतब खूब आनंद आएगाह्व तथा बाल कविता कितनी देर लगा दी तुमने, जल्दी रोटी लाओ अम्मा सुनाकर श्रोताओं को आनंदित किया। मुकेश कुमार झा ह्यसोनूह्न, किरण कुमारी और हीरालाल सहनी ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम में फैय्याज इकबाल, मोनू कुमार सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमियों की सक्रिय भागीदारी रही। इंडियन पब्लिक स्कूल के निदेशक मुस्ताक इकबाल ने स्वागत भाषण दिया। संचालन मुकेश कुमार झा ह्यसोनूह्न ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अमिताभ कुमार सिन्हा ने किया।

प्रो. रूबी मिश्रा को मिला अंतरराष्ट्रीय संस्कृत रत्न सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने में योगदान के लिए भगिनी निवेदिता कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्राचार्य एवं रसायन विज्ञान की प्राध्यापिका प्रो. रूबी मिश्रा को बैंकॉक में आयोजित पंचम वैश्विक संस्कृत सम्मेलन-2026 में अंतरराष्ट्रीय संस्कृत रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर दरभंगा के एक निजी होटल में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग-चादर से सम्मानित किया गया। प्रो. मिश्रा ने बताया कि तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 28 से 30 सितंबर 2026 तक सिल्पकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक में ग्लोबल संस्कृत फोरम, संस्कृत अध्ययन केंद्र तथा थाई-भारत सांस्कृतिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। सम्मेलन का केंद्रीय विषय ह्यभारतीय ज्ञान प्रणाली : संस्कृतियों एवं ज्ञान-परंपराओं के बीच सेतुह्न था। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर भारतीय ज्ञान प्रणाली के वैज्ञानिक पक्ष को रेखांकित करते हुए यह बताना जरूरी है कि संस्कृत ग्रंथ केवल आध्यात्मिक और साहित्यिक धरोहर नहीं हैं, बल्कि इनमें रसायन विज्ञान, धातु विज्ञान, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ जीवन-पद्धति से संबंधित समृद्ध ज्ञान भी उपलब्ध है। इस ज्ञान को आधुनिक संदर्भों में समझने, शोध से जोड़ने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं कौशल आधारित अध्ययन से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर दिया है। मातृभाषा में शिक्षा, अनुभवात्मक अधिगम और बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सकता है। उन्होंने भारत-थाईलैंड के सांस्कृतिक संबंधों, रामायण परंपरा, मंदिर स्थापत्य तथा पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान संस्कृत, भारतीय संस्कृति और वैज्ञानिक विरासत के वैश्विक प्रचार-प्रसार के प्रति उनकी दीर्घकालीन प्रतिबद्धता की मान्यता है।

गुप्त सूचना पर नरहिया में कार्रवाई, देशी कट्टा व 25 जिंदा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

मधुबनी नरहिया थाना की डायल-112 टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए बनगामा गांव में छापेमारी कर नितेश कुमार उर्फ नितीश मुखिया, पिता कुलदेव मुखिया को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसकी झोपड़ी से एक अवैध देशी कट्टा, 25 जिंदा कारतूस और एक लोहे का नुकीलेदार पंजा बरामद किया। पुलिस के अनुसार, सूचना मिली थी कि बनगामा निवासी नितेश मुखिया अपनी झोपड़ी में अवैध हथियार व भारी मात्रा में कारतूस छिपाकर रखा है। सूचना के सत्यापन के बाद डायल-112 टीम ने झोपड़ी की घेराबंदी कर तलाशी ली। तलाशी के दौरान चौकी के नीचे प्लास्टिक की बाल्टी में गमछे से ढककर रखा एक देशी कट्टा बरामद हुआ। वहीं, काले रंग के बिंडोलिया में बने 24 खानों से 24 जिंदा कारतूस तथा तकिये के पास मिले पर्स से एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इसके अलावा एक लोहे का नुकीलेदार पंजा भी मिला। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह हथियार गांव के लोगों को धमकाने और रौब जमाने के लिए रखता था। मामले में नरहिया थाना कांड संख्या 108/26, दिनांक 03 अक्टूबर 2026 के तहत आर्म्स एक्ट की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध नरहिया थाना में वर्ष 2020 में हत्या से संबंधित मामला तथा वर्ष 2025 में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

एनएच 139 किनारे पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बिक्रम : थाना क्षेत्र के एनएच 139 पर बालाजी मंदिर के समीप रविवार को सड़क किनारे पेड़ से लटका युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव देखकर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बिक्रम थाना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और उसकी पहचान जानीपुर थाना क्षेत्र के महंगूपुर निवासी मुकेश प्रसाद के पुत्र बिट्टू कुमार (20) के रूप में की। पुलिस के अनुसार, बिट्टू राजमिस्त्री के साथ मजदूरी करता था। स्वजन ने बताया कि वह शनिवार शाम से ही लापता था। देर रात तक काम से घर नहीं लौटने पर उसकी खोजबीन की जा रही थी। इसी बीच रविवार सुबह उसने अपने जीजा को फोन कर बताया था कि वह बिक्रम तिमुहानी स्थित बालाजी मंदिर के पास है और जल्द से जल्द वहां आने को कहा था। मृतक के पिता मुकेश प्रसाद ने पुलिस को बताया कि घटना से कुछ समय पहले बिट्टू ने अपने एक दोस्त को भी फोन किया था। उसने दोस्त को बताया था कि वह बिक्रम के जंगल वाले इलाके में है। इसके बाद उसका पेड़ से लटका शव मिला। स्वजन ने यह भी बताया कि बिट्टू चिकित्सक की सलाह पर दवाइयां लेता था। घटना की सूचना मिलने पर बिक्रम थाने के अपर थानाध्यक्ष वरुण कुमार और पुलिस पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के साथ परिवार के सदस्यों और मृतक के दोस्तों से पूछताछ की। प्रारंभिक जांच में पुलिस आत्महत्या की आशंका जता रही है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अपर थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यू एरा पब्लिक स्कूल को मिला चैंपियन ऑफ द चैंपियंस का खिताब

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बापू सभागार, पटना में गत शनिवार को रोटरी क्लब, पटना द्वारा आयोजित 45 वीं ह्लअंतर विद्यालय लोक नृत्य एवं विषयगत नृत्य प्रतियोगिताह्व में न्यू एरा पब्लिक स्कूल पटना को मिला चैंपियन ऑफ द चैंपियंस का खिताब । ज्ञात हो कि उक्त प्रतियोगिता में पटना के ख्याति प्राप्त पंद्रह से अधिक विद्यालयों ने शिरकत किया था जिसमें न्यू एरा पब्लिक स्कूल ने जूनियर संवर्ग में तमिलनाडु का काबड़ी अट्टम लोक नृत्य, वरिष्ठ संवर्ग में गुजरात का गरबा लोक नृत्य तथा विषयगत नृत्य में दशरथ मांझी : द माउंटेन मैन के जीवन पर आधारित नृत्य में अपना शानदार प्रदर्शन कर वरिष्ठ संवर्ग में द्वितीय, विषयगत नृत्य में प्रथम तथा चैंपियन ऑफ द चैंपियंस का खिताब अपने नाम कर लिया। विद्यालय के प्राचार्या, डॉ. (श्रीमती) नीना कुमार ने इस प्रतियोगिता से संबद्ध सभी प्रतिभागियों, कोरियोग्राफर, शिक्षक, शिक्षेत्तर कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी तथा अपनी ऊर्जा एवं कलाओं को और अधिक प्रवलित करने पर बल दिया ताकि आसन्न काल के दौरान इससे भी बड़ी कीर्तिमान स्थापित की जा सके । कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिला गवर्नर रोटेरियन अनु नारंग, विशिष्ट अतिथि बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक परमिंदर हरि, रोटरी क्लब के अध्यक्ष अंजनी कुमार सिन्हा, सचिव उमेश कुमार जैन, रोटेरियन नवीन गुप्ता, प्रेम मित्तल, डॉ. स्नेहा सोनी सिंह, उप-प्राचार्य मौसम श्री, सुष्मिता भट्टाचार्या आदि उपस्थित थे।

स्नातकों, युवाओं व बेरोजगारों की आवाज सदन तक पहुंचाना प्राथमिकता : आदित्य झा

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे दिल्ली भाजपा कार्यसमिति के सदस्य, सीए एवं शिक्षाविद् आदित्य झा ने नामांकन से पूर्व रविवार को दिल्ली मोड़ स्थित एक होटल में प्रेस कांफ्रेंस कर अपने चुनावी एजेंडे और प्राथमिकताओं को सामने रखा। उन्होंने कहा कि स्नातक युवाओं, बेरोजगारों और शिक्षित वर्ग की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाना उनका मुख्य उद्देश्य है। आदित्य झा ने कहा कि बड़ी संख्या में युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार और बेहतर अवसरों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसे केवल चुनावी मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक और आर्थिक चुनौती के रूप में देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रोजगार के नए अवसरों का सृजन, युवाओं का कौशल विकास, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी की व्यवस्था तथा स्नातकों के अधिकारों एवं हितों की मजबूती से पैरवी उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है ।उन्होंने कहा कि दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता शिक्षित और जागरूक हैं तथा जाति, दल और व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर क्षेत्र के भविष्य और युवाओं के हित में निर्णय लेने की क्षमता रखते हैं। उनका प्रयास रहेगा कि स्नातक मतदाताओं के विश्वास को प्रभावी जनप्रतिनिधित्व में बदला जाए ।उन्होंने कहा कि वे केवल चुनाव लड़ने नहीं, बल्कि स्नातक युवाओं और बेरोजगारों की आवाज बनने के संकल्प के साथ मैदान में उतरे हैं। सदन में युवाओं के रोजगार, शिक्षा और भविष्य से जुड़े सवाल लगातार उठाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने स्नातक मतदाताओं से समर्थन और आशीर्वाद की अपील करते हुए कहा कि दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र को शिक्षा, रोजगार और युवा अवसरों के मामले में नई दिशा देना उनका लक्ष्य है। मौके पर उज्ज्वल कुमार ने कहा कि दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सीए आदित्य झा जैसे सुसंस्कृत और योग्य प्रत्याशी का मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे विजन वाले प्रत्याशी का समर्थन करना स्नातक मतदाताओं का नैतिक दायित्व है।

सभी शिक्षकों को लोकसभा चुनाव से पहले 7वां वेतनमान दिलाना जन सुराज की गारंटी : प्रशांत किशोर

पटना। जन सुराज के सूत्रधार और विधायक प्रशांत किशोर ने रविवार को मुजफ्फरपुर में शिक्षक संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए कहा कि बिहार में सभी श्रेणी के शिक्षकों को अगले लोकसभा चुनाव से पहले सातवां वेतनमान दिलाना जन सुराज की गारंटी है। उन्होंने कहा कि वित्त रहित शिक्षकों की दशकों पुरानी समस्या का समाधान और समायोजन भी किया जाएगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में शिक्षक अलग-अलग श्रेणियों में बंटे हुए हैं। कोई वित्त रहित, कोई नियोजित, कोई विशिष्ट, कोई विद्यालय शिक्षक, प्रधानाचार्य या अतिथि शिक्षक हैं। जन सुराज ने संकल्प लिया है कि सभी श्रेणियों के शिक्षकों के लिए सातवां वेतनमान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाने के लिए राज्य स्तर पर एक मानक बनाया जाएगा, ताकि जिला स्तर के अधिकारी अपनी इच्छा से शिक्षकों का गैर-शैक्षणिक कार्यों में इस्तेमाल नहीं कर सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के साथ होने वाले इस तरह के शोषण पर रोक जरूरी है। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र को लेकर उन्होंने कहा कि अगर जन सुराज के उम्मीदवार डॉ. बी. मोहन जीतते हैं तो 10 हजार पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने की जिम्मेदारी जन सुराज की होगी। उन्होंने कहा कि श्याम नंदन यादव शिक्षकों की लड़ाई लड़ेंगे, जबकि डॉ. बी. मोहन स्नातकों की आवाज बनेंगे। जदयू को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि पार्टी की ताकत पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार थे। उनके राजनीतिक रूप से निष्क्रिय होने के बाद जदयू का कोई भविष्य नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में जदयू को भाजपा के अमित शाह चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आने वाले तीन-चार वर्षों में जदयू का भाजपा में विलय तय है। उन्होंने कहा, ह्लआज नहीं तो कल जदयू को इतना कमजोर कर दिया जाएगा कि वह भाजपा की बी-टीम बन जाए या भाजपा में विलय कर जाए ।ह्व उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो उनसे सवाल किया जा सकता है। जदयू की ओर से जन सुराज के सत्ता में नहीं आने और सातवें वेतनमान का वादा करने पर सवाल उठाए जाने पर प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज सत्ता में नहीं है, इसके बावजूद उसकी आवाज उठाने से बुजुर्गों की पेंशन 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए और स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की राशि दो लाख से वापस चार लाख रुपए हुई। उन्होंने कहा कि जन सुराज का लक्ष्य केवल विधायक बनना या सत्ता-विपक्ष में आना नहीं है, बल्कि बिहार में सुधार करना है। व्यवस्था में जहां भी अन्याय होता है, वहां जन सुराज आवाज उठाता है और जनता उसके पास आती है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026

पटना-मुजफ्फरपुर के बीच रैपिड रेल परियोजना पर काम शुरू, एक घंटे में तय होगा सफर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के चार कॉरिडोर विकसित करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। राज्य कैबिनेट की मंजूरी के बाद पटना और मुजफ्फरपुर के बीच रैपिड रेल कॉरिडोर के लिए वैकल्पिक विश्लेषण रिपोर्ट (एएआर) और डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए करीब 31.59 करोड़ रुपये खर्च करने की स्वीकृति पहले ही दी जा चुकी है। एएआर और डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन को दी गई है। एनसीआरटीसी की टीम ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। टीम संभावित यात्रियों की संख्या, यातायात दबाव और यात्रा की मांग का अध्ययन करेगी। इसी आधार पर रैपिड रेल का संभावित रूट, स्टेशन और स्टॉपेज निर्धारित किए जाएंगे।प्रस्तावित आरआरटीएस कॉरिडोर पटना से हाजीपुर होते हुए मुजफ्फरपुर तक विकसित करने की योजना है। परियोजना पूरी होने के बाद पटना और मुजफ्फरपुर के बीच यात्रा का समय घटकर करीब एक घंटे रह जाने की उम्मीद है। यह सेवा मेट्रो से अलग होगी और सेमी हाई-स्पीड रेल परिवहन प्रणाली के रूप में विकसित की जाएगी।रैपिड रेल की औसत गति करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा और अधिकतम गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा तक बताई गई है। इससे पटना, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर जैसे प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों के बीच तेज कनेक्टिविटी विकसित हो सकेगी। प्रस्तावित सोनपुर एयरपोर्ट सहित प्रमुख परिवहन केंद्रों को भी इससे जोड़ने की संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा। एएआर के दौरान यात्रियों की आवाजाही, संभावित रूट, स्टेशन, जमीन की उपलब्धता, निर्माण लागत और तकनीकी विकल्पों का अध्ययन किया जाएगा। इसके अलावा पटना मेट्रो, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और अन्य सार्वजनिक परिवहन साधनों के साथ आरआरटीएस की कनेक्टिविटी को लेकर भी संभावनाएं तलाश की जाएंगी। अध्ययन के आधार पर संभावित परियोजना का खाका तैयार कर डीपीआर में शामिल किया जाएगा।

सेवा ज्योति यात्रा को भव्य बनाने में जुटी भाजपा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रस्तावित सेवा ज्योति यात्रा को भव्य बनाने और आगामी शिक्षक-स्नातक निर्वाचन में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने को लेकर मुजफ्फरपुर भाजपा ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को शुभकामना होटल के सभागार में पार्टी पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई।बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता मुजफ्फरपुर पूर्वी जिलाध्यक्ष विवेक कुमार ने की, जबकि संचालन पश्चिमी जिलाध्यक्ष हरिमोहन चौधरी ने किया। बैठक में प्रदेश महामंत्री धनराज शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा एवं रामसूरत राय, प्रदेश क्रियान्वयन समिति सदस्य राजेश शर्मा, बरूराज विधायक अरुण सिंह, प्रदेश मंत्री मुकेश शर्मा, मनोज चौधरी, जिला प्रभारी रमेश श्रीवास्तव, दिनकर पंडित तथा तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी नरेन्द्र प्रसाद सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।बैठक में सेवा संकल्प अभियान के तहत अब तक आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। अभियान के संयोजक मनोज तिवारी एवं तेज नारायण शर्मा के प्रयासों की सराहना करते हुए आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।वहीं शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने, कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और मतदाताओं से व्यापक संपर्क अभियान चलाने की रणनीति पर भी मंथन किया गया। नेताओं ने कार्यकताओं से संगठन की गतिविधियों को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया।

दवाइयों के कार्टन के पीछे छिपी थी शराब की खेप, कंटेनर से 250 कार्टन बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में उत्पाद विभाग की टीम ने शराब तस्करी के एक शातिर तरीके का खुलासा करते हुए हरियाणा नंबर के एक विशाल कंटेनर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। शराब की खेप को सुई और दवाइयों के कार्टन के पीछे छिपाकर ले जाया जा रहा था। कार्रवाई अहियापुर थाना क्षेत्र के संगम घाट के पास गुप्त सूचना के आधार पर की गई। उत्पाद इंस्पेक्टर प्रकाश कुमार राम ने बताया कि सूचना मिली थी कि हरियाणा नंबर के कंटेनर से शराब की बड़ी खेप मुजफ्फरपुर के रास्ते ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने नाकेबंदी कर कंटेनर को रोका। तलाशी के दौरान शुरूआत में कंटेनर में सुई और दवाइयों के कार्टन ही नजर आए। चालक ने भी बताया कि कंटेनर में केवल दवाइयां हैं, जिन्हें दरभंगा पहुंचाया जाना है। शक होने पर उत्पाद विभाग की टीम ने दवाइयों के कार्टन हटाकर गहन जांच की। इसके बाद बीच में छिपाकर रखे गए करीब 250 कार्टन अवैध शराब बरामद हुए। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कंटेनर के अंदर शराब को छिपाने के लिए लोहे का विशेष फ्रेम तैयार कराया गया था। शराब की खेप को बीच में रखकर उसके चारों ओर और ऊपर दवाइयों के कार्टन लगाए गए थे, ताकि चेकपोस्ट पर लगे हैंड स्कैनर से शराब की खेप का पता नहीं चल सके। मौके से उत्पाद विभाग ने राजस्थान के बाड़मेर निवासी कंटेनर चालक अशोक कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से दरभंगा के एक दवा विक्रेता से संबंधित पता और दस्तावेज भी मिले हैं।इसके आधार पर जांच टीम अब संबंधित दवा विक्रेता के साथ-साथ शराब तस्करी के पूरे सिंडिकेट और इसके मुख्य सरगना की पहचान में जुटी है। गिरफ्तार चालक के खिलाफ मद्यनिषेध कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सर्वोच्च प्राथमिकता: डीएम

मुजफ्फरपुर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी कुमार गौरव के निदेश पर बिहार विधान परिषद के तिरहुत स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्वि-वार्षिक निर्वाचन को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु निर्वाचन कार्य में प्रतिनियुक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए जिला-स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। मतदान एवं मतगणना के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें मुजफ्फरपुर जिला के निर्वाचन कार्य में संलग्न सारे अधिकारी एवं कर्मी यथा पीठासीन पदाधिकारी; प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय मतदान अधिकारी; माइक्रो प्रेक्षक, पेट्रोलिंग मजिस्ट्रेट, काउंटिंग माइक्रो ऑब्जर्वर, काउंटिंग सुपरवाइजर, काउंटिंग असिस्टेंट इत्यादि शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, भयमुक्त, पारदर्शी एवं सहभागितापूर्ण वातावरण में निर्वाचन सम्पन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र इसके लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छ मुजफ्फरपुर का संकल्प, जनभागीदारी का दिया संदेश

मुजफ्फरपुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मुजफ्फरपुर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ बनाने के संकल्प के साथ स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नगर निगम के पदाधिकारी, कर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी अभियान में सहभागी बने। अभियान के दौरान स्वच्छता को केवल सरकारी व्यवस्था तक सीमित न रखते हुए इसे प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बनाने पर जोर दिया गया। लोगों से अपने आसपास के क्षेत्रों को साफ रखने, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाने और स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। अभियान में शामिल लोगों ने स्वच्छता को जन-जन की जिम्मेदारी बनाने का संकल्प लिया। कहा गया कि स्वच्छ शहर केवल नगर निगम की व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता, सहभागिता और जिम्मेदारी से बनता है। नगर निगम की ओर से शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए नागरिकों से निरंतर सहयोग की अपील की गई।

आथर घाट के पास बूढ़ी गंडक में मिला अज्ञात महिला का शव

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। मुसहरी थाना क्षेत्र के आथर गांव के समीप रविवार सुबह बूढ़ी गंडक नदी में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नदी में शव तैरता देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।सूचना मिलने पर डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शव आथर घाट पुल से करीब 400 मीटर आगे नदी के पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया था। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ करने के साथ आसपास के क्षेत्रों में भी जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, महिला का शव हरे रंग के कपड़े में लिपटा हुआ था। मृतका की उम्र, नाम और पता सहित पहचान से जुड़ी कोई पुख्ता जानकारी फिलहाल नहीं मिल सकी है। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों से गुमशुदगी से संबंधित जानकारी जुटाकर महिला की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। महिला की मौत नदी में डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है, इसका अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस हादसा और आपराधिक घटना, दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मुसहरी थानाध्यक्ष सुबोध कुमार मेहता ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मृतका की पहचान कराने और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच में जुटी है।

रेलवे पुल पर अज्ञात महिला का शव बरामद

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र में बेनीपुर रेलवे पुल के पास रविवार को एक युवती का क्षत-विक्षत शव मिला। शव कई हिस्सों में कटा हुआ था।शव की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। शव का एक हिस्सा पुल के गार्डर में फंसा था, बाकी ट्रैक के पास पड़ा था।सूचना मिलने पर औराई थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस शव की पहचान कराने की कोशिश कर रही है। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो पाई थी।स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे सवारी ट्रेन गुजरने के बाद शव देखा गया। शुरूआती जांच में युवती की मौत ट्रेन की चपेट में आने से होने की आशंका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवती की पहचान कराने का प्रयास जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि युवती रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंची।

शिक्षकों को 7वां वेतनमान और 10 हजार, पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाना जन सुराज की गारंटी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जन सुराज के सूत्रधार व बांकीपुर से विधायक प्रशांत किशोर ने मुजफ्फरपुर में एमएलसी चुनाव को लेकर आयोजित शिक्षा संवाद में हिस्सा लिया। शहीद प्रमोद बी.एड कॉलेज, माधोपुर में आयोजित इस संवाद में तिरहुत निर्वाचन क्षेत्र के शिक्षक प्रत्याशी श्याम नन्दन यादव और स्नातक प्रत्याशी डॉ. विमोहन भी मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने ने दोनों प्रत्याशियों के साथ चर्चा की और वोट अपील भी की।प्रशांत किशोर ने कहा कि इस इलाके के शिक्षक और बुद्धिजीवी साथियों के साथ बैठक का उद्देश्य जन सुराज की ओर से किए गए वादों को कैसे पूरा किया जाए, इस पर विस्तृत चर्चा करना है। बिहार में दशकों से शिक्षकों की समस्या चली आ रही है। शिक्षक अलग-अलग वर्गों में बंटे हुए हैं, कोई वित्तरहित है, कोई नियोजित है, कोई विद्यालय शिक्षक है, कोई प्रधानाचार्य शिक्षक है। जन सुराज ने 2 अक्टूबर से यह तय किया है कि सभी कैटेगरी के शिक्षकों के लिए 7वां वेतनमान दिलाने की जो गारंटी है, वो शिक्षक भाइयों के साथ प्रशांत किशोर की होगी और अगले लोकसभा चुनाव से पहले बिहार के शिक्षकों के लिए वेतनमान सुनिश्चित कर लिया जाएगा। वित्तरहित शिक्षकों की दशकों पुरानी समस्या का समाधान और समायोजन किया जाएगा। साथ ही, गैर-शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों के इस्तेमाल को लेकर राज्य स्तर पर मानक बनाया जाएगा, ताकि जिला पदाधिकारी शिक्षकों का गैर-शैक्षणिक कार्यों में शोषण न कर सकें।प्रशांत किशोर ने कहा कि हमारे स्नातक साथी बिहार के सबसे पढ़े-लिखे मतदाता हैं। जो पढ़े-लिखे युवा बिहार में बदलाव और बेहतरी चाहते हैं, उनके लिए जन सुराज ने घोषणा की है कि अगर इस निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. विमोहन जन सुराज के उम्मीदवार के तौर पर जीतकर आते हैं, तो इस क्षेत्र के बेरोजगारों को वही सुविधा मिलेगी जो बांकीपुर के मतदाताओं को दी गई है, यानी पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को 10 हजार नौकरी देने का सीधा वादा जन सुराज ने किया है। ये दो वादे प्रशांत किशोर के हैं। अगर श्याम नन्दन जी जीतकर आते हैं तो शिक्षकों को 7वां वेतनमान मिलेगा और अगर डॉ. विमोहन जी जीतकर आते हैं तो यहां 10 हजार बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने की जिम्मेदारी प्रशांत किशोर की होगी।प्रशांत किशोर ने कहा कि सत्ता में तो जन सुराज आज भी नहीं है, फिर 1 करोड़ बुजुर्गों की पेंशन 400 से 1100 कैसे कर दी, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड को जो सरकार ने 4 लाख से 2 लाख किया था, उसको वापस 4 लाख कैसे कर दिया? इसलिए कर दिया क्योंकि पूरे समाज को मालूम है कि अगर प्रशांत किशोर ने आवाज उठाई है तो सोच-समझकर उठाई होगी। प्रशांत किशोर का लक्ष्य विधायक बनना, सत्ता-विपक्ष में आना नहीं है, बिहार में सुधार करना है। आज अगर कहीं व्यवस्था द्वारा अन्याय हो रहा है तो लोग जन सुराज की तरफ जा रहे हैं। रौशन यादव की हत्या, बंटी यादव हो या भरत भूषण तिवारी हो, नीट की छात्रा के साथ रेप का मामला हो, बेगूसराय की लड़की के होटल में जो बदतमीजी की गई, कोई भी घटना हो रही है तो आवाज कौन उठा रहा है? लोग किसके पास जा रहे हैं। ताकत विधायक की नहीं है, ताकत लोगों की है। मौके पर इंद्रभूषण अशोक, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी श्याम नंदन यादव, स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्याशी डॉ. विमोहन कुमार, सुभाष कुशवाहा, राकेश पटेल, नवल किशोर राउत, रेनू पासवान, रंजना कुमारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के एसी कोच में सांप जैसा जीव दिखने से मची दहशत

मुजफ्फरपुर। मधुबनी के जयनगर से दिल्ली जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच में शनिवार को सांप जैसा जीव दिखाई देने से यात्रियों में दहशत फैल गई। यात्रियों ने इसकी सूचना तत्काल टीटीई और रेलवे कर्मचारियों को दी। दरभंगा में कोच की जांच की गई, लेकिन सांप नहीं मिला। इसके बाद ट्रेन के मुजफ्फरपुर पहुंचने पर रेलवे ने एहतियात के तौर पर ए2 कोच को ट्रेन से अलग कर उसकी जगह दूसरी बोगी जोड़ दी। यात्री अरुण ठाकुर के अनुसार, वह परिवार के साथ ट्रेन नंबर 12561 से यात्रा कर रहे थे। जयनगर से ट्रेन खुलने के बाद दरभंगा पहुंचने से पहले ए2 कोच में सीट के ऊपर पैनल के पास सांप जैसा जीव दिखाई दिया। इसे देखते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर रेलवे कर्मचारियों ने दरभंगा में संबंधित पैनल खोलकर जांच की, लेकिन वहां कोई सांप नहीं मिला।

बाढ़ और बारिश में घर गिरने से बेघर हुआ गरीब परिवार

मुजफ्फरपुर।बाढ़ के पानी और लगातार हुई बारिश के कारण घर गिर जाने से गायघाट प्रखंड के बेनीबाद पंचायत निवासी एक गरीब परिवार के सामने रहने का संकट उत्पन्न हो गया है। पीड़ित परिवार ने अंचलाधिकारी को आवेदन देकर सरकारी सहायता और आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। आवेदन में पिंकी देवी, पति अशोक महतो, निवासी बेनीबाद पंचायत, थाना बेनीबाद, प्रखंड गायघाट ने बताया कि उनका परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर है। परिवार के रहने के लिए एकमात्र घर था, जो बाढ़ के पानी और बारिश के कारण गिर गया। घर गिरने के बाद परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। पीड़िता ने बताया कि परिवार में छोटे बच्चे भी हैं। ऐसे में बारिश और बाढ़ के बीच खुले में रहने से बच्चों समेत परिवार के अन्य सदस्यों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खाने-पीने के साथ-साथ सुरक्षित ठिकाने की भी समस्या बनी हुई है। पीड़ित परिवार ने अंचलाधिकारी से मामले की जांच कराकर तत्काल राहत एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। साथ ही आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। परिवार ने प्रशासन से जल्द सहायता मिलने की उम्मीद जताई है।

गायघाट के लोमा में चल रही थी देसी शराब की भट्ठी, पुलिस ने की कार्रवाई

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र के लोमा गांव में चोरी-छिपे चल रही देसी शराब की भट्ठी पर पुलिस ने जोरदार कार्रवाई की। शराब निर्माण की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर धावा बोला। पुलिस को देखते ही अवैध शराब के धंधे में जुटे लोग मौके से भाग निकले। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाले सामान और उपकरणों को नष्ट कर दिया तथा भट्ठी को ध्वस्त कर दिया। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी जेपी गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने मौके से मिले सामान की जांच करते हुए मामले में संलिप्त लोगों की पहचान शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित विद्यालय खेल प्रतियोगिता संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता आज यहां सम्पन्न हो गया।आज अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रशासन मुजफ्फरपुर के वरीय उप समाहर्ता दीप शिखा एवं जिला खेल पदाधिकारी राजेंद्र कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल,और ट्रॉफी प्रदान कर पुरुस्कृत किया गया। वहीं मंच संचालन शारीरिक शिक्षा शिक्षक करुणेश कुमार के द्वारा किया गया ,वहीं धन्यवाद ज्ञापन जिला खेल पदाधिकारी राजेंद्र कुमार के द्वारा किया गया। आज के खेले गए विभिन्न खेलों के परिणाम इस प्रकार है। वॉलीबॉल बालक अंडर 14 वर्ग में विजेता डॉल्फिन पब्लिक स्कूल,उपविजेता माउंट लिटरा जी स्कूल बालिका अंडर 14 वर्ग में विजेता सेंफोर्ड फ्यूरस्टिक स्कूल बनी एवं उपविजेता समा इंटरनेशनल स्कूल बनी। बालिका अंडर 17 वर्ग में हरपुर मध्य विद्यालय विजेता एवं जी डी मदर इंटरनेशनल स्कूल उपविजेता बनी बालिका अंडर 19 वर्ग में डी ए भी मालीघाट विजेता एवं भोला सिंह उच्च विद्यालय पुरुषोत्तमपुर उप विजेता बनी। कबड्डी मेंअंडर-19 बालक वर्ग में उत्क्रमित हाई स्कूल दरियापुर काफेन विजेता बनी एवं मुखर्जी सेमिनरी स्कूल उपविजेता बनी। अंडर-19 बालिका वर्ग में जी.एस मदर इंटरनेशनल स्कूल विजेता बनी एवं श्री राधा कृष्णा केडिया स्कूल उपविजेता बनी। खो खो में बालक अंडर 19 वर्ग में हाई स्कूल सकरी सरैया विजेता एवं डी ए वी बखरी उपविजेता होने का गौरव प्राप्त किया। बालिका वर्ग में क्राइस्ट ज्योति इंटरनेशनल स्कूल विजेता डी ए वी बखरी उपविजेता बनी। बैडमिंटन अंडर 14 बालक आयु वर्ग में अर्णव मिश्रा(प्रथम स्थान), मोहम्मद जोहरा हुसैन (द्वितीय स्थान), सक्षम कुमार और अथर्वा अहान (तृतीया स्थान) अंडर 17 बालक आयु वर्ग में काव्य कश्यप (प्रथम स्थान), रहमते आलम (द्वितीय स्थान), अपूर्व और निहाल शांडिल्य (तृतीया स्थान) अंडर 19 बालक आयु वर्ग में आयुष राज (प्रथम स्थान), हर्ष कुमार (द्वितीय स्थान), आदित्य कुमार और आदर्श तृतीया स्थान प्राप्त किया। एथलेटिक्स में डिस्कस थ्रो अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम श्रेया, द्वितीय श्वेता चंद्रा, तृतीय अनोखी कुमारी ने प्राप्त किया। 400 मीटर अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम ऋषि राज, द्वितीय सिप्टाईन राजा, तृतीय साकेत कुमार ने प्राप्त किया। शॉट पुट अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम श्रेया, द्वितीय श्वेता चंद्रा, तृतीय अनोखी कुमारी ने प्राप्त किया। 5000 मीटर रनिंग अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम एमडी फैजान, द्वितीय ऋषि राज, तृतीय साकेत कुमार ने प्राप्त किया। 800 मीटर अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम अभिषेक कुमार, द्वितीय ऋषि राज, तृतीय अभिनाश कुमार ने प्राप्त किया। 1500 मीटर अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम एमडी फैजान, द्वितीय अभिषेक कुमार, तृतीय अभिनाश कुमार ने प्राप्त किया। 100 मीटर अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम पल्लवी भारती, द्वितीय कनक प्रिया, तृतीय सोहनी कुमारी ने प्राप्त किया। 400 मीटर अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम अनिशा कुमारी, द्वितीय प्रिया कुमारी, तृतीय सोहनी कुमारी। शॉट पुट अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम रौनक, द्वितीय सौरव सिंह, तृतीय सौरभ झा ने प्राप्त किया। डिस्कस थ्रो अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम रौनक, द्वितीय सौरव सिंह, तृतीय अंशु पासवान ने प्राप्त किया। लांग जम्प अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम सुमित कुमार, द्वितीय राजा गौतम, तृतीय राजा कुमार सिंह ने प्राप्त किया। 100 मीटर अंडर-19 बालक वर्ग में प्रथम नुमन अनवर , द्वितीय सौरभ झा, तृतीय सुमित झा ने प्राप्त किया। 5000 मीटर अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम प्रीति कुमारी, द्वितीय प्रिया कुमारी, तृतीय किम्मी रानी ने प्राप्त किया। 200 मीटर अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम शिवम कुमार, द्वितीय सिप्टाईन रजा, तृतीय साकेत कुमार ने प्राप्त किया। बालक अंडर 19 वर्ग में भोलासिंह हाई स्कूल विजेता एवं जी डी मदर इंटरनेशनल स्कूल उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा शिक्षक रामकुमार राय शर्मा, मुकेश कुमार, मनोज कुमार, अजय ठाकुर, अमरेश कुमार, लालबाबू सिंह, मिथलेश कुमार, स्वेताब खान,बबलू कुमार,संजय कुमार,करुणेश कुमार ,अंकुश कुमार, मिथलेश कुमार ने आयोजन में अहम भूमिका निभाई।

दुर्गा पूजा : 20 फीट तक ही हो सकेगी प्रतिमा पंडाल की ऊंचाई 40 फीट निर्धारित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आगामी दुर्गा पूजा एवं अन्य पूजा आयोजनों को लेकर बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने मूर्ति निर्माण और पूजा पंडालों के संबंध में नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पर्षद के सदस्य सचिव ने सभी जिलों के डीएम को पत्र भेजकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाइडलाइन के अनुरूप नियमों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। निर्देश के अनुसार पूजा में स्थापित की जाने वाली मूर्तियों की अधिकतम ऊंचाई 20 फीट निर्धारित की गई है। वहीं पंडाल की ऊपरी संरचना की अधिकतम ऊंचाई 40 फीट रखने का निर्देश दिया गया है। इन नियमों का असर शहर के कई बड़े पूजा पंडालों की तैयारी और डिजाइन पर पड़ सकता है। मूर्ति निर्माण में प्लास्टर ऑफ पेरिस के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। इसके अलावा पारा, कैडमियम, आर्सेनिक, शीशा और क्रोमियम जैसी जहरीली धातुओं वाले कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल भी नहीं किया जा सकेगा। मूर्तियों की रंगाई के लिए पानी में घुलनशील और गैर-विषैले प्राकृतिक रंगों का उपयोग करने को कहा गया है। पूजा पंडालों और मूर्तियों के निर्माण में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं थमोकोल के इस्तेमाल पर भी रोक रहेगी। पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से पर्षद ने मूर्तियों के विसर्जन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है। निर्देश के मुताबिक मूर्तियों का विसर्जन नदियों में नहीं, बल्कि निर्धारित कृत्रिम तालाबों में किया जाएगा। हालांकि कई पूजा समितियों और संगठनों की ओर से नदियों में विसर्जन की अनुमति देने की मांग की जाती रही है, लेकिन पर्षद ने फिलहाल कृत्रिम तालाब में विसर्जन की व्यवस्था को ही लागू रखने के निर्देश दिए हैं।

मुशायरा-सह-कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

मुजफ्फरपुर । कवि व शायर सिबगतुल्लाह हमीदी के आवास हमीदी कॉम्प्लेक्स में डॉ. अंसारी आसी अदबी साहित्यिक संगम के तत्वावधान में मुशायरा-सह-कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया।इस सम्मेलन की अध्यक्षता कवयित्री एवं शायरा सविता राज ने की। मंच संचालन श्रवण कुमार ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत सिबगतुल्लाह हमीदी ने अपने पिता डॉ. अंसारी साहब की गजल प्रस्तुत कर की।कार्यक्रम में शायर अली अहमद ह्यमंजरह्व, एमल हासमी, आलम सिद्दीकी तथा शायराओं सविता राज, चाँदनी समर एवं मुस्कान केसरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी रचनाकारों ने अपनी-अपनी रचनाओं से कार्यक्रम को साहित्यिक रंग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सिबगतुल्लाह हमीदी ने सभी अतिथियों, शायरों एवं कवियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोनपुर मंडल में पैंट्रीकार और बेस किचन की हुई गहन सफाई ,खाद्य सुरक्षा पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। स्वच्छता पखवाड़ा 2026 एवं रउऊ्रढट 6.0 के तहत सोनपुर मंडल द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष गहन सफाई अभियान चलाया गया। सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी एवं नौगछिया स्टेशनों पर स्थित पैंट्रीकार, बेस किचन एवं कैटरिंग इकाइयों में अभियान के तहत व्यापक साफ-सफाई और निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान रसोई की दीवारों, फर्श, एग्जॉस्ट हुड एवं डक्ट्स से तेल और कालिख हटाने के लिए डीग्रीसिंग की गई। खाना पकाने के उपकरणों, बर्तनों, स्टोरेज रैक सहित अन्य संबंधित उपकरणों की भी गहन सफाई की गई। इसके अलावा ड्रेनेज लाइनों और ग्रीस ट्रैप की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू रखने तथा ब्लॉकेज और दुर्गंध की समस्या रोकने पर जोर दिया गया। पैंट्री एवं बेस किचन से जुड़े पेयजल बिंदुओं और जल भंडारण टैंकों का भी निरीक्षण कर आवश्यक सफाई कराई गई। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार एवं संबंधित शाखाधिकारियों ने सोनपुर और हाजीपुर स्टेशन का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने खाद्य सामग्री के स्टॉलों के साथ बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के पैंट्रीकार का भी गहन निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता, साफ-सफाई तथा यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की व्यवस्था का जायजा लिया गया। सोनपुर मंडल ने कहा कि स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियां आगे भी निरंतर जारी रहेंगी, ताकि यात्रियों को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर वातावरण के साथ सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा सके।

मुजफ्फरपुर में बिहार फोटो-वीडियो एक्सपो 2026 का पोस्टर लॉन्च

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार फोटो,वीडियो एक्सपो को लेकर रविवार को मुजफ्फरपुर में विभिन्न स्थानों पर एक्सपो के पोस्टर का लॉन्च किया गया। इस दौरान फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी से जुड़े लोगों ने एक्सपो को लेकर उत्साह जताया। फोटो, वीडियो एक्सपो का आयोजन 30 और 31 अक्टूबर तथा आगामी 1 नवंबर को पटना के गांधी मैदान के समीप स्थित ज्ञान भवन में किया जाएगा। एक्सपो में सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। ऑल इंडिया फोटोग्राफिक फेडरेशन के अध्यक्ष एवं मुजफ्फरपुर निवासी राकेश तिवारी इस एक्सपो के आयोजक हैं। बताया गया कि वे पिछले कई वर्षों से बिहार फोटो/वीडियो एक्सपो का आयोजन करते आ रहे हैं। एक्सपो में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक तकनीक और उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। एक्सपो में अत्याधुनिक कैमरे, लाइट्स, विभिन्न प्रकार की एसेसरीज, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, ड्रोन, क्रेन समेत फोटोग्राफी और वीडियो निर्माण से जुड़े अन्य उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। आयोजकों के अनुसार, इस व्यवसाय से जुड़े प्रोफेशनल्स के साथ-साथ शौकिया फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर भी एक्सपो में पहुंचकर नई तकनीक और उपकरणों की जानकारी हासिल कर सकते हैं तथा अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। मुजफ्फरपुर में पोस्टर लॉन्च के मौके पर छायाकार देवाशीष दास, चंदन, रवि, ध्रुव समेत फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी व्यवसाय से जुड़े कई लोग मौजूद रहे। आयोजकों ने अधिक से अधिक लोगों से एक्सपो में पहुंचने की अपील की।

सम्पादकीय

शांति का मार्ग बाहर नहीं भीतर से होकर जाता है

मनुष्य संसार में सबसे अधिक जिस चीज की तलाश करता है, वह है शांति। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सुखी, संतुष्ट और तनावमुक्त हो, लेकिन उसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह शांति को अपने भीतर खोजने के बजाय बाहर की दुनिया में तलाशता रहता है। धन, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा, सुविधाएं और भौतिक साधनों को वह सुख का आधार मान लेता है। इनकी प्राप्ति के लिए वह निरंतर भागता रहता है और इसी बाहरी दौड़ में उसका मन और अधिक अशांत होता चला जाता है। उसकी स्थिति उस कस्तूरी मृग जैसी हो जाती है जो सुगंध का स्रोत अपने भीतर होने के बावजूद उसे जंगल-जंगल खोजता फिरता है। वास्तव में शांति का संबंध बाहरी परिस्थितियों से कम और मन की अवस्था से अधिक है। मनुष्य सुख और शांति को एक ही मान बैठता है, जबकि दोनों में अंतर है। सुख किसी वस्तु, उपलब्धि या इच्छा की पूर्ति से मिलने वाला क्षणिक अनुभव हो सकता है, जबकि शांति भीतर की स्थिरता है। इच्छा पूरी होते ही कुछ समय के लिए प्रसन्नता मिलती है, लेकिन फिर नई इच्छा जन्म ले लेती है। मनुष्य कहता रहता है कि अभी यह मिल जाए, फिर वह मिल जाए। यही ह्यऔर चाहिएह्ल की वृत्ति उसे जीवनभर दौड़ाती रहती है। कामनाओं के पीछे चलने वाला व्यक्ति पदार्थों को जोड़ता रहता है। उसे लगता है कि अधिक धन, अधिक संपत्ति और अधिक सुविधाएं मिलने से जीवन अधिक सुखी हो जाएगा। लेकिन इच्छाओं की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी सामने आ जाती है। इस प्रकार संग्रह बढ़ता जाता है और उसके साथ चिंता, भय, प्रतिस्पर्धा और असंतोष भी बढ़ते जाते हैं। इसके विपरीत शांति का मार्ग त्याग, संतोष और अपरिग्रह से होकर गुजरता है। जहां संग्रह व्यक्ति को बांधता है, वहीं त्याग उसे भीतर से हल्का करता है। एक सुंदर दृष्टांत में कहा गया है कि एक कुत्ता हड्डी का टुकड़ा लेकर भाग रहा था। दूसरे कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। वह हड्डी छोड़ने को तैयार नहीं था, इसलिए चोट खाता रहा। अंततः जब हड्डी छूट गई तो उसका संकट भी समाप्त हो गया। यही जीवन का सत्य है। जब तक मनुष्य वस्तुओं, इच्छाओं और अहंकार को कसकर पकड़े रहता है, तब तक संघर्ष चलता रहता है। छोड़ने की कला आते ही मन हल्का होने लगता है। शांति पाने के लिए मनुष्य को सबसे पहले अपने भीतर झांकना होगा। अपने शरीर, श्वास, मन और आत्मा के प्रति सजग होना होगा। आत्म-जिज्ञासा ही उसे अपने वास्तविक स्वरूप तक ले जा सकती है। विज्ञान और भौतिक ज्ञान ने मनुष्य को संसार के अनेक रहस्यों से परिचित कराया है, लेकिन स्वयं को जानना अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है। जिसने अपने भीतर के चैतन्य को पहचान लिया, उसके लिए बाहरी परिस्थितियों का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। हमारी अशांति का एक बड़ा कारण हमारी धारणाएं भी हैं। हम कई बार वास्तविकता को देखने के बजाय अपनी बनाई हुई धारणा के माध्यम से देखते हैं। ट्रेन की खिड़की के प्रसंग में दो यात्रियों का झगड़ा इसी बात को स्पष्ट करता है। एक खिड़की खोलना चाहता था और दूसरा बंद करना। दोनों अपनी-अपनी सुविधा और धारणा को सही मानकर लड़ते रहे। जब पता चला कि खिड़की में कांच ही नहीं था, तब उनकी लड़ाई का आधार ही समाप्त हो गया। जीवन में भी कई विवाद ऐसे ही होते हैं। हम तथ्य जाने बिना अपनी धारणाओं को सत्य मान लेते हैं और फिर उन्हीं के कारण अशांत रहते हैं। सत्य और तथ्य को जाने बिना किया गया निर्णय कई बार गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। किसान और उसकी बिल्ली की कथा इसका मार्मिक उदाहरण है। गलत धारणा के आधार पर किसान ने बिल्ली को दोषी मान लिया और क्रोध में उसे मार दिया। बाद में सत्य सामने आया तो पछतावे और कलह ने पूरे परिवार को संकट में डाल दिया। यह प्रसंग बताता है कि जल्दबाजी, क्रोध और अधूरी जानकारी केवल समस्या को बढ़ाती है। संयमपूर्वक तथ्य को समझना ही शांति की पहली सीढ़ी है। शांति केवल अपने लिए शांत रहने का नाम नहीं है। दूसरों के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और सद्भाव भी शांति का आधार हैं। जो व्यक्ति हर समय दूसरों के दोष खोजता रहता है, वह स्वयं कभी शांत नहीं हो सकता। उसकी दृष्टि हमेशा बाहर रहती है और उसका मन दूसरों के जीवन की जांच-पड़ताल में उलझा रहता है। उसे यह देखने का अवसर ही नहीं मिलता कि उसके भीतर कौन-सी कमियां हैं। शेखसादी और उनके पुत्र का प्रसंग इसी सत्य को सामने रखता है। पुत्र ने नमाज पढ़कर लौटते समय सो रहे लोगों में दोष देखा। शेखसादी ने उसे समझाया कि वे लोग केवल सो रहे हैं, लेकिन तुम उनकी कमियां देखकर अपने भीतर दोष पैदा कर रहे हो।

चार चरणों में पंचायती राज चुनाव से गांवों की सियासी तस्वीर होगी साफ

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान में लंबे समय से पंचायती राज चुनाव का इंतजार कर रहे ग्रामीण मतदाताओं का इंतजार अब खत्म हो गया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने पंचायत चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव चार चरणों में 23 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर और 14 नवंबर को होंगे। इनके परिणाम 20 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इसी तरह सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव चार चरणों में 25 अक्टूबर, 31 अक्टूबर, 6 नवंबर और 16 नवंबर को होंगे तथा मतदान के दिन ही परिणाम सामने आ जाएंगे। इसके बाद 25 नवंबर को जिला प्रमुख और 27 नवंबर को प्रधानों का चुनाव होगा। कोटा, श्रीगंगानगर, बारां और करौली जिलों में जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव दिसंबर में होंगे। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। अब सरकार नई योजनाओं की घोषणा, नए उद्घाटन और शिलान्यास नहीं कर सकेगी। सरकारी मशीनरी के इस्तेमाल और तबादलों पर भी प्रतिबंध रहेगा। हालांकि पहले से स्वीकृत और प्रक्रिया में चल रहे विकास कार्य नियमों के अनुसार जारी रह सकेंगे। आचार संहिता का उद्देश्य यही है कि चुनाव के दौरान सरकारी संसाधनों अथवा घोषणाओं के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके। इस बार का पंचायती राज चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण है। राजस्थान के इतिहास में पहली बार पंचायत चुनाव व्यापक स्तर पर एक साथ कराए जा रहे हैं। प्रदेश की 41 जिला परिषदों और 457 पंचायत समितियों में चुनाव होंगे। जिला परिषद के 1,403 और पंचायत समिति के 8,245 सदस्यों का चुनाव इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों से होगा, जबकि सरपंच और वार्ड पंचों के चुनाव मतपत्रों के जरिए होंगे। कुल मिलाकर करीब 1.69 लाख पंचायती राज प्रतिनिधियों के चुने जाने का रास्ता साफ हुआ है। 1.44 करोड़ से अधिक ग्रामीण मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। इस चुनाव में महिलाओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण रहने वाली है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त है। इससे बड़ी संख्या में महिलाएं सरपंच, उपसरपंच और वार्ड पंच के रूप में निर्वाचित होंगी। आरक्षण व्यवस्था ने ग्रामीण राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लगातार बढ़ाया है और इस बार भी गांवों की सत्ता में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रहने की संभावना है। अब सवाल है कि चुनाव में किसका पलड़ा भारी दिखाई देता है। इसका सीधा उत्तर चुनाव परिणाम आने से पहले देना उचित नहीं होगा, लेकिन हाल के राजनीतिक परिणामों और ग्रामीण मुद्दों को देखकर मुकाबले की तस्वीर समझी जा सकती है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था। इसके बाद लोकसभा चुनाव 2024 में भी भाजपा ने राज्य की अधिकांश सीटों पर बढ़त बनाए रखी, हालांकि पिछली तुलना में कांग्रेस ने अपनी स्थिति में सुधार किया। इसके बाद हुए उपचुनावों और स्थानीय राजनीतिक घटनाक्रमों ने भी यह संकेत दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुकाबला एकतरफा नहीं है। इसलिए पंचायती राज चुनाव में संगठन, स्थानीय प्रत्याशी, जातीय और सामाजिक समीकरण तथा गांव के विकास कार्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भाजपा के पक्ष में सबसे बड़ा आधार राज्य में सत्ता और उसका संगठनात्मक ढांचा माना जा सकता है। सरकार के स्तर पर किए गए विकास कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने की रणनीति का असर ग्रामीण चुनाव में दिखाई दे सकता है। दूसरी ओर कांग्रेस के पास लंबे समय से गांवों में मौजूद स्थानीय संगठन, पुराने राजनीतिक संबंध और कई क्षेत्रों में मजबूत सामाजिक आधार है। यही कारण है कि जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव विधानसभा या लोकसभा चुनावों से अलग परिणाम दे सकते हैं। यहां पार्टी के बड़े नेताओं से ज्यादा स्थानीय उम्मीदवार की व्यक्तिगत पकड़ और गांव में उसकी स्वीकार्यता प्रभाव डालती है। पंचायती राज चुनावों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय समस्याओं को सीधे अपने मतदान से जोड़ता है।

डिजिटल युग में निजताः अधिकार और बढ़ती चुनौतियाँ

भारत में इस अधिकार को ऐतिहासिक महत्व तब मिला जब सर्वोच्च न्यायालय ने के. एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ (2017) मामले में निजता को संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकार माना। न्यायालय ने निजता को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, गरिमा तथा स्वायत्तता से जोड़ा। साथ ही यह स्पष्ट किया कि निजता पर किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप कानून, वैध उद्देश्य और आनुपातिकता जैसे संवैधानिक मानकों के अनुरूप होना चाहिए। डिजिटल तकनीक के विस्तार ने इस अधिकार का दायरा और उसकी चुनौतियाँ दोनों व्यापक कर दी हैं। सबसे पहले, राज्य की बढ़ती निगरानी क्षमता निजता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। चेहरे की पहचान, बायोमेट्रिक पहचान, स्थान की निगरानी और डिजिटल संचार के विश्लेषण जैसी तकनीकें अपराध नियंत्रण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में उपयोगी हो सकती हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
(लेखक)

आज मनुष्य की डिजिटल पहचान उसके भौतिक अस्तित्व जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। हम क्या खोजते हैं, कहाँ जाते हैं, क्या खरीदते हैं, किन लोगों से संवाद करते हैं और किन विषयों में रुचि रखते हैं—इन सबका एक डिजिटल निशान पीछे छूटता जाता है। ऐसे में प्रश्न केवल यह नहीं है कि हमारी जानकारी किसके पास है, बल्कि यह भी है कि उस जानकारी पर हमारा कितना नियंत्रण है। इसी संदर्भ में डिजिटल युग में निजता का प्रश्न व्यक्ति की स्वतंत्रता, गरिमा और स्वायत्तता से जुड़ी एक गंभीर संवैधानिक और सामाजिक चुनौती बनकर उभरा है। निजता व्यक्ति का वह अधिकार है जिसके माध्यम से वह अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पहचान और निजी जीवन तक दूसरों की पहुँच को नियंत्रित करता है। भारत में इस अधिकार को ऐतिहासिक महत्व तब मिला जब सर्वोच्च न्यायालय ने के. एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ (2017) मामले में निजता को संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकार माना। न्यायालय ने निजता को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, गरिमा तथा स्वायत्तता से जोड़ा। साथ ही यह स्पष्ट किया कि निजता पर किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप कानून, वैध उद्देश्य और आनुपातिकता जैसे संवैधानिक मानकों के अनुरूप होना चाहिए। डिजिटल तकनीक के विस्तार ने इस अधिकार का दायरा और उसकी चुनौतियाँ दोनों व्यापक कर दी हैं। सबसे पहले, राज्य की बढ़ती निगरानी क्षमता निजता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। चेहरे की पहचान, बायोमेट्रिक पहचान, स्थान की निगरानी और डिजिटल संचार के विश्लेषण जैसी तकनीकें अपराध नियंत्रण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में उपयोगी हो सकती हैं। किंतु यदि इनके प्रयोग पर पर्याप्त कानूनी सीमाएँ और स्वतंत्र निगरानी न हो, तो यही तकनीक व्यापक निगरानी का माध्यम बन सकती है। इसलिए सुरक्षा और निजता के बीच संतुलन स्थापित करना लोकतांत्रिक शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दूसरी ओर, निजी डिजिटल कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत डेटा का संग्रह भी चिंता का विषय है। सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, सर्च इंजन और मोबाइल एप्लिकेशन हमारे व्यवहार से संबंधित विशाल मात्रा में डेटा एकत्र करते हैं। अलग-अलग स्रोतों से प्राप्त इन सूचनाओं को जोड़कर व्यक्ति की विस्तृत व्यवहारगत प्रोफाइल तैयार की जा सकती है। इससे सेवाओं को व्यक्तिगत बनाना संभव होता है, लेकिन यही प्रक्रिया उपभोक्ता की पसंद, व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता भी पैदा करती है। इस प्रकार डेटा केवल सूचना नहीं रह जाता, बल्कि आर्थिक और सामाजिक शक्ति का स्रोत बन जाता है। निजता का संकट केवल बड़े डेटा-संग्रह तक सीमित नहीं है। डॉक्सिंग जैसी घटनाओं में किसी व्यक्ति का पता, फोन नंबर, तस्वीर या अन्य निजी जानकारी उसकी अनुमति के बिना सार्वजनिक कर दी जाती है। इससे ऑनलाइन उत्पीड़न, धमकी और शारीरिक सुरक्षा के खतरे पैदा हो सकते हैं। इसी प्रकार डीपफेक तकनीक ने पहचान और प्रतिष्ठा के दुरुपयोग को नया आयाम दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से किसी व्यक्ति के चेहरे या आवाज का इस्तेमाल कर ऐसी सामग्री तैयार की जा सकती है जो वास्तविक प्रतीत होती है। इससे निजता के साथ-साथ व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, डेटा उल्लंघन और साइबर हमले नागरिकों की निजता के लिए गंभीर खतरा हैं। वित्तीय जानकारी, स्वास्थ्य रिकॉर्ड, पहचान संबंधी दस्तावेज और अन्य संवेदनशील सूचनाएँ चोरी होने पर पहचान की चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी और ब्लैकमेल जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। समस्या को और जटिल बनाती है एल्गोरिद्मिक प्रोफाइलिंग। जब स्वचालित प्रणालियाँ व्यक्तिगत डेटा के आधार पर लोगों के बारे में निर्णय लेने लगती हैं, तो गलत या पक्षपाती डेटा भेदभावपूर्ण परिणाम उत्पन्न कर सकता है। यदि ऐसी निर्णय-प्रक्रियाएँ पारदर्शी न हों, तो व्यक्ति के लिए अपने विरुद्ध लिए गए निर्णय को समझना या चुनौती देना कठिन हो जाता है। डिजिटल अर्थव्यवस्था की एक अन्य विशेषता यह है कि डेटा अब एक ही संस्था तक सीमित नहीं रहता। सरकारें, निजी कंपनियाँ, विज्ञापन एजेंसियाँ, एप डेवलपर, क्लाउड सेवा प्रदाता और तकनीकी विक्रेता किसी व्यक्ति के डेटा की अलग-अलग कड़ियों से जुड़े हो सकते हैं। परिणामस्वरूप डेटा के प्रवाह की पूरी श्रृंखला और जिम्मेदारी तय करना कठिन हो जाता है। सीमा-पार डेटा प्रवाह इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि किसी नागरिक की जानकारी एक देश में एकत्र होकर दूसरे देश में संग्रहीत या संसाधित हो सकती है। निजता की रक्षा में सबसे बड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों में से एक ह्यसहमति की थकानह्ल है। उपयोगकर्ता लंबी और जटिल गोपनीयता नीतियों को पढ़े बिना ह्यकॅ श्रीह्ल पर क्लिक कर देते हैं।

जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की विधानसभा ने उठाई बड़ी मांग

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 25 सितंबर को विधानसभा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने केंद्र सरकार से केंद्र शासित प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा 25 सितंबर को पेश किए गए इस प्रस्ताव पर सदन में व्यापक चर्चा हुई। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ववर्ती विधानसभा प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि राज्य के दर्जे की बहाली का मुद्दा वर्तमान राजनीतिक विमर्श का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। विधानसभा में प्रस्ताव पारित होने के साथ ही जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक और राजनीतिक स्थिति को लेकर बहस एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गई है। हालांकि प्रस्ताव का केंद्रबिंदु पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना है, लेकिन बहस के दौरान अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए, विशेष दर्जे और स्वायत्तता जैसे विषय भी सामने आए। यह घटनाक्रम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जम्मू-कश्मीर की वर्तमान संवैधानिक स्थिति अगस्त 2019 में हुए बड़े बदलावों के बाद अस्तित्व में आई थी। उस समय जम्मू-कश्मीर को पुनर्गठित कर दो केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख बनाए गए थे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 25 सितंबर को विधानसभा में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने संबंधी प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे को बहाल करने की मांग की गई है। विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का राजनीतिक महत्व इस बात में है कि यह केवल किसी राजनीतिक दल की मांग के रूप में नहीं, बल्कि निर्वाचित विधानसभा के प्रस्ताव के रूप में सामने आया है। हालांकि विधानसभा का प्रस्ताव अपने आप में केंद्र सरकार पर कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में अंतिम निर्णय संसद और केंद्र सरकार के संवैधानिक एवं विधायी अधिकार-क्षेत्र से जुड़ा है। इसलिए प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित विधानसभा की राजनीतिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा जाना अधिक उपयुक्त है। यही वह बिंदु है जहां से जम्मू-कश्मीर के भविष्य के प्रशासनिक ढांचे को लेकर केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच संवाद का प्रश्न महत्वपूर्ण हो जाता है। नए प्रस्ताव में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा अतीत में पारित प्रस्तावों का भी उल्लेख किया गया है। विशेष रूप से 2000 और 2024 के प्रस्तावों का संदर्भ इस बहस को ऐतिहासिक निरंतरता प्रदान करता है। इसका अर्थ यह है कि राज्य के दर्जे और जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक-संवैधानिक स्थिति का प्रश्न अचानक पैदा हुआ विषय नहीं है। अलग-अलग राजनीतिक परिस्थितियों में इस मुद्दे पर विधानसभा के भीतर चर्चा होती रही है। 2024 के बाद जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार और विधानसभा की वापसी ने इस बहस को नया राजनीतिक मंच उपलब्ध कराया। अब विधानसभा के माध्यम से राज्य के दर्जे की बहाली की मांग सामने आना इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है। प्रस्ताव पर चर्चा से पहले इसमें संशोधन के लिए 10 प्रस्ताव सामने आए। इनमें कुछ संशोधनों में अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए, विशेष दर्जे और स्वायत्तता का स्पष्ट उल्लेख करने की मांग की गई थी। यहीं से विधानसभा की बहस केवल राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रश्न तक सीमित नहीं रही, बल्कि जम्मू-कश्मीर की व्यापक संवैधानिक पहचान और अगस्त 2019 से पहले की स्थिति से जुड़े मुद्दे भी चर्चा में आने लगे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आग्रह के बाद आठ विधायकों ने अपने संशोधन वापस ले लिए। इससे प्रस्ताव को एक व्यापक लेकिन अपेक्षाकृत सीमित विषय पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली पर केंद्रित रखने का रास्ता साफ हुआ। राजनीतिक दृष्टि से यह महत्वपूर्ण था, क्योंकि यदि प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे जैसे मुद्दों को प्रमुखता से शामिल किया जाता, तो सदन की बहस का स्वरूप और अधिक व्यापक तथा विवादास्पद हो सकता था। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अनुच्छेद 370 लंबे समय से केंद्रीय विषय रहा है। अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर की विशेष संवैधानिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए और इसके बाद जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर की राजनीति में दो अलग-अलग प्रश्न अक्सर एक-दूसरे से जुड़े दिखाई देते हैं। पहला- अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति से जुड़े मुद्दे। दूसरा- जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना। इन दोनों विषयों को समान मानना संवैधानिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। राज्य का दर्जा एक प्रशासनिक-संवैधानिक प्रश्न है, जबकि अनुच्छेद 370 से संबंधित प्रश्न भारत के संविधान और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए विधानसभा के वर्तमान प्रस्ताव का मूल विषय पूर्ण राज्य का दर्जा है, जबकि अनुच्छेद 370 और विशेष दर्जे को लेकर अलग राजनीतिक और संवैधानिक बहस मौजूद है। प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा विधायकों ने स्वायत्तता तथा अगस्त 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति के संदर्भों का विरोध किया। भाजपा सदस्यों ने सदन में नारेबाजी की और बाद में बहिर्गमन किया। यह घटनाक्रम जम्मू-कश्मीर की राजनीति में मौजूद वैचारिक अंतर को सामने लाता है। एक तरफ प्रस्ताव का समर्थन करने वाले पक्ष का जोर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस देने पर है। दूसरी तरफ भाजपा का राजनीतिक दृष्टिकोण अगस्त 2019 के संवैधानिक बदलावों को अलग संदर्भ में देखता है और स्वायत्तता या पूर्व संवैधानिक व्यवस्था से जुड़े संदर्भों का विरोध करता है। इस तरह विधानसभा की बहस में दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट दिखाई दिए। जम्मू-कश्मीर को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि पूर्ण राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण अंतर होता है। पूर्ण राज्य में निर्वाचित सरकार के साथ राज्य की विधायिका और प्रशासनिक अधिकारों का एक व्यापक संवैधानिक ढांचा होता है। केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र सरकार की भूमिका अपेक्षाकृत अधिक होती है, हालांकि अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकार और संवैधानिक व्यवस्थाएं एक जैसी नहीं होती है। जम्मू-कश्मीर का वर्तमान केंद्र शासित प्रदेश विशेष संवैधानिक व्यवस्था वाला है और यहां विधानसभा भी है।

नशे में उड़ता पंजाबः बद अच्छा बदनाम बुरा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को ह्यआपदाह्ल सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि ह्यआपह्ल नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है।

तनवीर जाफरी
(लेखक)

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को ह्यभारत का अन्न भंडारह्ल और ह्यभारत की खाद्य टोकरीह्ल कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं। परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य को विगत कुछ वर्षों से मात्र ह्यनशेह्य को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूँकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय ह्यनशा मुक्त पंजाब यात्राह्ल निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनावी एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को ह्यआपदाह्ल सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि ह्यआपह्ल नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। ह्यआपह्ल नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म ह्यउड़ता पंजाबह्ल ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गोया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।राजनीतिक दल भी एक-दूसरे को घेरने के लिए इस मुद्दे को कुछ इस तरह उछाल रहे हैं मानो पंजाब का हर दूसरा नागरिक नशेड़ी हो। जो कि तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह गलत व निराधार है। जब हम राष्ट्रीय सन्दर्भ में पंजाब पर लगने वाले इसी ह्यलांछनह्ल व काले धब्बे का जायजा लेने की कोशिश करते हैं तो हमें आंकड़ों के अनुसार यह पता चलता है कि अरुणाचल प्रदेश राज्य शराब की खपत में देश में सबसे आगे है। यहाँ लगभग 53% पुरुष और 24% महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा राज्यों में भी शराब की खपत का प्रतिशत अन्य राज्यों की तुलना में काफी अधिक है। जबकि अफीम के सेवन में मिजोरम का नाम देश में सबसे आगे आता है। इसी तरह भांग व गांजे की चपेट में आने वाले सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश और बिहार का नाम सर्वोपरि आता है। जबकि हशीश व चरस जैसे शेन के लिये हिमाचल के कसौल व मलाना जैसे इलाकों को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस इलाके में तो लाखों की संख्या में विदेशी विशेषकर इस्राईली नागरिक स्थायी रूप से यहाँ रहकर न केवल नशा करते हैं बल्कि इसके कारोबार में भी शरीक हैं। कसोल- मलाना का यह नेटवर्क गोवा तक फैला हुआ है। हाँ, पंजाब में अफीम की श्रेणी से जुड़े नशों का इस्तेमाल इस समय ज्यादा जरूर हो रहा है, जिनमें ह्यचिट्टाह्ल जोकि हेरॉइन और सिंथेटिक ड्रग्स का मिश्रण है, यह सबसे खतरनाक है। इसके अलावा पारंपरिक तौर पर भुक्की व अफीम का चलन भी तेजी से बढ़ा है। परन्तु सवाल यह है कि जिस सिख बाहुल्य राज्य में जहाँ की बड़ी आबादी धूम्रपान को भी वर्जित समझती हो और कई शहरों, कस्बों व गांवों में तो बीड़ी, सिगरेट व तम्बाकू भी आसानी से उपलब्ध न हो उस समाज से जुड़े लोग आखिर नशे की गिरफ़्त में कैसे आ गये ? दरअसल जो पंजाब कभी हरित क्रांति के कारण बहुत समृद्धि था वह पिछले कुछ दशकों में खेती से आमदनी घटने, उद्योगों की कमी और शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी बढ़ने के कारण निराशा में डूबता जा रहा है। दूसरी बात यह कि पंजाब के युवाओं में अमेरिका, कनाडा, यू के और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में जाने की भारी होड़ लगी रहती है। परन्तु जिन युवाओं का वीजा नहीं लग पाता या जो असफल हो जाते हैं अथवा ठगे जाते हैं , वे मानसिक तनाव और अवसाद के कारण भी नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। जहाँ तक नशीली सामग्री की उपलब्धता का सवाल है तो पंजाब की पाकिस्तान के साथ करीब 553 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होने वाली ड्रग्स की तस्करी के लिए पंजाब एक ह्यट्रांजिट रूटह्ल बन जाता है।

संक्षिप्त खबरें

बाढ़ प्रभावित लोगों तक पहुंचाया जा रहा सूखा राशन

छपरा कार्यालय।सारण जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा लगातार सूखा राशन (ड्राई राशन) का वितरण किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण किसी भी प्रभावित परिवार को भोजन की समस्या का सामना न करना पड़े। प्रशासन की टीमें जरूरतमंद लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। एनडीआरएफ के सहयोग से भी नाव के माध्यम से बाढ़ प्रभावित लोगों तक सूखा राशन पहुंचाया जा रहा है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि बाढ़ की कठिन परिस्थितियों में कोई भी व्यक्ति राहत सामग्री से वंचित न रहे और प्रत्येक प्रभावित परिवार को समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध हो।

दरोगा राय चौक पर स्वास्थ्य विभाग ने लगाया स्वास्थ्य कैंप

परसा। बाढ़ प्रभावित लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रविवार की सुबह परसा के दरोगा राय चौक पर स्वास्थ्य कैंप लगाया.बाढ़ के कारण प्रभावित क्षेत्रों में बीमारी फैलने की आशंका को देखते हुए विभाग की ओर से लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई. कैंप में पहुंचे बाढ़ प्रभावित लोगों की चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने जांच की.जांच के बाद जरूरत के अनुसार लोगों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध करायी गयीं.स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को बाढ़ के दौरान साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल के सेवन तथा खान-पान को लेकर भी आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी.स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी नहीं हो, इसके लिए स्वास्थ्य टीम लगातार निगरानी रख रही है.जरूरत पड़ने पर प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य कैंप लगाकर लोगों को चिकित्सा सुविधा और आवश्यक दवाएं उपलब्ध करायी जाएंगी.

बाढ़ में युवती समेत दो की डूबने से मौत, परसा में राहत-बचाव अभियान जारी

परसा। थाना क्षेत्र में बाढ़ का पानी लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है. बाढ़ के कारण एक युवती की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के लापता होने की सूचना है. सूचना मिलने के बाद परसा पुलिस, एनडीआरएफ की टीम और स्थानीय ग्रामीणों ने राहत एवं बचाव अभियान चलाया.अभियान के दौरान चकशबाज गांव से एक युवती का शव बरामद किया गया.मृतका की पहचान परसा थाना क्षेत्र के चकशबाज गांव निवासी मनोज राय की 20 वर्षीय पुत्री रागिनी कुमारी के रूप में हुई है.पुलिस पदाधिकारी के अनुसार, घटना के तीसरे दिन युवती का शव बरामद किया गया.पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रविवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया.वहीं, परसा थाना क्षेत्र के अन्याय गांव में रविवार की दोपहर शौच के लिए घर से निकले एक वृद्ध व्यक्ति की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई.मृतक की पहचान अन्याय गांव निवासी स्व. हकीम मियां के 50 वर्षीय पुत्र लाल मोहम्मद के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा सदर अस्पताल भेज दिया.बाढ़ के कारण लगातार बढ़ रही परेशानी के बीच प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ और ग्रामीणों की टीम राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है.वहीं, लापता लोगों की तलाश को लेकर भी अभियान जारी है.

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए सूखे चारे की लगातार की जा रही है व्यवस्था एवं वितरण

छपरा सदर।सारण जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं की जरूरतों का भी विशेष ध्यान रखते हुए पिकअप वाहनों के माध्यम से सूखा चारा तैयार कराकर प्रभावित क्षेत्रों में लगातार पहुंचाया एवं वितरित किया जा रहा है। पशुपालकों को पशुओं के लिए आवश्यक चारा उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की देखभाल एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बार-बार आवश्यकतानुसार सूखे चारे का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि किसी भी पशुपालक को चारे की समस्या का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन, सारण द्वारा राहत कार्यों के साथ-साथ पशुधन के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं लगातार की जा रही हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

- पानी उतरने वाले क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर ब्लीचिंग एवं स्वास्थ्य टीमों को पी पी ई किट के साथ कार्य करने का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा बचाव, राहत एवं स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पूरी मुस्तैदी के साथ लगातार कार्य किया जा रहा है। प्रभावित लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ बाढ़ के बाद उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत सभी हेल्थ टीमों के पास ग्लव्स, आवश्यक पी पी ई एवं अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें, ताकि स्वास्थ्यकर्मी सुरक्षित तरीके से लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा सकें। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों से बाढ़ का पानी उतर रहा है, वहां बड़े पैमाने पर ब्लीचिंग का कार्य कराया जाए, ताकि संक्रमण एवं जलजनित बीमारियों के प्रसार की आशंका को कम किया जा सके। पानी उतरने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन की कार्रवाई को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर, सामुदायिक किचेन, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासनिक एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर स्थिति की निगरानी कर रही हैं तथा आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

केन्द्र सरकार अंतरिम राहत की घोषणा करे : पूउरे पेंशनर्स एसोसिएशन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन के उप सचिव डॉ. ए एच अंसारी ने बताया कि पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन छपरा शाखा की बैठक 10 बजे दिन से पराशर कॉम्प्लेक्स भगवान बाजार में हुई। बैठक की अध्यक्षता विश्व मोहन सिंह ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष ओमप्रकाश पराशर ने छपरा शाखा के सदस्यों की प्रतिदिन बढ़ोत्तरी पर खुशी जाहिर की और कहा कि पेंशनर्स अधिकाधिक संख्या में सदस्यता ग्रहण करें। इससे एसोसिएशन की ताकत बढ़ेगी। जिन पेंशनर्स का जन्मदिन सितंबर एवं अक्टूबर माह है , उनको बधाई कार्ड देकर लंबी आयु की कामना की गई और उनको सभी सदस्यों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। ओमप्रकाश पराशर ने केन्द्र सरकार और रेल प्रशासन से पेंशनर्स हित में 18 माह के डीए एरियर भुगतान और पेंशन कम्यूटेशन पंद्रह वर्ष के बदले ग्यारह वर्ष में करने की मांग की। उन्होंने केंद्र सरकार से आठवें वेतन आयोग की रिपोर्ट पेंशनर्स हित में समय से लागू करने की अपील की।शाखा मंत्री मिथिलेश कुमार सिंह ने पेंशनर्स हित में शाखा द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि छपरा शाखा के किसी भी पेंशनर्स की कोई भी समस्या लंबित नहीं है। यह हमारी एकता की सबसे बड़ी उपलब्धि है। नये पेंशनर्स को एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण कराने पर जोर दिया। पेंशनर्स को 65 , 70 , 75 वर्ष आयु पर क्रमशः 5 ,10 ,15 प्रतिशत अतिरिक्त भत्ता की माँग केंद्र सरकार से की। शाखा मंत्री ने सभी पेंशनर्स को आह्वान करते हुए अपनी चट्टानी एकता भारत पेंशनर्स समाज के माध्यम से दिखाकर सरकार पर दबाव बनाने की बात कही। शाखा मंत्री मिथिलेश कुमार सिंह ने जिन पेंशनर्स की समस्यायों का निराकरण पूउरे पेंशनर्स एसोसिएशन ने कराया है , उसकी चर्चा की।

जिन पेंशनर्स की वर्तमान समस्या थी , उसको एकत्र किया और रेलवे अस्पताल से रोगग्रस्त पेंशनर्स को उचित इलाज और दवा आपूर्ति की माँग की गई। इसके लिए सदस्य संख्या बढ़ाने और संघर्ष की जरूरत है। संयोजक मुद्रिका प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार को जुलाई से बढ़े हुए डीए/डी आर की घोषणा शीघ्र करनी चाहिए। आठवें वेतन आयोग के लागू होने के पहले कर्मचारियों और पेंशनरों को अंतरिम राहत भी देनी चाहिए। वेतन में पचास प्रतिशत डीए/डीआर मर्ज करना चाहिए। पेंशनर्स की अनदेखी हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने पेंशनर्स की एकता बनाए रखने पर जोर दिया। अध्यक्षता कर रहे विश्व मोहन सिंह ने पेंशनर्स को स्वस्थ रहने के लिए कुछ जरूरी हिदायतें बतायीं। जिन पेंशनर्स सदस्यों का जन्मदिन मनाया गया , उनको शुभकामना दीं। निरंतर छपरा शाखा के पेंशनर्स सदस्यों की वृद्धि पर प्रसन्नता प्रकट की। पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि हम समस्याओं का निदान करा लेते हैं यह पूर्वोत्तर रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन की जीत है और एकता का फल है। हाल में पुनः मैनुअल पास जारी करने का रेलवे बोर्ड का आदेश हमारी एकता का ही फल है। सुरेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में हुंकार भरते हुए पेंशनर्स को एकजुट होकर अपनी एकता प्रदर्शित करते हुए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की बात कही और शाखा की सदस्यता बढ़ाने पर जोर दिया।बैठक को संबोधित करने वालों में मुख्य रूप से मिथिलेश कुमार सिंह , सुरेंद्र सिंह , पी के मांझी , अरूण कुमार सिंह , रामानंद महतो , सुधीर कुमार श्रीवास्तव , मुद्रिका प्रसाद एवं राजकुमार श्रीवास्तव आदि हैं।

एनडीए समर्थित उम्मीदवार ई. आनंद पुष्कर ने किया प्रेस वार्ता

- सभी से एकजुटता का दिया परिचय

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एनडीए समर्थित उम्मीदवार ई० आंनद पुष्कर ने राजग के जिलाअध्यक्षों के साथ एक साझा प्रेस कांफ्रेंस किया, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिला जदयू अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह ह्वविकलह्व, भाजपा रंजीत कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, जिला प्रवक्ता ब्रजेश कुमार, भाजपा प्रवक्ता शुशील कुमार सिंह, मुख्यालय प्रभारी ई० प्रभाष शंकर, अशोक सिंह, विनोद सिंह, शिक्षक नेता अवधेश राय, हम पार्टी के विशाल, सत्यनारायण चौधरी एवं लोजपा (आर) पार्टी प्रतिनिधित सहित अन्य उपस्थित थे। वार्ता को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह ह्वविकलह्व ने कहा कि एनडीए प्रत्याशी के नामांकन सभा में पहुंच कर नामांकन सभा को सफल बनावें। अपने संबोधन में पूर्वी भाजपा जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि एनडीए प्रत्याशी किसी परिचय के मोहताज नहीं है, इनके पिता जी इस सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चार बार शिक्षकों के लिए प्रतिनिधित्व कर चुके है। प्रेस को संबोधित करते हुए प्रत्याशी ई० आंनद पुष्कर ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उनके प्रयासों से ज़िले के बहुत से विद्यालय को अपग्रेड किया गया है, एवम् शिक्षकों की चिर-लंबित मांगों को पूर्ती की गई और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि शिक्षकों की अन्य मांगों पर भी उनकी मांगों पर राज्य सरकार से सकारात्मक विचार कर मांगों की पूर्ति कराने का प्रयास करुंगा।

विगत पूर्व के चुनाव में भले ही मैं कुछ मतों से दूर रह गया हूं लेकिन इस बार आप मतदाताओं का स्नेह और प्यार मिलने पर मैं उस दूरी को समाप्त कर आपके आशीर्वाद से विजय श्री का माला पहनूंगा। एनडीए प्रत्याशी ने अपने पांच अक्टूबर, 2026 को सीटी गार्डन, हेम नगर, छपरा नामांकन सभा में पहुंच कर मेरे प्रति समर्थन व्यक्त करने की कृपा करें।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की चिकित्सा के लिए चलंत पशु चिकित्सा इकाइयां सक्रिय

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर । सारण जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की सुरक्षा एवं समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन एवं पशुपालन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में चलंत पशु चिकित्सा इकाइयों को विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कैंप लगाकर पशुओं का उपचार करने हेतु तैनात किया गया है। मांझी एवं जलालपुर की एम वी यू द्वारा मकेर प्रखंड के फुलवरिया एवं अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, दिघवारा एम वी यू द्वारा परसा प्रखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में, सोनपुर एम वी यू द्वारा मकेर प्रखंड के रेवा घाट में तथा अमनौर, पानापुर एवं तरैया की एम वी यू द्वारा अपने-अपने प्रखंडों के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कैंप लगाकर पशुओं का उपचार किया जा रहा है। पशुपालन विभाग द्वारा सभी चलंत पशु चिकित्सा इकाइयों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नियमित रूप से कैंप लगाकर पशुओं को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

छपरा में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन

- मढ़ौरा की कशिश कुमारी ने दूसरा और बसंतपुर की अनुष्का कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण जिला ओलंपिक संघ, छपरा के तत्वावधान में हवाई अड्डा, छपरा के प्रांगण में रविवार 4 अक्टूबर को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों के धावकों ने खेल भावना के साथ भाग लिया। पुरुष वर्ग में गोरखपुर के विकास कुमार यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सराय बसंत के आकाश कुमार द्वितीय तथा गोरखपुर के ही सुनील कुमार तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में साथी क्लब की गोपी कुमारी ने पहला स्थान हासिल किया। मढ़ौरा की कशिश कुमारी ने दूसरा और बसंतपुर की अनुष्का कुमारी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सारण जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव, महासचिव सभापति बैठा, कोषाध्यक्ष मिराज खान, कार्यकारी महासचिव शक्ति सिंह एवं के के सिंह की सराहनीय भूमिका रही। विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण से बचाव हेतु किया जा रहा ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण की रोकथाम एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन की मेडिकल टीम द्वारा लगातार निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में फुलवरिया नहर से लगभग 1 किलोमीटर आगे बांध पर मेडिकल टीम द्वारा ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव का कार्य किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के आश्रय स्थलों एवं आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी की जा रही है। संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सहित अन्य आवश्यक निरोधात्मक एवं स्वच्छता संबंधी कार्रवाई लगातार सुनिश्चित की जा रही है।

सारण से स्टैनफोर्ड सीड तकः अतुल मशीनरी ट्रेडिंग का चयन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । सारण की अतुल मशीनरी ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का चयन स्टैनफोर्ड सीड परिवर्तन कार्यक्रम 2027 के लिए किया गया है। कंपनी दक्षिण एशिया की चुनिंदा उद्यमी कंपनियों के समूह में शामिल होगी। वर्ष 2002 में शुरू हुई अतुल मशीनरी ट्रेडिंग ने कृषि उत्पादों और उपकरणों के कारोबार से अपनी शुरूआत की थी। कंपनी चारा काटने वाली मशीन और अनाज निकालने वाली मशीन के कारोबार से आगे बढ़ते हुए अब सिएट, कैस्ट्रोल, किर्लोस्कर और बर्जर जैसे प्रमुख ब्रांडों के उत्पादों का वितरण भी करती है।

कार्यक्रम के तहत कंपनी के नेतृत्व को व्यवसाय योजना, नेतृत्व, संगठन प्रबंधन और टिकाऊ विकास जैसे विषयों पर सीखने और काम करने का अवसर मिलेगा। कंपनी इस अनुभव का उपयोग अपनी प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने और भविष्य के विस्तार की तैयारी में करेगी। अतुल मशीनरी के प्रबंध निदेशक, श्री अतुल कुमार, ने कहा, स्टैनफोर्ड सीड कार्यक्रम में चयन हमारे लिए सीखने और कंपनी को विकास के अगले चरण के लिए तैयार करने का महत्वपूर्ण अवसर है। कार्यक्रम से मिलने वाले ज्ञान को हम अपनी कार्यप्रणाली बेहतर बनाने और नए अवसर पैदा करने में उपयोग करेंगे। स्टैनफोर्ड सीड के बारे में: स्टैनफोर्ड सीड स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन विद्यालय के नेतृत्व में चलने वाली वैश्विक पहल है। यह विकासशील देशों के उद्यमियों को व्यवसाय प्रबंधन, नेतृत्व और विकास से जुड़े क्षेत्रों में मार्गदर्शन और सीखने के अवसर प्रदान करती है। अतुल मशीनरी ट्रेडिंग का लक्ष्य कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव के आधार पर अपने व्यवसाय को मजबूत करना और बिहार में रोजगार तथा आर्थिक गतिविधियों में योगदान बढ़ाना है।

राहत सामग्री का किया वितरण

छपरा कार्यालय। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सारण ने बाढ़ राहत सामग्री का वितरण पानी में डूबे हुए गांवों लागुनिया,बघा कोल,सुल्तानपुर,हैजलपुर, बांध किनारा और विक्रम कैतुका में किया। बनियापुर प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मोटर बोट उपलब्ध करा दिए जाने से गाँव गाँव तक पहुंचना संभव हो सका।चियरमैन डॉ शहजाद आलम ने बताया कि प्रशासन की सहायता से रेड क्रॉस सोसाइटी ने बाढ़ पीड़ित लोगों के बीच तिरपाल,स्टील का बर्तन,साबुन ,मंजन,मोमबत्ती इत्यादि का वितरण उनके घर तक पहुंच के किया। इस अवसर पर स्टेट प्रतिनिधि डॉ हरेन्द्र सिंह ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में रेड क्रॉस उनके साथ खड़ा है।इस अवसर पर रणजीत शांडिल्य,राकेश कुमार राय,सुधीर कुमार,वरुण कुमार सिंह इत्यादि उपस्थित थे। बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए सामग्री वाले वाहन को सचिव जीनत मसीह, कोषाध्यक्ष डॉ सुरेश प्रसाद सिंह, प्रोफेसर ए डी मसीह,पॉल इस्माइल और इंजीनियर सतेंद्र श्रीवास्तव ने रवाना किया।

एकमा में आपसी रंजिश में हुई चाकूबाजी से सनसनी, एक -एक कर तीन की मौत

- इलाज के दौरान अस्पताल में भी दोबारा चाकू चलने से हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। एकमा थाना क्षेत्र के परसा परसागढ़ गांव से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है. चाकूबाजी की एक हिंसक घटना ने पूरे इलाके को हिला दिया है. वारदात में घायल हुए लोगों में अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है. उसे पटना रेफर किया गया है. मृतकों की पहचान छपरा के काशी बाजार निवासी अंकुर पटेल उर्फ धोनी, एकमा के जिरतपुर पचुआ निवासी मुकेश कुमार, पिता ध्रुप यादव, और रमेश यादव, पिता विजय यादव के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि चाकूबाजी की पहली घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए एकमा स्थित डॉक्टर एस कुमार के निजी अस्पताल में लाया गया था. इसी दौरान अस्पताल परिसर में दोबारा चाकूबाजी होने की बात सामने आई है. इसके बाद स्थिति और गंभीर हो गयी. इलाज के दौरान अंकुर पटेल उर्फ धोनी की मौत एकमा के निजी नर्सिंग होम में हो गई, जबकि मुकेश कुमार और रमेश यादव को बेहतर इलाज के लिए छपरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां दोनों की भी इलाज के दौरान मौत हो गयी. वहीं, इस घटना में घायल विवेक कुमार, पिता बिनोद कुमार की हालत गंभीर बतायी जा रही है. प्रारंभिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए पटना रेफर कर दिया है. जानकारी के मुताबिक, छपरा के काशी बाजार निवासी अंकुर पटेल उर्फ धोनी अपने मामा के घर परसा परसागढ़ आया हुआ था. इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और मामला चाकूबाजी तक पहुंच गया. घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है. सूचना मिलते ही एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. इस मामले में सदर एसडीपीओ-2 ने बताया कि प्रथम द्रष्टया घटना आपसी रंजिश से जुड़ी हुई प्रतीत हो रही है. हालांकि, पूरे मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो पायेगी. फिलहाल पुलिस विवाद की असली वजह, चाकूबाजी में शामिल लोगों और घटना के पूरे क्रम की जानकारी जुटाने में लगी है. परसा परसागढ़ में हुई इस वारदात के बाद तीन मौतों से इलाके में दहशत का माहौल है. अब पुलिस की जांच से ही साफ होगा।

गांव की पगडंडी से डॉक्टर बनने की राह पर पम्मी

प्रात : किरण संवाददाता

जलालपुर। सपने बड़े हों और उन्हें पूरा करने का जज्बा हो तो संसाधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती। इस बात को सच कर दिखाया है जलालपुर प्रखंड के चाईपाली गांव की बेटी पम्मी कुमारी ने। ग्रामीण परिवेश में रहकर पढ़ाई करने वाली पम्मी ने पहले प्रयास में ठएएळ क्वालीफाई कर अपने परिवार और गांव का नाम रोशन किया है। मेडिकल काउंसलिंग के बाद उनका चयन मुजफ्फरपुर में इअटर पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। अब वह डॉक्टर बनने के अपने सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगी। पम्मी की सफलता के पीछे संघर्ष और संकल्प की लंबी कहानी है। उनके पिता मनिंद्र सिंह और दादा शिवकुमार सिंह गांव में छोटी सी दवा की दुकान चलाते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद दोनों ने पम्मी की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। करीब तीन वर्ष पहले पम्मी की मां का निधन हो गया। मां के स्नेह से दूर होने का दर्द भी पम्मी के हौसले को नहीं तोड़ सका। उन्होंने परिस्थितियों को चुनौती मानने के बजाय अपनी पढ़ाई को ही लक्ष्य बना लिया। तीन बहनों में पम्मी ने अपनी मेहनत से अलग पहचान बनाई। गांव में रहकर ही पढ़ाई करते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करना और पहले ही प्रयास में सफलता हासिल करना उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उनकी इस उपलब्धि से गांव के लोगों में खुशी का माहौल है।- ग्रामीण बच्चों के लिए बनीं प्रेरणाः पम्मी की सफलता सिर्फ उनके परिवार की उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्र के उन छात्र-छात्राओं के लिए भी उम्मीद की किरण है, जो सीमित सुविधाओं के बावजूद बड़े सपने देखते हैं। पम्मी अब डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना चाहती हैं और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करने का संकल्प रखती हैं।

राजयोग शिविर में गिरीश ने बताया आध्यात्मिकता का वास्तविक अर्थ, कहा- मन की शांति और कर्म की सच्चाई ही पहचान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। स्थानीय भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह में आयोजित तीन दिवसीय राजयोग शिविर का रविवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय काउंसलर ईवी गिरीश (मुंबई), सीपीएस ग्रुप के निदेशक डॉ. हरेंद्र सिंह, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय छपरा की मुख्य संचालिका ब्रह्माकुमारी अनामिका दीदी, छपरा जंक्शन के स्टेशन डायरेक्टर राजेश प्रसाद, बीके रानी बहन और बीके उर्मिला बहन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर के पहले दिन बड़ी संख्या में लोगों ने राजयोग और आध्यात्मिक जीवन से जुड़े विचारों को सुना। अंतर्राष्ट्रीय काउंसलर ईवी गिरीश ने ह्यआध्यात्मिकता की सत्य पहचानह्व विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आध्यात्मिकता केवल पूजा- पाठ अथवा धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। इसकी वास्तविक पहचान व्यक्ति के विचार, व्यवहार और जीवन जीने के तरीके से होती है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता की पहली पहचान मन की शांति है। परिस्थितियां कैसी भी हों, व्यक्ति अपने भीतर शांति और संतुलन बनाए रखे।

बाहरी परिस्थितियों पर नियंत्रण हमेशा संभव नहीं होता, लेकिन अपने मन और प्रतिक्रिया पर नियंत्रण रखा जा सकता है। उन्होंने दूसरी पहचान व्यवहार में करुणा को बताया। उनके अनुसार अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष से ऊपर उठकर दूसरों के प्रति प्रेम, क्षमा और संवेदना का भाव रखना ही आध्यात्मिकता का वास्तविक स्वरूप है। व्यक्ति की आध्यात्मिक प्रगति उसके व्यवहार में दिखाई देनी चाहिए। ईवी गिरीश ने तीसरी पहचान कर्म में सच्चाई बताते हुए कहा कि आध्यात्मिक व्यक्ति दिखावे से दूर रहता है और ईमानदारी, संयम तथा निस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है। उन्होंने कहा कि केवल ज्ञान प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को जीवन में उतारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सच्ची आध्यात्मिकता वही है, जो इंसान को भीतर से बेहतर, मन से शांत और व्यवहार से सरल बनाए। राजयोग के माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों को सकारात्मक दिशा देकर जीवन में संतुलन और आत्मिक शांति प्राप्त कर सकता है। शिविर के आयोजन का उद्देश्य लोगों को राजयोग, आत्मचिंतन और सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। तीन दिवसीय शिविर में आध्यात्मिकता, तनाव प्रबंधन, मन की शांति और जीवन में सकारात्मक बदलाव जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा।

पुलिस लाइन में गूंजा हरियाली का संदेश, पौधरोपण कर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

डोरीगंज। पर्यावरण संरक्षण मिशन छपरा के अभियान में पुलिसकर्मियों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, डॉ. राजीव रंजन ने कहा—पेड़ लगाना ही नहीं, उसे बचाना भी हमारी जिम्मेदारी- छपरा। पर्यावरण संरक्षण को जनअभियान बनाने के उद्देश्य से रविवार को पर्यावरण संरक्षण मिशन छपरा के तत्वावधान में पुलिस लाइन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिशन के अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन की अध्यक्षता में सुबह सात बजे शुरू हुए अभियान में पुलिस अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और मिशन से जुड़े सदस्यों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि पेड़ केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं, बल्कि जीवन का आधार हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटता भूजल और बदलता मौसम हमें चेतावनी दे रहा है कि अब पर्यावरण संरक्षण को केवल चर्चा का विषय नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। एक पौधा लगाना भविष्य की पीढ़ी के लिए सुरक्षित सांसों का इंतजाम करना है। पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस लाइन जैसे सार्वजनिक परिसर में वृक्षारोपण का संदेश समाज के दूसरे वर्गों तक भी पहुंचेगा। हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाए और उसे पेड़ बनने तक संरक्षण दे, तभी हरियाली का यह अभियान सार्थक होगा। कार्यक्रम में डीएसपी मनोज, अरविंद कुमार (अध्यक्ष, बिहार पुलिस मेंस एसोसिएशन, छपरा), राहुल उपाध्याय (प्रभारी, उपस्कर शाखा) सहित समस्त पुलिसकर्मियों की सहभागिता रही। पर्यावरण संरक्षण मिशन के मनीष सिंह, अविनाश सिंह, श्रीराम तिवारी,भंवर किशोर, प्रीतम सोनी, मुकेश रंजन, संदीप सिंह, संतोष कुमार एवं विजय कुमार समेत अन्य सहयोगकर्ता मौजूद रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

सेवा संकल्प अभियान के तहत विधायक ने किया पौधारोपण

बाढ़ से टूटी सड़कों की जल्द होगी मरम्मत

● जगतपुर मठिया में फलदार पौधे लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, ग्रामीणों के बीच भी बांटे पौधे

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा (भोजपुर)। भाजपा के सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को जगतपुर मठिया में बड़हरा विधायक सह पूर्व मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक ने विभिन्न प्रजातियों के फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही ग्रामीणों एवं पार्टी कार्यकताओं के बीच पौधों का वितरण कर अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में पहुंचने पर सरैया मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं एवं ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ विधायक का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, बड़हरा विधानसभा प्रभारी डॉ. संजय कुमार सिंह, जिला पंचायती राज प्रकोष्ठ के संयोजक धीरज सिंह और संदीप कुमार को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वृक्षारोपण के दौरान विधायक ने आम, जामुन, अमरूद, आंवला और लीची सहित कई प्रजातियों के पौधे लगाए। उन्होंने कहा कि विकास और निर्माण कार्यों के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हो रही है, जिसका प्रतिकूल असर पर्यावरण पर पड़ रहा है। वर्षा की अनियमितता भी पर्यावरणीय असंतुलन का एक गंभीर संकेत है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को पौधरोपण को अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे न केवल वातावरण को स्वच्छ और संतुलित रखते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी जरूरी है। वहीं, बाढ़ से क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत के सवाल पर विधायक ने कहा कि संबंधित विभागों को जल्द मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया है। क्षेत्र की खराब सड़कों को दुरुस्त कराया जाएगा, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता के आशीर्वाद और स्नेह से वे करीब 50 वर्षों से क्षेत्र के लोगों की सेवा करते आ रहे हैं और आगे भी विकास कार्यों के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। कार्यक्रम में इंजीनियर धीरेन्द्र सिंह, डॉ. संजय कुमार सिंह, , प्रशांत सिंह सहित भाजपा के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रशासन की सीधी निगरानी

डीएम-एसएसपी ने राहत व्यवस्था परखी

प्रात: किरण संवाददाता

पानापुर (सारण) सारण में गंडक नदी की बाढ़ से उत्पन्न स्थिति के बीच जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव और एसएसपी रौशन कुमार ने रविवार को प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए संचालित कम्युनिटी किचन, राहत केंद्रों और स्वास्थ्य शिविरों की अधिकारियों ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों तक भोजन, राहत सामग्री और चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीमें भी सक्रिय हैं। पानापुर में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए हैं, जहां लोगों की जांच के साथ आवश्यक दवाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष नजर रखी जा रही है ।जिलाधिकारी और एसएसपी ने अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी रखने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल बचाव दल और नाव उपलब्ध कराने को कहा गया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस की कार्रवाई, घर की दीवार पर चिपकाया नोटिस

कोइलवर।भोजपुर जिले के चांदी थाना पुलिस ने न्यायालय से जारी इश्तिहार के मामले में रविवार को कार्रवाई करते हुए एक आरोपित के घर की दीवार पर इश्तिहार चिपकाया। थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि रूपचकिया गांव निवासी संजय यादव, पिता रामकिशन यादव, वर्तमान में बाहर रहकर मजदूरी करते हैं और घर पर मौजूद नहीं हैं। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने उनके घर के बाहर दीवार पर इश्तिहार चिपकाया। पुलिस ने इश्तिहार के माध्यम से आरोपित को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी दी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि निर्धारित अवधि में यदि आरोपित न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं, तो न्यायालय से आदेश प्राप्त कर उनके घर की कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद गांव में लोगों के बीच चर्चा बनी रही।

दुर्गा पूजा महापर्व को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

बनियापुर। बनियापुर थाना में महापर्व दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक हुई जिसमें क्षेत्र के सभी दुर्गा पूजा समिति के मुख्य कार्यकर्ता गणमान्य जन प्रतिनिधियों के उपस्थिति में थानाध्यक्ष पिंटू कुमार की अध्यक्षता में बैठक को संबोधित करते सभी सदस्यों से एक एक की समस्याओं पर चर्चा कर मंतव्य लिया गया, थानाध्यक्ष ने गणमान्य लोगों से इस महापर्व को प्रेम सद्भाव, शांति के प्रतीक के रूप में मनाने का आग्रह किया, वही हुड़दंगी टीम ,उपद्रवी तत्वों पर पैनी नजर रखने, डीजे पर रोक जैसी कई निर्देश देते हुए सबको सहयोग की अपील किया गया, बिना लाइस वाले समितियों को चेताया, साथ ही लाइसेंस रिन्युअल करने की बात कही गई, मुखरूप से इंस्पेक्टर कृपया सागर जी थाना प्रभारी पिंटू कुमार, सभापति पूरी हबीबुल मियां मेराज अहमद रंजीत सिंह कौशल सिंह समाज सेवी डॉ आबिद हुसैन, संजय सिंह , बिक्रम चौधरी, डॉ फिरोज आलम, संजय सहाय , चुनमुन ठाकुर, डॉ राम कुमार उपेंद्र यादव, मनोज रस्तोगी मुखिया, विनोद राय शिक्षक, मुखिया अरुण दास, मुखिया प्रभुनाथ मांझी, राकेश कु. राय एवं अन्य कई सम्मानित लोग थे जिसमें लगभग सभी लाइंसेंसधारी लोग मौजूद थे.।

दरियापुर में बाढ़ का पानी बिजली पावर सब ग्रिड में किया प्रवेश

दरियापुर ।स्थानीय प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ से तबाही जारी है ।क्षेत्र के अकिलपुर बिजली पावर सब ग्रिड में बाढ़ का पानी घुस गया है ।जिससे बिजली की सप्लाई ठप होने की प्रबल संभावना बन गई है ।विदित कि मकेर में गंडक नदी का बांध टूट जाने से बाढ़ का पानी परसा प्रखंड होते हुए स्थानीय प्रखंड के हरना, बजाहिया, नाथा छपरा, दरियापुर,महम्मदपुर आदि पंचायतों के दर्जनों गांवो को अपने चपेट में ले लिया है ।रविवार को अकिलपुर बिजली पावर सब ग्रिड में भी बाढ़ का पानी घुस गया है। बाढ़ के कारण लोगों की मुसीबतें बढ़ गई हैं ।ग्रामीणों को रहने ,खाने, शौच आदि की समस्याएं उत्पन्न हो गई है ।मवेशियों के चारे का संकट हो गया है ।सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसलें भी बाढ़ में डूब गई हैं। बाढ़ का पानी तेजी से अन्य गांवों की तरफ बढ़ रहा है ।जिससे लोगों में दहशत है। प्रशासन व स्थानीय जन प्रतिनिधियों द्वारा राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं ।लेकिन इससे बाढ़ पीड़ितों की पीड़ा कम नहीं हो रही है।

तेजस्वी प्रसाद यादव की जनसभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक एकजुट हुए

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबादः औरंगाबाद के ऐतिहासिक गांधी मैदान में रविवार को राजद नेता एवं बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव की जनसभा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक जुटे। सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि औरंगाबाद की यह भीड़ बिहार में बदलाव के संकेत दे रही है। तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में रोजगार, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे पर केंद्र और राज्य की सरकारों को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 20 वर्षों से बिहार की जनता ने राजग सरकार को देखा है और इस दौरान रोजगार तथा पलायन जैसे मुद्दे लगातार बने हुए हैं। अपने 17 महीने के कार्यकाल का जिक्र करते हुए तेजस्वी यादव ने दावा किया कि इस अवधि में करीब पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। यह दावा वह पहले भी कई मौकों पर कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि राजद को फिर से सरकार बनाने का अवसर मिलता है तो रोजगार को प्राथमिकता दी जाएगी और हर परिवार के सम्मान तथा युवाओं के भविष्य के लिए काम किया जाएगा। सभा के दौरान समर्थकों ने लगातार ‟तेजस्वी यादव जिंदाबाद” के नारे लगाए। गांधी मैदान में मौजूद भीड़ के बीच तेजस्वी यादव का भाषण रोजगार और बदलाव के मुद्दों पर केंद्रित रहा। राजनीतिक रूप से भी अहम रहा कार्यक्रम औरंगाबाद की यह सभा संगठन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण रही। सभा से पहले राजद की ओर से कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण बैठकें की गई थीं। कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन मे राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव रफीगंज के पूर्व जदयू विधायक अशोक कुमार सिंह के राजद में शामिल होने की घोषणा की। गांधी मैदान की सभा में रोजगार, महंगाई और बदलाव के मुद्दे प्रमुख रहे।

एचडी जैन कॉलेज में छह दिवसीय एफडीपी का समापन, प्रतिभागियों को मिले प्रमाण-पत्र

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थानीय एच.डी. जैन कॉलेज, आरा में आयोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का शनिवार को भव्य समारोह के साथ समापन हुआ। बिहार सरकार एवं लोक भवन, पटना के प्रायोजन तथा एमएमटीटीसी, आईआईटी पटना के सहयोग से आयोजित एफडीपी का विषय ‟रिसर्च मेथडोलॉजी, एकेडमिक राइटिंग एंड पब्लिकेशन एथिक्स” था। कार्यक्रम 27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चला। एफडीपी के दौरान कुल 21 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें आईआईटी रुड़की, बीएचयू, आईआईटी पटना सहित देश के छह प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के 21 विशेषज्ञों ने शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। समापन दिवस पर प्रो. विनय कुमार (आईआईटी रुड़की), प्रो. राजीव कुमार (बीएचयू) और डॉ. राधिका मिश्रा (तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय) ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। प्रो. विनय कुमार ने सार्थक एवं गुणवत्तापूर्ण शोध की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया ।समापन समारोह की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नरेंद्र कुमार ने की। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय ई-लाइब्रेरी और ओएनओएस (वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन) जैसी आधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के साथ शैक्षणिक नवाचार में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही। कार्यक्रम के नोडल ऑफिसर प्रो. (डॉ.) संजय कुमार ने एफडीपी के सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया ।एमएमटीटीसी, आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. संजय कुमार परिडा ने प्रतिभागियों को कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर शुभकामनाएं दीं। मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मोहम्मद इश्तियाक ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर शोध पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। कुलपति प्रो. (डॉ.) शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने अपने संदेश में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। एफडीपी समन्वय समिति के प्रो. रत्नेश शुक्ला, प्रो. आमिर, डॉ. फौजिया रहमान और रमेश कुमार की आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर डॉ. चिंटू कुमारी, डॉ. सदफ और डॉ. पूर्ति माहौर सहित अन्य रिसोर्स पर्सन मौजूद रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मंच संचालन डॉ. फौजिया रहमान ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सह-संयोजक डॉ. संजीव रंजन ने किया।

वीकेएसयू में 82 हजार स्नातक सीटें खाली, नामांकन प्रक्रिया फिर शुरू करने की तैयारी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में स्नातक सत्र 2026-30 में बड़े पैमाने पर सीटें रिक्त रह गई हैं ।विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत एवं संबद्ध कॉलेजों में करीब 82 हजार स्नातक सीटें अब भी खाली हैं। इन सीटों को भरने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने नामांकन प्रक्रिया को एक बार फिर शुरू करने की तैयारी की है ।शनिवार को कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी की अध्यक्षता में एडमिशन कमेटी की बैठक हुई। बैठक में रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए पोर्टल दोबारा खोलने का निर्णय लिया गया। पोर्टल खुलने के बाद पूर्व में आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को उपलब्ध सीटों के अनुसार अपने कॉलेज और विषय के विकल्प में बदलाव करने का अवसर मिल सकता है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रत्येक कॉलेज में किस विषय की कितनी सीटें रिक्त हैं, इसकी स्पष्ट सूची भी जारी की जाएगी। इसके आधार पर विद्यार्थी अपनी पसंद के कॉलेज और विषय का चयन कर सकेंगे। इससे पूर्व आवेदन कर चुके विद्यार्थियों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। बैठक में राजभवन के निर्देश के तहत स्नातकोत्तर स्तर पर शुल्क वृद्धि के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन नामांकन से जुड़ी प्रक्रिया को जल्द शुरू करने की दिशा में तैयारी कर रहा है। रिक्त सीटों को भरने के लिए पोर्टल खुलने की तिथि और विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी किए जाने की संभावना है। इससे बड़ी संख्या में नामांकन से वंचित विद्यार्थियों को एक और अवसर मिल सकेगा।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस-2026 के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

बोधगया। स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा काउंसलिंग सेल, मगध विश्वविद्यालय के सहयोग से *विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस‌2026* के अवसर पर *6 से 10 अक्टूबर 2026* तक विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष की समग्र थीम जीवंत अनुभवों को सुननाः वास्तविक आवाजें, वास्तविक बदलाव है। आयोजन का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक एवं भ्रांतियों को कम करना तथा संवाद, सहानुभूति और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना है। इस समारोह के अंतर्गत *6 अक्टूबर* को *‟मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याणः चुनौतियाँ, जागरूकता और समाधान”* विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, *7 अक्टूबर* को *‟मानसिक स्वास्थ्यः चुप्पी तोड़ना और एक सहयोगी समाज का निर्माण”विषय पर भाषण प्रतियोगिता, **8 अक्टूबर* को मानसिक बीमारीः कलंक से मनोवैज्ञानिक सहायता की ओर”* विषय पर पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता तथा **9 अक्टूबर* को मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवाज उठाएँ”* विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सभी प्रतियोगिताएँ प्रातः **11 बजे* स्नातकोत्तर मनोविज्ञान विभाग में होंगी। *10 अक्टूबर, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर प्रातः **11 बजे* *‟सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्यः जागरूकता से कार्रवाई तक”* विषय पर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात दोपहर *1 बजे* विश्वविद्यालय गेट पर *‟मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता”* विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें *जीबीएम कॉलेज की छात्राएँ* सहभागी होंगी। दोपहर *2 बजे* ‟मानसिक स्वास्थ्य के लिए एकजुट”** संदेश के साथ मानव श्रृंखला आयोजित की जाएगी। मगध विश्वविद्यालय के *कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केसरी* ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

स्नातक चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए 7.5 सीजीपीए की अनिवार्यता खत्म

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफवाईयूजीपी) में चौथे वर्ष के सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए 7.5 सीजीपीए की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अब तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थी भी आगे की पढ़ाई जारी रख सकेंगे। हालांकि, ‟ऑनर्स विद रिसर्च” की डिग्री हासिल करने के लिए 7.5 सीजीपीए की शर्त अभी भी लागू रहेगी ।नए प्रावधान के अनुसार, जो विद्यार्थी चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के चार साल पूरे करेंगे, वे सीधे एक वर्षीय (दो सेमेस्टर) मास्टर/पीजी पाठ्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे। वहीं, तीन वर्ष में स्नातक करने वाले विद्यार्थियों को पहले की तरह पारंपरिक दो वर्षीय पीजी पाठ्यक्रम करना होगा। स्नातक के बाद सीधे पीएचडी में प्रवेश के लिए ‟ऑनर्स विद रिसर्च” की डिग्री अनिवार्य होगी तथा नेट परीक्षा भी देनी होगी। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में ‟ऑनर्स विद रिसर्च” के लिए कुल 160 क्रेडिट निर्धारित हैं। छठे सेमेस्टर तक 7.5 या उससे अधिक सीजीपीए प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 12 क्रेडिट के डिसर्टेशन/रिसर्च प्रोजेक्ट का विकल्प चुन सकेंगे और उन्हें ‟ऑनर्स विद रिसर्च” की उपाधि मिलेगी ।नए बदलाव से उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जिन्होंने चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम छोड़ने के लिए आवेदन किया है। अब तक बड़ी संख्या में विद्यार्थी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम पूरा कर रहे थे। स्पष्ट किया गया है कि तीन साल यानी छह सेमेस्टर और अनिवार्य समर इंटर्नशिप पूरा कर एग्जिट लेने वाले विद्यार्थियों को सामान्य स्नातक डिग्री प्रदान की जाएगी ।वहीं, यूजीसी, बीपीएससी और एसएससी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में तीन वर्षीय डिग्री पहले की तरह मान्य रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, चार वर्षीय पाठ्यक्रम को जारी रखने के लिए 7.5 सीजीपीए की बाध्यता हटने से विद्यार्थियों को अपनी सुविधा के अनुसार आगे की पढ़ाई का विकल्प मिलेगा। हालांकि, रिसर्च आधारित डिग्री और सीधे पीएचडी के लिए निर्धारित शैक्षणिक मानदंड लागू रहेंगे।

अंतरिक्ष ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में शोध कर भोजपुर की बेटी ने बढ़ाया मान

प्रात: किरण संवाददाता

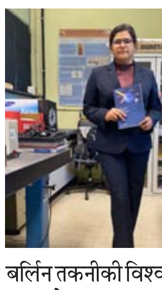

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोईलवर प्रखंड अंतर्गत इंग्लिशपुर गांव निवासी नरेंद्र सिंह की पुत्री डॉ. अर्पणा सिंह ने अंतरिक्ष ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और उन्नत सामग्री विज्ञान के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध कर गांव और जिले का नाम रोशन किया है। उनके डॉक्टरेट शोध में धातु-हैलाइड पेरोवस्काइट्स और बोरोन-मिश्रित हीरे जैसे आधुनिक पदार्थों के विद्युत एवं प्रकाशीय गुणों तथा भविष्य की अंतरिक्ष तकनीक में उनके संभावित उपयोग का अध्ययन किया गया है। डॉ. अर्पणा सिंह ने अपने शोध के दौरान यूरोप के पांच प्रमुख शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों में कार्य किया। इनमें इटली का सालेर्नो विश्वविद्यालय, जर्मनी का पॉट्सडैम विश्वविद्यालय, हेल्महोल्ज-जेंट्रम बर्लिन, बर्लिन तकनीकी विश्वविद्यालय तथा चेक गणराज्य के प्राग स्थित चेक विज्ञान अकादमी का भौतिकी संस्थान शामिल है। इस दौरान उन्होंने सामग्री विज्ञान, अर्धचालक भौतिकी, उपकरण निर्माण और उन्नत ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक तकनीकों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अध्ययन किया। उनके शोध का प्रमुख हिस्सा अंतरिक्ष उपयोग को ध्यान में रखते हुए पेरोवस्काइट आधारित ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अध्ययन पर केंद्रित रहा। इसमें आवेश वाहकों की गतिशीलता, विद्युत एवं प्रकाशीय गुणों, प्रोटॉन विकिरण के प्रभाव और सामग्रियों की दीर्घकालिक स्थिरता का परीक्षण किया गया। करीब 766 दिनों तक किए गए स्थिरता अध्ययन से यह समझने का प्रयास किया गया कि लंबे समय तक उपयोग और विकिरण के संपर्क में रहने पर इन सामग्रियों के गुणों में किस तरह बदलाव आता है। शोध के दूसरे महत्वपूर्ण हिस्से में बोरोन-मिश्रित हीरे की पतली फिल्मों का अध्ययन किया गया। इनका उपयोग पराबैंगनी प्रकाश की पहचान करने वाले सेंसर और तापमान संवेदन जैसी तकनीकों में किए जाने की संभावनाओं को परखा गया। वैज्ञानिकों के अनुसार, ऐसे अध्ययन भविष्य में कठिन परिस्थितियों में काम करने वाले उन्नत सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास में उपयोगी साबित हो सकते हैं।२

पकड़ी में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन ध्रुव और भरत चरित्र की कथा

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। शहर के पकड़ी स्थित अमीरचंद कोठी, शांति निवास में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। तिरुपति बालाजी से पधारे कथा व्यास परम श्रद्धेय आचार्य श्री जितेंद्र जी महाराज (बालाजी) ने ध्रुव चरित और भरत चरित पर विस्तार से प्रकाश डाला ।उन्होंने कहा कि भगवान श्री हरि अपने भक्तों से अतिशय प्रेम करते हैं। ध्रुव की अटूट भक्ति और भरत के त्याग का उदाहरण देते हुए उन्होंने श्रीमद् भागवत की महिमा की व्याख्या की। संगीतमय कथा से पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भजनों पर झूमते नजर आए। आयोजक रामाशंकर प्रसाद सिंह और संतोष कुमार सिंह ने बताया कि कथा की पूर्णाहुति एवं भंडारा 9 अक्टूबर को होगा। मुख्य यजमान डॉ. राधिका रमण सिंह और उनकी पत्नी पिंकी कुमारी हैं। इस अवसर पर आचार्य बिंदु जी महाराज, नरगदा मठ भी मौजूद रहे। कथा श्रवण के लिए शहर के विभिन्न मोहल्लों के साथ ही दूर-दराज से श्रद्धालु भक्त पहुंच रहे हैं। आयोजकों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था की गई है।

सहार पंचायत में भूमि सर्वे का कार्य शुरू, आम सभा आयोजित

सहार-सहार पंचायत में भूमि सर्वेक्षण कार्य के सफल संचालन को लेकर आम सभा का आयोजन पंचायत भवन सहार में किया गया। सभा में कानुन गो मो मोबारक हुसैन और अमीन अंजली कुमारी द्वारा भूमि सर्वे से संबंधित आवश्यक जानकारी ग्रामीणों को दी गई तथा सर्वे कार्य में सहयोग करने की अपील की गई। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि भूमि सर्वे का उद्देश्य भूमि अभिलेखों को अद्यतन करना, भू-स्वामित्व संबंधी विवादों को कम करना तथा राजस्व अभिलेखों को सटीक बनाना है। ग्रामीणों को अपने भूमि संबंधी दस्तावेज तैयार रखने तथा सर्वे दल को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। सभा में वार्ड सदस्य हसनैन खान, मो इमरान अली, ग्रामीण संजय केशरी, मो अकबर अली, मो ईजहार, सहित पंचायत प्रतिनिधियों, एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि भूमि सर्वे कार्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना है, जिससे भविष्य में भूमि संबंधी समस्याओं के समाधान में सहायता मिलेगी। आम सभा के माध्यम से लोगों को सर्वे प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा निर्धारित समय-सीमा की जानकारी भी दी गई।

आम सभा के बिना रात्रि प्रहरी नियुक्ति पर ग्रामीणों का आक्रोश, बीडीओ सह बीईओ से शिकायत

सहार- प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय अनुआ में रात्रि प्रहरी की नियुक्ति को लेकर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों बिनोद सिंह सहित अन्य ने आरोप लगाया है कि विद्यालय में रात्रि प्रहरी की नियुक्ति बिना आम सभा आयोजित किए तथा ग्रामीणों की सहमति के बिना पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा खैरा गांव के अपने पुत्र का कर दी गई है, जिससे गांव में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई तथा स्थानीय लोगों को इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। उनका आरोप है कि नियमों के अनुसार आम सभा आयोजित कर ग्रामीणों की राय ली जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने सहार प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर अनुआ गांव का रात्रि प्रहरी नियुक्त ना कर खैरा गांव का कर दिया गया है, जो एक दिन भी उत्क्रमित मध्य विः अनुआ विध्यालय में रात्रि प्रहरी करने नहीं आते हैं। ग्रामिणो उपेन्द्र सिंह, मंटू यादव, रामेश्वर सिंह, प्रिया कुमारी, सकुंतला देवी, विरेन्द्र राम ने जांच कराने तथा नियुक्ति प्रक्रिया की समीक्षा करने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा है कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे आगे आंदोलन करने को बाध्य होंगे। वहीं क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में बड़हरा स्कूल का शानदार प्रदर्शन, खिलाड़ियों ने जीते कई पदक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़हरा के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेल विधाओं में कई पदक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों नेबॉक्सिंग, वूशु, कुश्ती, तैराकी और भारोत्तोलन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया ।प्रधानाध्यापिका हेमलता कुमारी के दिशा-निर्देश तथा शिक्षक राजीव रंजन कुमार के नेतृत्व में विद्यालय के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बॉक्सिंग के अंडर-19 वर्ग में गणपत कुमार और आदित्य राज ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंडर-17 वर्ग में पियूष कुमार ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वूशु एवं कुश्ती में कान्हा प्रताप सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए ।तैराकी में निभा कुमारी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। वहीं भारोत्तोलन में मोहित कुमार ने स्वर्ण पदक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा विद्यालय के कई अन्य खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में रजत और कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया ।इस उपलब्धि पर प्रधानाध्यापिका हेमलता कुमारी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करता है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करते हुए भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं।

आवास योजना की सूची में गड़बड़ी पर भड़के ग्रामीण

बड़हरा (भोजपुर)।प्रधानमंत्री आवास योजना की नई लाभार्थी सूची में कथित अनियमितता को लेकर रविवार को सरैया पंचायत में ग्रामीणों का आक्रोश सड़क पर उतर आया। आक्रोशित ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने आरा-सरैया मुख्य मार्ग को जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान करीब एक किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क जाम के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारी आवास सहायक, मुखिया और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सूची में कथित गड़बड़ी की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे थे। सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण प्रतिनिधि बबलू कुमार यादव ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-2026 की सूची तैयार करने में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती गई है। उन्होंने कहा कि झोपड़ी, मड़ई और तिरपाल के नीचे जीवन गुजारने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को योजना के लाभ से वंचित कर दिया गया है, जबकि कथित तौर पर संपन्न लोगों के नाम सूची में शामिल किए गए हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से वर्तमान सूची रद्द कर पारदर्शी तरीके से नए सिरे से सर्वे कराने की मांग की। वहीं, सरैया पंचायत के उपमुखिया अजित कुमार गुप्ता ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड संख्या 14 में करीब 1,200 मतदाता हैं, लेकिन आवास योजना की सूची में महज 14-15 लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि पैसे नहीं देने के कारण कई पात्र लाभार्थियों के नाम सूची से हटा दिए गए। फोटो खिंचवाने और नाम दर्ज कराने के नाम पर कथित रूप से दो हजार से दस हजार रुपये तक की मांग किए जाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी, बीडीओ और डीडीसी को लिखित आवेदन देकर शिकायत की गई है। ग्रामीण हरेन्द्र साह ने भी अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए आरोप लगाया कि उनसे मुखिया और वार्ड सदस्य की ओर से पांच हजार रुपये की मांग की गई थी। उन्होंने बताया कि वह ऑटो चलाकर प्रतिदिन 200 से 300 रुपये कमाते हैं। उनकी पत्नी की तीन बार फोटो खिंचवाने और हस्ताक्षर कराने के बावजूद आवास सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया ।30 अक्टूबर तक होगी सूची की जांचमामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी नीलेश कुमार ने बताया कि आवास योजना की सूची की जांच के लिए 30 अक्टूबर तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। निष्पक्ष जांच के लिए जिला स्तरीय कमेटी गठित की गई है।

महकार गांव में माता-पिता की प्रतिमा के सामने मनाया जन्मदिन, भावुक होकर रो पड़े केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी । महकार गांव में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का जन्मदिन बेहद भावुक अंदाज में मनाया गया है। मांझी ने अपने माता-पिता की प्रतिमा के सामने केक काटकर जन्मदिन मनाया है। इस दौरान जब वे मीडिया से मुखातिब हुए तो माता-पिता को याद करते-करते उनकी आंखें नम हो गईं और वे भावुक होकर रो पड़े। मांझी ने कहा कि आज वे जिस मुकाम पर हैं, उसमें सबसे बड़ा योगदान उनके माता-पिता के आशीर्वाद का है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी से लेकर केंद्र में मंत्री बनने तक उन्होंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी, लेकिन यह सब माता-पिता के आशीर्वाद से संभव हुआ, वही जीतन राम मांझी ने एक एक फॉर्म हाउस मे एक पेड़ भी लगाया, साथ इस मौके पर उनके मंत्रिपुत्र संतोष सुमन उनकी बहू विधायक दीपा मांझी भी शामिल थे. मीडिया से बात करते हुए मांझी अचानक भावुक हो गए माता-पिता का जिक्र करते-करते उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मांझी ने कहा कि दुनिया में माता-पिता से बढ़कर किसी भी इंसान के लिए कोई दूसरा नहीं है। उन्होंने रामायण की पंक्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि माता-पिता को सबसे पहले प्रणाम करने की परंपरा इस बात को दशार्ती है कि माता-पिता का स्थान सबसे ऊपर है। उन्होंने अपने जीवन का मूल मंत्र भी बताया– मांझी ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कभी देवी-देवताओं को नहीं माना, बल्कि माता-पिता और कर्म को ही सबसे बड़ा माना है। ईमानदारी से कर्म करने वाला इंसान आगे बढ़ता है। मांझी ने कहा कि उन्होंने कभी मुख्यमंत्री बनने या भारत सरकार में मंत्री बनने का सपना तक नहीं देखा था। लेकिन माता-पिता का आशीर्वाद ऐसा मिला कि जिंदगी में वह सब हासिल हुआ, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि बीमारी के बाद उन्हें लगा कि अब जिंदगी का बहुत समय शायद बाकी नहीं है। इसी भाव के साथ वे अपने माता-पिता के चरणों में जन्मदिन मनाने पहुंचे हैं। माता-पिता की प्रतिमा के सामने मांझी ने अपने परिवार और परिजनों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित रहने का आशीर्वाद मांगा है।

सेवा ज्योति यात्रा को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने किया स्थल निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवक के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाली सेवा ज्योति यात्रा के तहत अरवल जिले में आगामी 7 अक्टूबर को बैदराबाद स्थित महुआबाग मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने महुआबाग मैदान पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया तथा आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र तिवारी ने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के विभिन्न वर्गों को विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ने का महत्वपूर्ण अभियान है। जिले के विभिन्न गांवों, वार्डों, मंडलों एवं विधानसभा क्षेत्रों से कार्यकर्ता एवं आमजन यात्रा में शामिल होकर निर्धारित स्थल पर पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा के समापन के पश्चात महुआबाग मैदान में जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय जी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान सेवा ज्योति मंच पर दीप प्रज्वलन, वरिष्ठ नेतृत्व का संबोधन, विकसित भारत 2047 का सामूहिक संकल्प तथा सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पितृ पक्ष में नवमी तिथि को पिंड तर्पण करने से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है

औरंगाबाद। जिले के बारुण प्रखंड के भोपतपुर पंचायत के सिरीश ग्राम के पास जीटी रोड पुल के पास पुनपुन नदी के पावन घाट पर पितृ पक्ष मेला के निमित्त नवमी तिथि का प्रथम पिंड तर्पण का कार्यक्रम श्रद्धापूर्वक संपादित किया गया। आयोजन समिति के संयोजक मुखिया प्रतिनिधि कमलेश कुमार सिंह के संयोजकत्व सभी स्वयंसेवक पिंडदानियों की सेवा में दिन रात लगे हुए हैं। तीर्थ पुरोहितों ने बताया कि नवमी तिथि के तर्पण से मातृ ऋण से मुक्ति मिलती है ।नवमी तर्पण को मातृ नवमी के नाम से जाना जाता है ।इस तिथि को जो भी दिवंगत,दादी,नानी माता होती हैं उनका श्राद्ध और तर्पण इस तिथि को करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है ।गया जी पिंड तर्पण के पूर्व प्रथम पिंड तर्पण देने का प्रावधान पुनपुन नदी के घाट पर सदियों से दिया जाता रहा है। आयोजकों ने बताया कि प्रतिदिन हजारों की संख्या में पिण्ड दानी इस घाट पर आ रहें हैं।

नगर निगम आयुक्त द्वारा अक्षयवट एवं सीताकुड किया निरीक्षण

गया जी। पितृपक्ष मेला 2026 के नवम दिवस पर अक्षयवट घाट, सीताकुंड एवं देव घाट का निरीक्षण कर स्वच्छता, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। नगर आयुक्त ने बताया कि डॉ. गगन सर ने बताया कि बढ़ती श्रद्धालु संख्या को देखते हुए घाटों पर फिसलन दूर करने और साफ-सफाई का कार्य जारी है। नो प्लास्टिक जोन के प्रति भी श्रद्धालुओं एवं दुकानदारों को जागरूक किया जा रहा है। वही प्राप्त शिकायतों का त्वरित निवारण किया गया है।

साफ सफाई के प्रति जागरूक रहकर नवरात्रि के मौके पर लोगों को संदेश देगी नीलू

ओबरा (औरंगाबाद)। मुख्यालय के पूर्व जिला पार्षद नीलू देवी सुर्खियों मे है। वे ओबरा प्रखंड मुख्यालय विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर अभिभावकों छात्रों एवम अन्य लोगों को स्वच्छता के प्रति सजग कर रही है। वे साफ सफाई के प्रति सजग रहने को संकल्प अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रही है। पूर्व जिला पार्षद नीलू देवी ने कहा कि, स्वच्छता से ही समाज का बदलाव होगा। जिसके कारण साफ सफाई जीवन के अनमोल अंग है। साफ सफाई से ही लोग स्वस्थ एवम निरोग रहेंगे। जिसके प्रति सरकार भी सजग है। और हम सबों का दायित्व भी बनता है। आस पास टोले मुहल्ले मे सफाई के प्रति सजग रहकर लोगों को जागरूक करे। तभी स्वच्छता से समाज सुंदर दिखेगा। बताया कि वर्तमान मे नवरात्रि पर्व ही प्रारंभ है। पर्व में माहौल भक्तिमय होगा। वैसे स्तिथि मे गांव मोहल्लों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करे और भक्तिमय माहौल मे मां देवी की आराधना करे। कहा कि किसी भी प्रकार का पूजा या यज्ञ की वह हमारी भारतीय सभ्यता संस्कृति की अनुकूल है और इसे बचाने के लिए हमारी सभ्यता संस्कृति को बचाने होगा। नवरात्र भी हमारी भारतीय संस्कृति का पवित्र अनुष्ठान है। जो आध्यात्मिक दृष्टि से पर्यावरण शुद्ध होता है।

देव सूर्य मंदिर में आश्विन माह के दूसरे रविवार उमड़ी हजारों श्रद्धालुओं की भीड़

औरंगाबाद। जिले के त्रेतायुगीन पौराणिक सूर्य मंदिर में आश्विन माह के दूसरे रविवार को भगवान सूर्य के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान का दर्शन किया। हालांकि, कड़ी धूप होने से उमस भरी गर्मी में श्रद्धालुओं को कठिनाई हुई। सूर्य मंदिर न्यास समिति के अनुसार, हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कतारबद्ध होकर श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा की। भगवान सूर्य के जयघोष से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की तैनाती की गई थी, जिसमें पुरुष एवं महिला सिपाही सुरक्षा में मुस्तैद रहे। न्यास समिति के सचिव विश्वजीत राय, कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह और सदस्य योगेंद्र सिंह ने बताया कि देव सूर्य मंदिर पौराणिक है तथा इसे संजोकर रखना हम सभी का कर्तव्य है।

सन ऑफ चंद्रवंशी संगठन के बैनर तले नेताओं ने दिखाई अपनी एकजुटता

कुर्था। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र स्थित फौजी रेस्टोरेंट राणानगर में रविवार को सन ऑफ चंद्रवंशी संगठन के बैनर तले चंद्रवंशी समाज के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की बैठक की अध्यक्षता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जयराम चंद्रबंशी ने की जबकि संचालन रौशन चंद्रबंशी द्वारा की गई . उक्त बैठक में समाज की एकजुटता, राजनीतिक भागीदारी और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई.इस दौरान नेताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए सत्ता में उचित भागीदारी को लेकर जमकर हुंकार भरी.कार्यक्रम में सन ऑफ चंद्रवंशी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश चंद्रवंशी तथा प्रदेश अध्यक्ष जयराम चंद्रवंशी सहित समाज के कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे. वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्तर पर मजबूत भागीदारी जरूरी है. इसके लिए समाज के लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने की आवश्यकता है.राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश चंद्रवंशी ने कहा कि संगठन का उद्देश्य चंद्रवंशी समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर उनके अधिकारों एवं सम्मान की लड़ाई को मजबूत करना है. उन्होंने कहा कि समाज की आबादी के अनुरूप राजनीतिक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इसके लिए संगठन लगातार आवाज उठाता रहेगा. प्रदेश अध्यक्ष जयराम चंद्रवंशी ने कहा कि समाज के युवाओं को संगठन से जोड़ने के साथ-साथ शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा. उन्होंने कार्यकताओं से पंचायत से लेकर प्रखंड और जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित लोगों ने समाज की एकजुटता बनाए रखने तथा संगठन के कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया. इस अवसर पर शैलेश चंद्रवंशी. मनोज चंद्रवंशी. रोशन चंद्रवंशी. नागेंद्र चंद्रवंशी समेत बड़ी संख्या में चंद्रवंशी समाज के लोग एवं संगठन से जुड़े कार्यकर्ता मौजूद रहे.

प्रगति-50 में गया जी को शामिल होना गर्व की बात : मेयर

- मेयर ने कहा स्वच्छता व्यवस्था को और किया जाएगा बेहतर
- पिंडदानियों की सेवा में जुटे है रात-दिन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। को स्वच्छता के क्षेत्र में एक और बड़ी पहचान मिली है। केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश के 50 चुने गए शहरों के प्रगति-50 कार्यक्रम में गया जी को शामिल किया है। यह गया जी के लोगों के लिए गर्व की बात है। उक्त बातें मेयर डा वीरेन्द्र कुमार उर्फ गणेश पासवान ने कहा। उन्होंने कहा कि निगम की ओर से स्वच्छता को लेकर किये जा रहे लगातार प्रयास का ही परिणाम है कि चुनिंदा देश के 50 शहरों में पटना के बाद गया जी शामिल है। इसके तहत गया जी को स्वच्छता के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा। स्वच्छता पर रहेगा विशेष जोर उन्होंने कहा कि गया जी लगातार पिछले तीन सालों से राज्य में स्वच्छता में नंबर वन आ रहा है। इसके पीछे सशक्त स्थायी समिति सदस्य मोहन श्रीवास्तव व अन्य पार्षद के साथ कुशल प्रशासक के रूप में रहे नगर आयुक्त व सफाईकर्मी को विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि निगम की ओर से सफाई, कचरा प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं को और बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। लोगों के साथ मिलकर जन अभियान का दिया जायेगा रूप वही सशक्त स्थायी समिति सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि स्थानीय स्तर पर किए जा रहे अभिनव प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही लोगों की भागीदारी बढ़ाकर स्वच्छता को जनअभियान का रूप देने की तैयारी है। शहरों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोग किए गए जल के प्रबंधन और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को प्रभावी बनाने पर जोर रहेगा। पिंडदानियों की सेवा सौभाग्य की बात दिन भर मेला क्षेत्र का निरीक्षण के बाद गांधी मैदान टेंट सिटी में ठहरे पिंडदानियों को मेयर, पूर्व डिप्टी मेयर सह सशक्त स्थायी समिति सदस्य मोहन श्रीवास्तव व नगर आयुक्त डा गगन भोजन परोसते नजर आये। इस दौरान लोगों ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है।

गया से पटना जाने वाली ट्रेन में स्वच्छता एवं नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

गया जी। गया से पटना जाने वाली ट्रेन में स्वच्छता एवं नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया है। इस दौरान स्वयंसेवकों ने यात्रियों को बताया कि अक्सर यात्री ट्रेन में खाना खाने के बाद कचरा, पानी की बोतल, गुटखा-खैनी के पाउच वहीं फेंक देते हैं, जिससे पूरी बोगी गंदी हो जाती है। स्वयंसेवकों ने यात्रियों से मुख्य रूप से ये अपील की स्वच्छता के लिए अपना कचरा डस्टबिन में ही डालें, ट्रेन को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें और एक-दूसरे की मदद करें। सरकार अपना काम कर रही है, सुधार की शुरूआत हमें खुद से करनी होगी, ताकि हमारा भारत स्वच्छ और विकसित बन सके। नशा मुक्ति के लिए ट्रेन और स्टेशन परिसर में बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, पान, शराब जैसे नशीले पदार्थों का सेवन न करें। नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और इससे सार्वजनिक जगहों पर गंदगी भी फैलती है। नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ समाज की पहचान है। स्वयंसेवकों ने कहा कि आपकी एक छोटी सी लापरवाही से आने-जाने वाले हजारों यात्रियों को परेशानी होती है और बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के मन में बिहार की गलत छवि बनती है। यह पूरा कार्यक्रम एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्रा के आदेश अनुसार यह कार्यक्रम को चलाया गया जिसमें गया कॉलेज में तैनात सभी स्वयंसेवक शामिल रहे हैं।

सीयूएसबी का पांचवा दीक्षांत समारोह 12 अक्टूबर 2026 को, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। नैक से ए ++ (प्लस-प्लस) ग्रेड प्राप्त एवं यूजीसी कैटेगरी - 01 (वन) दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री एवं मेडल प्रदान करने के लिए आगामी 12 अक्टूबर, 2026 (सोमवार) को अपने परिसर में पांचवा दीक्षांत समारोह आयोजित करने जा रहा है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले भव्य समारोह में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह की शोभा बढ़ाएंगे । प्रो. के. एन. सिंह ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की उपस्थिति को लेकर समस्त विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष व उल्लास का माहौल है` दीक्षांत समारोह में टॉपर्स को डिग्री के साथ मेडल दिए जाएंगे जिनमें चांसलर गोल्ड मेडल, स्कूल गोल्ड मेडल, डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल आदि शामिल हैं। सीयूएसबी के जन संपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि परीक्षा नियंत्रक डॉ. शांतिगोपाल पाईन द्वारा विश्वविद्यालय के पांचवे दीक्षांत समारोह के संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि दीक्षांत समारोह अकादमिक वर्ष 2023 एवं 2024 में उत्तीर्ण छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने उपरोक्त अवधि के दौरान अंडर ग्रेजुएट यूजी पोस्ट ग्रेजुएट पीजी पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा और पीएचडी में उत्तीर्ण किया है, उनको सूचित किया जाता है कि वे सीयूएसबी की वेबसाइट www.cusb.ac.in पर 07.10.2026 (बुधवार) तक दीक्षांत पंजीकरण लिंक http://cusb.samarth.edu.in/convocation के माध्यम से खुद को पंजीकृत करें। इसके लिए दीक्षांत समारोह शुल्क के रूप में रु. 500/- गैर-वापसीयोग्य की राशि का ऑनलाइन भुगतान करना आवश्यक है। पोशाक पगड़ी और अंगवस्त्र के लिए रु. 500/- वापसीयोग्य की राशि का भुगतान करना होगा जो पोशाक वापस करने पर वापस कर दिया जाएगा। पोशाक 11अक्टूबर, 2026 को सुबह 10:00 बजे से शाम 05:00 बजे के बीच विश्वविद्यालय परिसर में वितरित की जाएंगी। दीक्षांत समारोह में भाग लेने के लिए और पोशाक प्राप्त करने के लिए पंजीकृत सभी उम्मीदवारों को दीक्षांत समारोह शुल्क की रसीद, पहचान प्रमाण, आधार कार्ड की एक प्रति के साथ-साथ अंतिम सेमेस्टर ग्रेड रिपोर्ट ,संचयी ग्रेड रिपोर्ट , अंतिम डिग्री प्रमाण पत्र, उन्हें जारी किए गए प्रवासन प्रमाण पत्र की एक प्रति जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया परीक्षा नियंत्रक (सीओई) के निजी सचिव (पीएस) से 0631-2229512/222951 पर संपर्क करें और convocation@cusb.ac.in पर ईमेल करें।

स्वयंसेवकों ने सीताकुंड परिसर एवं श्री विष्णुपद परिसर साफ-सफाई की तथा पिंडदानियों की सहायता की

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की एनएसएस स्वयंसेवकों ने प्रभारी प्रधानाचार्य प्रो. सहदेब बाउरी के संरक्षण में एवं एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी की देखरेख में सेवा, सहयोग एवं स्वच्छता अभियान के तहत पितृपक्ष मेला महासंगम परिसर में जाकर श्रमदान किया है। स्वच्छता अभियान में डॉ रश्मि तथा एनएसएस स्वयंसेवक संचिता कुमारी, आशु कुमारी भारती, पायल कुमारी, कसक कुमारी, कशिश कुमारी, संजना कुमारी, खुशी कुमारी, मुस्कान कुमारी, प्राची कुमारी, प्रिया कुमारी, साक्षी प्रिया, श्रुति कुमारी, आराध्या शर्मा, अंजली कुमारी एवं गुड़िया कुमारी ने सेवा-भक्ति भाव के साथ सीताकुंड परिसर एवं श्री विष्णुपद मंदिर परिसर से पत्तल, प्लास्टिक रैपर्स, पानी के बोतल, सड़े-गले फूल, माला, प्लेट्स, दोने आदि के टुकड़ों एवं अन्य कचरों को चुना है। झाड़ू लगाकर सीता कुंड मंदिर परिसर की साफ-सफाई की है। स्वयंसेवकों ने गया जी आए कुछ पिंडदानियों को उनके गन्तव्य स्थान तक पहुंचाने तथा उनके सामान को भी उठाने में मदद की है। सभी ने अंतःसलिला फल्गु नदी की पावन लहरों का दृश्यावलोकन किया है। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ रश्मि प्रियदर्शनी ने बताया कि एनएसएस स्वयंसेवकों ने पितृपक्ष मेला महासंगम स्थल पर जाकर वहाँ पर चल रही धार्मिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों, पूजा-अर्चना की पद्धतियों को भी देखा तथा समझा है। छात्राओं ने फल्गु नदी पर बने रबर डैम को भी देखा है। फर्स्ट सेमेस्टर की कुछ एनएसएस स्वयंसेवक पहली बार सीताकुंड एवं रबर डैम को देखने का अवसर पाने पर काफी आह्लादित दिखीं। सभी एनएसएस स्वयंसेवकों को अपनी स्मृतियों के आधार पर अपने अनुभवों एवं अनुभूतियों के अनुरूप प्रतिवेदन लिखकर जमा करने का भी निर्देश दिया गया है। सेवा, सहयोग एवं स्वच्छता का यह अभियान एक यादगार लघु सांस्कृतिक व धार्मिक परिभ्रमण जैसा भी रहा है।

एसडीपीओ ने किया कुर्था थाना का निरीक्षण

कुर्था। अरवल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय ने रविवार को कुर्था थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेखों एवं पुलिस पदाधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली. इस मौके पर कुर्था थानाध्यक्ष चंदन कुमार झा ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार संजय का फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया.निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने थाना में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अनुसंधान की प्रगति के संबंध में पुलिस पदाधिकारियों से जानकारी प्राप्त की.उन्होंने विभिन्न कांडों में फरार आरोपितों की गिरफ्तारी, वारंट एवं न्यायालय से संबंधित मामलों के निष्पादन तथा लंबित मामलों का समय पर निष्पादन करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.एसडीपीओ ने थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर भी पुलिस अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा. उन्होंने नियमित गश्ती करने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने तथा आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया। साथ ही त्योहारों एवं अन्य आयोजनों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा आम लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है. किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.थानाध्यक्ष चंदन कुमार झा ने एसडीपीओ को थाना क्षेत्र की वर्तमान स्थिति एवं पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई से अवगत कराया। निरीक्षण के दौरान थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित रहे.

एसडीपीओ ने किया कुर्था के स्वर्ण व्यवसायियों के साथ बैठक

कुर्था। स्थानीय बाजार में लगातार स्वर्ण व्यवसायियों की दुकानों को निशाना बनाकर हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर रविवार को अरवल एसडीपीओ कुमार संजय ने कुर्था के स्वर्ण व्यवसायियों के साथ बैठक की. बैठक में कुर्था थानाध्यक्ष चंदन कुमार झा समेत बड़ी संख्या में स्वर्ण व्यवसायी मौजूद रहे. इस दौरान एसडीपीओ ने व्यवसायियों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की.एसडीपीओ कुमार संजय ने कहा कि स्वर्ण व्यवसायी अपनी दुकानों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतें. दुकान के अंदर और बाहर उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाएं तथा कैमरों की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखें, ताकि किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में पुलिस को जांच में मदद मिल सके.उन्होंने दुकानों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रखने और रात के समय दुकान बंद करने के बाद आसपास की गतिविधियों पर भी नजर रखने की सलाह दी.उन्होंने व्यवसायियों से कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें. सोने-चांदी के आभूषणों के साथ बड़ी मात्रा में नकदी रखने से भी बचने की सलाह दी गई.इसके अलावा दुकान खोलने और बंद करने के समय विशेष सावधानी बरतने तथा आने-जाने के दौरान सतर्क रहने को कहा गया.बैठक में स्वर्ण व्यवसायियों ने बाजार में पुलिस गश्ती बढ़ाने, खासकर रात के समय नियमित पेट्रोलिंग कराने की मांग

स्वच्छता और सेवा भाव से ही सशक्त एवं स्वस्थ समाज का निर्माण : डॉ. प्रेम कुमार

गया। अध्यक्ष, बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को गयाजी टाउन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ब्राह्मणी घाट पर ॒सेवा संकल्प अभियान॒ के तहत भारतीय जनता पार्टी, गया जिला पूर्वी द्वारा आयोजित स्वच्छता अभियान में शामिल होकर स्वच्छता कर्मियों एवं कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया है। इस अवसर पर उन्होंने आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का भी निरीक्षण किया तथा लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के इस प्रयास की सराहना की है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी स्थान को साफ रखने का अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प है। धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण गयाजी के घाटों की स्वच्छता और सुंदरता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से निरंतर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्य भारतीय संस्कृति और भाजपा के कार्यकर्ताओं की कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर जैसे आयोजन समाज के प्रति संवेदनशीलता और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आम लोगों से स्वच्छता को अपनी दैनिक आदत का हिस्सा बनाने तथा सार्वजनिक स्थलों और धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करने की अपील की है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गयाजी में आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों तथा आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों एवं कार्यकर्ताओं ने भी स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। इस अवसर पर संतोष सिंह, सुरेंद्र यादव, धीरेंद्र धीरू, अशोक साहनी, दीपक पाण्डेय, सरयू रजक, संजय चंद्रवंशी, निशांत कुमार, शिवा मांझी, डॉ. अखिलेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे हैं।

पिंडदानियों की सुविधाओं का डॉ. प्रेम कुमार ने लिया जायजा

गया। अध्यक्ष बिहार विधानसभा डॉ. प्रेम कुमार ने रविवार को गयाजी टाउन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न आवासन स्थलों का भ्रमण कर पितृपक्ष मेला में देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से आए पिंडदानियों एवं श्रद्धालुओं से मुलाकात की है। उन्होंने श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनके हालचाल एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने गया कॉलेज, हरिदास सेमिनरी तथा जिला स्कूल गया स्थित सुजाता छात्रावास में ठहरे पिंडदानियों से संवाद किया है। उन्होंने आवासन, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। श्रद्धालुओं से सीधे बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक सहयोग एवं बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। रामशिला का भ्रमण किया साथ ही चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं बिहार ट्रेड एसोशिएशन द्वारा लगाए गए निशुल्क शिविर का भ्रमण किया उसी क्रम में बिहार सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी जी ने पितृ पक्ष मेला की सराहना करते हुए पिंडदानियों के सेवा के लिए आमजनों से अपील की है ।इस दौरान आवासन स्थलों पर ठहरे उत्तर प्रदेश, नेपाल सहित विभिन्न राज्यों से आए पिंडदानियों एवं श्रद्धालुओं ने जिला प्रशासन एवं बिहार सरकार द्वारा पितृपक्ष मेला के दौरान उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। श्रद्धालुओं ने कहा कि आवासन, भोजन, पेयजल, स्वच्छता, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं से उन्हें काफी सुविधा मिल रही है ।डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि ॒पितृपक्ष में गयाजी आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु हमारे लिए अतिथि देवो भव की भावना के अनुरूप सम्मानित अतिथि हैं। उनकी सुविधा, सम्मान और सुगम व्यवस्था हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला प्रशासन एवं सरकार द्वारा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आने वाले पिंडदानी श्रद्धा और विश्वास के साथ गयाजी पहुंचते हैं। ऐसे में उनका बेहतर स्वागत, सुगम आवासन, स्वच्छ भोजन, पेयजल, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है।

38 वर्ष पुरानी साहित्यिक संस्था साहित्य कुंज का पुनर्गठन किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के समाहरणालय के समीप अवस्थित डॉ श्री कृष्ण सिंह स्मृति भवन के प्रांगण में औरंगाबाद जिले की 38 वर्ष पुरानी साहित्यिक संस्था साहित्य कुंज का पुनर्गठन किया गया ।समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा की अध्यक्षता में एवं पूर्व प्राचार्य डॉ विनोद कुमार सिंह के संयोजकत्व में पुनर्गठन का कार्य सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया। संचालन की जिम्मेवारी श्रीराम राय ने निभाई ।सदस्यों ने आपसी विचार समन्वय किया एवं दोनों सत्र में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में पुनर्गठन के क्रम में श्रीराम राय को कार्यकारी अध्यक्ष, सुरेश विद्यार्थी को सचिव, अविनाश कुमार को संगठन प्रभारी,ओम प्रकाश पांडेय एवं कालिका प्रसाद सिंह को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी समिति में संतोष कुमार गौतम एवं राकेश कुमार देवता को रखा गया। कार्यकारिणी समिति में 21 सदस्यों को सदस्य मनोनीत किया जाएगा। संस्था के केंद्रीय महासचिव अरविंद अकेला ने बताया कि अगली बैठक में संस्था का और विस्तार किया जाएगा। दूसरे सत्र में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया ।कवि धनंजय जयपुरी ने छंदबद्ध कविता का पाठ किया ।कवि विनय मामूली बुद्धि के हास्य व्यंग्य कविता पर लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए। ओमप्रकाश पांडेय की कविता ने सबको भाव विभोर कर दिया ।अवध किशोर मिश्रा की कविता को काफी सराहा गया ।अनुज बेचैन,नागेंद्र केसरी,जनार्दन मिश्र जलज,अविनाश कुमार, राजेंद्र यादव ने अपनी काव्य प्रस्तुति से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया ।अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ सुरेन्द्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि साहित्यिक सेवा एक ऐसी साधना है जो जीवन को लोकरंजक और बौद्धिक बनाती है। समाजसेवी नीलमणि जी के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

इनर व्हील क्लब ऑफ बोधगया द्वारा इस वर्ष भी पितृपक्ष मेला में का लगा स्टाल

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। विगत 9 वर्षों से पिण्डदानियों की सेवा में तत्पर इनर व्हील क्लब ऑफ बोधगया द्वारा द्वारा इस वर्ष भी पितृपक्ष मेला में चाय -बिस्किट का स्टॉल लगाकर क्लब की सदस्यों ने खुद पूरे सम्मान-सत्कार और आदर - भाव से सेवा में जुटी हैं और चाय -बिस्किट वितरित कर रही हैं ।क्लब की पदाधिकारी वीणा पाठक एवं हर्षा सिन्हा ने बताया की पिण्डदानियों की सेवा कर एक अलग प्रकार की सुखद अनुभूति महसूस करती हूँ ।पिण्डदानियों ने भी बताया की इन महिलाओं की सेवा के लिए विशेष धन्यवाद.बीटीएमसी बोधगया ऑफिस के समीप क्लब की जिन महिला सदस्यों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनमें प्रमुख थी। सुषमा प्रसाद, रीमा देवी, आशा चौहान, प्रेमशीला मेहता, रेनू सिन्हा, सियाजी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026
देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलान्तर्गत संचालित सभी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा करते हुए निदेश दिया गया कि सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अपने प्रखंडाधीन विद्यालयों में संचालित सभी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का नियमित अनुश्रवण करेंगे तथा विद्यालयों में उपलब्ध कराये गये सामग्रियों का समुचित उपयोग सुनिश्चित कराएंगे। साथ ही विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाय। विद्यालय निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करना है, अतएव सुधारात्मक दृष्टिकोण से विद्यालय निरीक्षण किया जाय।

विद्यालय में कक्षा संचालन हेतु समय-सारणी का उपयोग किया जाय, जिसकी जानकारी छात्र-छात्राओं को भी हो। शिक्षक पाठ टीका का नियमित संधारण करें। बच्चों का मूल्यांकन किया जाय तथा मूल्यांकन परिणाम के आधार पर कक्षा संचालन की रणनीति निर्धारित की जाय। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में बच्चों के साथ बैठकर मध्याहन भोजन करने का निदेश सभी पदाधिकरियों को दिया गया। विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, आई०सी०टी० लैब, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, खेल सामग्री, आदि का नियमित उपयोग कराया जाय तथा नोट कैम से फोटो लेकर भेजना सुनिश्चित किया जाय। विद्यालयों में कराये जाने वाले असैनिक कार्य/ निर्माण कार्यों को निरीक्षण कर प्रगति प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया। साथ ही निदेश दिया गया कि सभी असैनिक कार्यों में कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाय। सभी अभियंताओं को निदेश दिया गया कि नियमित विद्यालयों में कराये जा रहे निर्माण कार्यों की अनुश्रवण करें तथा कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित कराएं।

जिलाधिकारी ने कार्यालय कक्ष में जनता की शिकायतों को सुना

प्रात: किरण संवाददाता

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव के द्वारा संध्या 5:00 बजे से अपने कार्यालय कक्ष आम जनता की शिकायतों को सुना गया। इस दौरान जिला के सभी अंचल अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। जनसुनवाई के कार्यक्रम में कुल 12 लोगों ने अपना आवेदन डीएम के समक्ष रखा जिसमें पांच मामले भूमि विवाद से संबंधित थे पहाड़पुर अंचल के श्रीम नारायण सिंह ने बताया कि उनके दस्तावेजी जमीन को द्वितीय पक्ष एवं तृतीय पक्ष के द्वारा अवैध रूप से हड़पने की कोशिश की जा रही है। इसके संबंध में अंचल अधिकारी को उन्होंने सारे प्रतिवेदन के साथ आवेदन देने की बात कही। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा अंचल अधिकारी पहाड़पुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात की गई एवं उनके आवेदन पर समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। श्रीनारायण सिंह, ग्राम चंपानगर, अंचल पताही के द्वारा बताया गया कि उनके पूर्वजों द्वारा 1963 में खतियानी और दस्तावेजी जमीन से सभी फरकैन के बीच आपसी सहमति से बंटवारा करने के बाद उनको संपत्ति से बेदखल करने की साजिश की जा रही है। इसके संबंध में उनके द्वारा पूरा डिटेल आवेदन समर्पित किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा अंचल अधिकारी पताही को निर्देश दिया गया कि कल ही नारायण सिंह अंचल कार्यालय जाएंगे उनके आवेदन को अच्छी तरह से समझ कर उस पर उचित कार्रवाई की जाए। मोतिहारी अंचल के बड़ा बरियारपुर के परमा प्रसाद यादव के द्वारा बताया गया कि शहर के चर्चित भूमाफियाओं ने 103 वर्ष पुराने मूल खतियान के आधार पर अवैध एग्रीमेंट करा लिए हैं। मेरे द्वारा मेरे जमीन पर निर्माण कार्य करने को जबरन रोका जा रहा है। इसको लेकर थाना प्रभारी से शिकायत करने पर भी उनके द्वारा सहयोग नहीं किया जा रहा है। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा अंचल अधिकारी मोतिहारी को उनके आवेदन को ट्रांसफर किया गया एवं निदेश दिया गया कि स्थलीय जांच कर इस पर उचित कार्रवाई करें। चकिया अंचल के ग्राम बलोचक के तबरेज आलम के द्वारा अतिक्रमण वाद संख्या 11/2026-27 की जांच करवाकर समस्त ग्राम वासियों को राहत देने के संबंध में जिलाधिकारी को आवेदन समर्पित किया गया। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा अंचल अधिकारी चकिया से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बात कर जरूरी निर्देश के साथ उनके आवेदन को ट्रांसफर किया गया मुफस्सिल थाना मोतिहारी बड़ा टोला के शिवकुमार के द्वारा बताया गया कि सरकारी जमीन को दबंग व्यक्ति द्वारा कब्जा कर घर निर्माण की सामग्री एकत्र किया गया है। ग्रामीणों के द्वारा इस पर विरोध किया गया जिस पर उन्होंने हथियार के बल पर हत्या करने की धमकी दी है। उनके आवेदन को अंचल अधिकारी मोतिहारी को भेजते हुए जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

लोडेड देशी कट्टा के साथ बाइक सवार युवक गिरफ्तार

संग्रामपुर। गुप्त सूचना के आधार पर संग्रामपुर पुलिस ने सीहोरवा कररिया के समीप शनिवार की देर रात्री छापेमारी कर एक बाइक सवार युवक को लोडेड देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान सुगौली थाना क्षेत्र के गिद्दा गांव निवासी सुदामा महतो के पुत्र रोहित कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ा गया। उसके पास से एक लोडेड देशी कट्टा और बाइक बरामद कर जब्त कर ली गई है। पुलिस गिरफ्तार युवक से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के आधार पर अन्य संभावित ठिकानों पर भी छापेमारी की जाएगी। साथ ही युवक का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाएगा। छापेमारी टीम में दरोगा अजीत कुमार पंडित सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

गांधी जयंती पर 68 वर्षीय बंदी रामजी साह कारा से हुए मुक्त

बेतिया।गांधी जयंती के अवसर पर बिहार सरकार के निर्देश पर जिला पदाधिकारी पश्चिम चंपारण, बेतिया की अध्यक्षता में गठित समिति की अनुशंसा पर मंडल कारा, बेतिया में बंद 68 वर्षीय बंदी रामजी साह पे. स्व. नथुनी साह को कारामुक्त किया गया। रामजी साह शिकारपुर थाना कांड संख्या 375/22 एवं एसटीर नंबर 982/22 में सजा काट रहे थे। न्यायालय द्वारा उन्हें सात वर्ष की सजा सुनाई गई थी। इसमें उन्होंने चार वर्ष चार माह आठ दिन की सजा पूरी कर ली थी। कारा में बंदी के रूप में उनके अच्छे आचरण एवं व्यवहार को देखते हुए कारामुक्ति की अनुशंसा सरकार को भेजी गई थी। बिहार सरकार के आदेश के बाद शुक्रवार, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर उन्हें मंडल कारा बेतिया से मुक्त किया गया। रिहाई के अवसर पर रामजी साह के परिजन कारा पहुंचे और उन्हें अपने साथ घर ले गए। परिजनों में खुशी का माहौल रहा। वहीं, कारा के अन्य बंदियों पर भी इस सकारात्मक पहल का प्रभाव पड़ा है। जिला प्रशासन एवं कारा प्रबंधन की ओर से बताया गया कि महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर 68 वर्षीय बंदी को सजा में माफी देकर कारामुक्त किया जाना संवेदनशील एवं प्रगतिशील पहल है। यह कदम गांधी जी के विचारों एवं सिद्धांतों के अनुरूप मानवता, सुधार और पुनर्वास की भावना को बढ़ावा देता है।

बाढ़ प्रभावित इंडो-नेपाल सीमाई क्षेत्र चकदहवा में पहुंचा स्वास्थ्य शिविर

बगहा। बाढ़ प्रभावित इंडो-नेपाल सीमाई क्षेत्र चकदहवा में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य शिविर लगाया गया है। पिछले दो दिनों से चल रहे इस शिविर में बाढ़ प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है और जरूरत के अनुसार उन्हें निःशुल्क दवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब इलाके में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों के स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। साथ ही प्रभावित इलाकों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी कराया जा रहा है, ताकि संक्रमण और महामारी के खतरे को कम किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों को साफ-सफाई रखने, दूषित पानी से बचने और किसी भी तरह की बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की सलाह दे रही है। बाढ़ के बाद स्वास्थ्य संबंधी संभावित समस्याओं को देखते हुए शिविर के माध्यम से प्रभावित लोगों को उपचार और जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। चाहें तो मैं इसे टीवी न्यूज एंकर की स्क्रिप्ट या दमदार हेडलाइन और 5-6 लाइन की शॉर्ट खबर के रूप में भी बना सकता हूँ।

संग्रामपुर बाढ़ के पानी जैसे हालात से उभरने पर प्रशासन जनप्रतिनिधि आम जनता और मिडिया की रही अहम भूमिका

संग्रामपुरः बाढ़ जैसी आपदा के कठिन दौर में सामूहिक आपसी सहयोग और सेवा-भावना की बदौलत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से उबरने में सफलता मिली। इसको लेकर संग्रामपुर के अंचल अधिकारी सुमित कुमार राज ने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, जनप्रतिनिधियों, आम नागरिकों एवं मीडिया के साथियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। अंचल अधिकारी ने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासनिक पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से मेहनत के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। और जनप्रतिनिधियों के सक्रिय सहयोग से, आम जनता के धैर्य एवं सहभागिता और मीडिया के सकारात्मक व जिम्मेदार योगदान ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आपदा के दौरान प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि एकजुटता, आपसी सहयोग और सेवा-भावना ही किसी भी बड़ी चुनौती का सामना करने की सबसे बड़ी ताकत है। अंचल अधिकारी ने इस कठिन परिस्थिति में एक साथ खड़े होकर सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें हार्दिक बधाई.

पुरुषोत्तमपुर,सागरौवा रेलवे ढाला के पास ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, जेब से मिला सीतामढ़ी-अंबाला का टिकट व एटीएम कार्ड

मैनाटांड ।पुरुषोत्तमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सागरौवा रेलवे ढाला के समीप ट्रेन से गिरकर करीब 30 वर्षीय एक अज्ञात युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। तलाशी के दौरान मृतक की जेब में रखे पर्स से सीतामढ़ी से अंबाला कैंट का एक रेल टिकट और एक एटीएम कार्ड बरामद हुआ है। एटीएम कार्ड पर अंकुर पांडे नाम दर्ज है, जिसके आधार पर उसकी शिनाख्त की कोशिश की जा रही है। पुलिस द्वारा मामले में विधिसम्मत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है तथा परिजनों का पता लगाने का प्रयास जारी है।

खामिया में एसएसबी ने लगाया स्वास्थ्य शिविर, 267 ग्रामीणों की हुई जांच

मैनाटांड़। सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति के बीच ग्रामीणों के स्वास्थ्य को लेकर 47वीं वाहिनी एसएसबी ने रविवार को मैनाटांड़ प्रखंड के खामिया गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। कमांडेंट (मेडिकल) डॉ. निशि कान्त ने शिविर में कुल 267 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। इनमें 110 पुरुष, 80 महिलाएं और 77 बच्चे शामिल रहे। जांच के बाद जरूरत के अनुसार मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सा शिविर में ब्लड प्रेशर, मधुमेह, चर्म रोग, सर्दी-खांसी, बुखार, आंखों की समस्या और शरीर में दर्द सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की गई। चिकित्सकीय टीम ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियां भी बताईं। दूषित पानी से होने वाली बीमारियों से बचाव की दी जानकारी बारिश और बाढ़ के कारण सीमावर्ती इलाकों में दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की आशंका को देखते हुए ग्रामीणों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। उन्हें साफ पानी पीने, पानी को उबालकर इस्तेमाल करने और आसपास स्वच्छता बनाए रखने समेत संक्रमण से बचाव के उपाय बताए गए। शिविर के दौरान असिस्टेंट कमांडेंट अंकित कुमार, एसएसबी के जवान और खामिया के उपमुखिया आनंद मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे। डॉ. निशि कान्त ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एसएसबी की ओर से नियमित रूप से इस तरह के चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की।

सक्रिय पुलिसिंग के तहत सारण पुलिस की बड़ी कार्रवाई

छपरा सदर। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार के निर्देशन में सारण जिलान्तर्गत अपराध के मुख्य शीर्षों में वांछित एवं फिरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर दाउदपुर थाना पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर दाउदपुर थाना कांड संख्या-172/26, दिनांक-07.06.26, धारा-4/6 पोक्सो एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त धनु महतो, पिता-स्व० अच्छेलाल महतो, साकिन-माने, थाना-एकमा, जिला-सारण को गिरफ्तार किया गया है।

दुर्गा पूजा पंडाल का अग्निशमन विभाग ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी के अनुमंडल अग्निशमालय, मोतिहारी अंतर्गत पिपराकोठी में बन रहे भव्य दुर्गा पूजा पंडाल का आज शनिवार को जिला अग्निशमन पदाधिकारी, मोतिहारी मो० आरिफुज्जमा के द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंडाल में अग्नि सुरक्षा के उपायों, विद्युत व्यवस्था, पंडाल की मजबूती एवं आपातकालीन निकास द्वार (ऋ्ष्ठी ए७३) की गहनता से जाँच की। उन्होंने पूजा समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि पंडाल में दो अलग-अलग चौड़े निकास द्वार रखे जाएं, पर्याप्त संख्या में अग्निशमन यंत्र एवं बालू भरी बाल्टियाँ रखी जाएं, बिजली के तारों में ओवरलोडिंग न हो और पंडाल के अंदर धूम्रपान पूरी तरह वर्जित रखा जाए। साथ ही बड़े पंडालों के लिए ऋ्ष्ठी ठडउ लेना अनिवार्य बताया गया। इस अवसर पर सहायक जिला अग्निशमन पदाधिकारी सुरेन्द्र सिंह सहित अग्निशमन विभाग के अन्य कर्मी एवं पूजा समिति के सदस्य मौजूद रहे। जिला अग्निशमन पदाधिकारी ने कहा कि त्योहार को सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए सभी पूजा समितियों को अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करना होगा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सर्पदंश पर 108 एंबुलेंस की मिलेगी मदद

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सांप काटने की घटनाओं को देखते हुए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। अब सर्पदंश की स्थिति में लोग 108 एंबुलेंस सेवा पर फोन कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकेंगे। सूचना मिलने पर एंबुलेंस मरीज के घर या घटनास्थल तक पहुंचकर आवश्यक प्राथमिक उपचार और उपलब्ध सर्पदंश संबंधी चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों से अपील की गई है कि सांप के काटने की स्थिति में घबराएं नहीं और बिना समय गंवाए 108 पर संपर्क करें। मरीज को झाड़-फूंक या घरेलू उपचार के बजाय जल्द से जल्द चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जरूरी है। आवश्यकता पड़ने पर एंबुलेंस के माध्यम से मरीज को अस्पताल भी पहुंचाया जाएगा। बाढ़ प्रभावित इलाकों में पानी भरने के कारण सांपों के आबादी वाले क्षेत्रों में आने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने अपील की है कि सर्पदंश और 108 एंबुलेंस से जुड़ी यह महत्वपूर्ण जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि आपात स्थिति में समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके।

बाढ़ राहत शिविरों में बच्चों के बीच फल और दूध किया गया वितरित

प्रात: किरण संवाददाता

पानापुर (सारण)। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में संचालित विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के बीच रविवार को समेकित बाल विकास सेवा परियोजना (आईसीडीएस) के सौजन्य से फल एवं दूध का वितरण किया गया ।सीडीपीओ सुधा कुमारी के नेतृत्व में आंगनबाड़ी केंद्रों में नामांकित बच्चों के साथ-साथ राहत शिविरों में शरण लिए छोटे बच्चों को भी सेब, केला एवं दूध उपलब्ध कराया गया। सीडीपीओ ने बताया कि बाढ़ की स्थिति में राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में परिवारों को सुरक्षित स्थानों एवं राहत शिविरों में रहना पड़ रहा है। ऐसे में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है। आंगनबाड़ी सेविकाओं को बच्चों की नियमित निगरानी करने तथा उनकी आवश्यकताओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है ।इस मौके पर एलएस प्रीति कुमारी, अणु कुमारी, नीलम कुमारी, सेविका आरती कुमारी, सुनीता देवी, किरण देवी सहित अन्य सेविका एवं सहायिका उपस्थित थी।

इनरवा बॉर्डर पर वाहनों की रोक के विरोध में नेपाली नागरिकों का प्रदर्शन

प्रात: किरण संवाददाता

मैनाटांड ।इनरवा बॉर्डर के नेपाली क्षेत्र में चारपहिया और तीनपहिया वाहनों के आवागमन पर रोक के विरोध में रविवार को नेपाली नागरिकों का आक्रोश फूट पड़ा। बड़ी संख्या में सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की और घंटों आवागमन ठप रखा ।प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि ठोरी और भिस्वा बॉर्डर की तर्ज पर इनरवा बॉर्डर से भी चारपहिया और तीनपहिया वाहनों का आवागमन बहाल किया जाना चाहिए। वाहनों के परिचालन पर रोक से सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को आवागमन और कारोबार में परेशानी हो रही है ।प्रदर्शनकारियों ने बॉर्डर पर छोटी भंसार की व्यवस्था शुरू करने की भी मांग उठाई। मांगों को लेकर प्रदर्शनकारियों ने बॉर्डर पर टेंट लगाकर धरना शुरू कर दिया। सड़क पर टायर जलाए जाने और प्रदर्शन के कारण काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा। इस दौरान सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बॉर्डर से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ठोरी और भिस्वा बॉर्डर से वाहनों के आवागमन की सुविधा उपलब्ध है, तो इनरवा बॉर्डर पर भी समान व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल पहल कर वाहनों का परिचालन बहाल करने और छोटी भंसार की व्यवस्था शुरू करने की मांग की। प्रदर्शन में कृष्णा साह, रूपेश कुमार, अब्दुहासन गद्दी, एबुलेंस गद्दी, विकास महतो, मुन्ना हवारी, लालबहादुर गद्दी, लालन साह और भरत सिंह समेत बड़ी संख्या में नेपाली नागरिक शामिल रहे।

दो दिवसीय सुगौली महोत्सव का भव्य समापन, मेडल और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित हुईं प्रतिभाएं

सुगौली नगर के विशुनपुरवां रोड स्थित राजा साह राम ज्योति देवी विवाह भवन में रविवार को दो दिवसीय सुगौली महोत्सव सह प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य समापन हुआ ।महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल,मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साह,उमंग और बच्चों की प्रतिभा का शानदार संगम देखने को मिला ।कार्यक्रम का उद्घाटन मछुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी,मोतिहारी सदर के एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह,रुद्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर नितेश,कार्यक्रम के संरक्षक और नगर उपमुख्य पार्षद प्रतिनिधि विकास शर्मा,डॉ. प्रमोद स्टीफन,भाजपा जिला उपाध्यक्ष सपना शर्मा,व्यवसायी संघ के अध्यक्ष अशोक गुप्ता और के-टू क्लासेज के निदेशक कनक केसरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया ।इस अवसर पर आयोजनकर्ता कुन्दन मिश्रा एवं कार्यक्रम के संरक्षक विकास शर्मा ने अतिथियों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनका भव्य स्वागत किया ।महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया ।खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ हिस्सा लिया ।वहीं नशामुक्ति के संदेश पर आधारित बच्चों की पेंटिंग और मां दुर्गा की आकर्षक रंगोली ने अतिथियों का मन मोह लिया ।बच्चों की कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मक सोच की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना की ।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मंच पर मेडल,मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।छोटे-छोटे बच्चों की उपलब्धियों को देखकर कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया ।सम्मान पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और उनमें आगे बेहतर प्रदर्शन करने का उत्साह दिखाई दिया ।मुख्य अतिथि मछुआरा आयोग के अध्यक्ष ललन सहनी और एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं ।खेलकूद,कला और सांस्कृतिक गतिविधियों से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है ।ऐसे आयोजनों से बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिलता है ।दो दिवसीय सुगौली महोत्सव ने बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देने के साथ ही शिक्षा,खेल,कला और सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया ।नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बच्चों की पेंटिंग ने समाज को सकारात्मक संदेश दिया ।आयोजन के समापन पर प्रतिभागियों और उपस्थित लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला ।कार्यक्रम में ह्यआपन माटी आपन पार्टीह्व के संस्थापक जितेंद्र तिवारी,हरिनारायण तिवारी,जीआरपी प्रभारी विजय झा,के-टू क्लासेज के प्राचार्य रवि प्रकाश,रेडियंट पब्लिक स्कूल के प्राचार्य हर्ष श्रीवास्तव,शिक्षक मुन्ना गिरी,रुस्तम आलम सहित दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।सुगौली महोत्सव के सफल आयोजन ने स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और बच्चों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल प्रस्तुत किया।

स्टैनफोर्ड सीड ट्रांसफार्मेशन प्रोग्राम 2027 के लिए अतुल मशीनरी का चयन

छपरा कार्यालय। अतुल मशीनरी ट्रेडिंग इंडिया प्रा. लि. को स्टैनफोर्ड सीड ट्रांसफार्मेशन प्रोग्राम 2027 के लिए चयनित किया गया हैं। जो छपरा के व्यावसायिक इतिहास के लिए बड़ी उपलब्धि हैं। यह जानकारी रविवार को छपरा के टंल्लॉङ्ग ळ१्रा उीं में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए अतुल मशीनरी ट्रेडिंग इंडिया प्रा. लि. के एमडी व सीईओ अतुल कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि चारा मशीन और थ्रेशर जैसे उत्पादों से शुरूवात करने वाली इस कंपनी के पास अब सीएट, कैस्ट्रॉल, किर्लोस्कर और बर्जर जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड के उत्पादों के डिस्ट्रीब्यूशन का बड़ा पोर्टफोलियो है। इस प्रोग्राम के माध्यम से कंपनी के नेतृत्व को उद्यमियों और बिजनेस लीडर्स के एक वैश्विक समुदाय से जुड़ने का अवसर मिलेगा। यह प्रोग्राम टीम को व्यावसायिक रणनीति, नेतृत्व, संगठनात्मक विकास और सतत विकास पर काम करने में मदद करेगा, ताकि कंपनी के विस्तार के अगले चरण से पहले उसकी प्रबंधन प्रणालियाँ और मजबूत हो सकें। उन्होंने कहा की स्टैनफोर्ड सीड ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम 2027 के लिए चुना जाना हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। हमारे लिए ये हमारी मेहनत और उद्यमशीलता की पहचान तो है ही, साथ ही सीड ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम से कुछ नया सीखने, आगे बढ़ने और कंपनी को ग्रोथ के अगले दौर के लिए तैयार करने का एक बढ़िया मौका भी है। सीड, स्टैनफोर्ड जीएसबी की एक पहल है, जो दुनिया भर में गरीबी के चक्र को खत्म करने के लिए काम कर रही है। इस अवसर पर निदेशक (संचालन) निकिता काले आदि मौजूद थें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा चौकीदार परेड का किया गया ब्रीफिंग एवं दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

छपरा सदर। रविवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर द्वारा सोनपुर थाना परिसर में चौकीदार परेड का ब्रीफिंग किया गया। ब्रीफिंग के दौरान चौकीदारों को अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क एवं सजग रहते हुए संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने, अपराध एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं को तत्काल थाना को उपलब्ध कराने तथा पुलिस के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही, क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से चौकीदारों की भूमिका एवं दायित्वों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान थानाध्यक्ष, सोनपुर सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डाउन्ने पहाड़ी पर बस का ब्रेक फेल, छह की मौत 12 घायल

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। नवलपरासी (बर्दघाट-सुस्ता पूर्व) जिले के दाउन्ने इलाके में सुबह हुए भीषण बस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 यात्री घायल हो गए। हादसा पूर्व-पश्चिम राजमार्ग पर विनयी त्रिवेणी ग्रामीण नगरपालिका-2 स्थित दाउन्ने के एस मोड़ के पास हुआ। पुलिस के अनुसार, प्रदेश-3-01-006 ख 1553 नंबर की यात्री बस नेपालगंज से काठमांडू जा रही थी। दाउन्ने के एस मोड़ पर चालक का नियंत्रण बिगड़ने के बाद बस सड़क से नीचे नाले में पलट गई। प्रारंभिक जानकारी में हादसे का कारण ब्रेक फेल होना बताया गया है। हादसे में बस चालक सुरेश बीसी (36) समेत दीपेन्द्र केसी (32), एकेन्द्रराज रेग्मी (55), कृष कनौजिया (22), निर्जुङ गुरुङ (50) और नरेन्द्रराज गिरी (65) की मौत हुई है। पुलिस ने सभी छह मृतकों की पहचान कर ली है ।घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए मध्यविन्दु प्रादेशिक अस्पताल, डंडा ले जाया गया। इनमें से आठ घायलों को बेहतर उपचार के लिए चितवन मेडिकल कॉलेज शिक्षण अस्पताल, भरतपुर भेजा गया है, जबकि चार का उपचार मध्यविन्दु अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के बाद राहत एवं बचाव दल ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

छुट्टी के दिन भी बाढ़ प्रभावितों की सूची की समीक्षा, योग्य परिवारों को मिलेगा 7 हजार का अनुग्रह अनुदान

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। सरकारी अवकाश के बावजूद रविवार को बगहा-2 प्रखंड सभागार में बाढ़ प्रभावित परिवारों की सूची तैयार करने और उसकी समीक्षा का कार्य जारी रहा। विभिन्न पंचायतों के जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित परिवारों की सूची और जरूरी दस्तावेज लेकर प्रखंड सभागार पहुंचे। इस दौरान प्रभावित परिवारों के आधार कार्ड, बैंक पासबुक समेत अन्य कागजातों की जांच की गई। बगहा-2 के अंचलाधिकारी वसीम अकरम ने सूची की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि लाभुकों के चयन में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वास्तविक और पात्र बाढ़ प्रभावित परिवारों का नाम सूची से नहीं छूटे और अपात्र लोगों को किसी भी स्थिति में शामिल नहीं किया जाए। समीक्षा के दौरान छूटे हुए नामों को जोड़ने के साथ सूची में दर्ज त्रुटियों को भी दुरुस्त किया जा रहा है। सीओ ने त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित परिवारों, क्षतिग्रस्त मकानों और वास्तविक नुकसान का आकलन कर सूची अंचल कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा है। जनप्रतिनिधियों से प्राप्त सूची के आधार पर राजस्व कर्मचारियों और विभागीय टीमों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है। अंचलाधिकारी वसीम अकरम ने बताया कि चिह्नित बाढ़ प्रभावित परिवारों को सरकार की ओर से 7 हजार रुपये प्रति परिवार अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। यह राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभुकों के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

वन प्राणी सप्ताह के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व। वन प्राणी सप्ताह के अंतर्गत वन विभाग की ओर से वीटीआर के ठाढ़ी गांव में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ठाढ़ी गांव के बच्चों एवं महाविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान रेंजर सत्यम कुमार ने विद्यार्थियों को वन, वनस्पति, पर्यावरण एवं जंगली जीवों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। रेंजर सत्यम कुमार ने कहा कि वन एवं वन्यजीव हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। जंगलों के संरक्षण से प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। उन्होंने बच्चों और छात्रों को वन्यजीवों के महत्व, उनके संरक्षण तथा जंगलों की उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। उन्हें अधिक से अधिक पौधे लगाने, जंगलों को आग एवं अवैध गतिविधियों से बचाने तथा वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए प्रेरित किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में युवाओं और बच्चों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में वन एवं वन्यजीवों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026

सीआरएस निरीक्षण संपन्नः राजेंद्र पुल के समानांतर बने नए दोहरे रेल लाइन पुल पर परिचालन शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। रेल संरक्षा आयुक्त, पूर्वी सर्किल कोलकाता श्री गुरु प्रकाश द्वारा दिनांक 03.10.2026 एवं 04.10.26 को माल और यात्री परिवहन के लिए बनाए गए नवनिर्मित पुल (राजेंद्रपुल-हाथीदह ऊपर) और विद्युतीकरण के साथ दोहरीकरण का निरीक्षण किया गया। सी आर एस से प्राधिकार प्राप्त होते ही इस नवनिर्मित पुल से परिचालन संभव हो गया है. मोकामा (बिहार) में गंगा नदी पर नवनिर्मित नए रेल पुल के चालू हो जाने से उत्तरी बिहार और दक्षिणी बिहार को रेल मार्ग से जोड़ने में एक अतिरिक्त मार्ग उपलब्ध हो गया जिससे रेल परिचालन में काफी सुविधा होगी। 2400 करोड़ रूपए की लागत से बने इस नये रेल पुल को वर्तमान राजेन्द्र पुल के समानान्तर एवं पटना छोर की तरफ वर्तमान पुल से 50 मीटर की दूरी पर बनाया गया है। इस पुल पर दोहरी रेल लाइन का निर्माण किया गया है। यह प्रोजेक्ट लगभग 15.5 किमी की कुल लंबाई में फैला है, जिसमें 1.9 किमी का गंगा नदी पर मुख्य पुल शामिल है। इस पुल में गंगा नदी पर 17 स्टील स्पैन हैं तथा 3.6 किमी के रेल वायडक्ट शामिल हैं। मुख्य पुल के साथ ही 08 लघु पुल, 02 सड़क उपरि पुल तथा 03 रेल ओवर रेल का निर्माण भी किया गया है। नये पुल की निर्माण योजना इस तरह बनायी गयी है कि वर्तमान पुल के एप्रोच में कम से कम परिवर्तन करना पड़े। नवनिर्मित नये पुल के दोनों छोर के स्टेशन, वर्तमान पुल के दोनों छोर के स्टेशनों से ही जुड़े होंगे अर्थात वर्तमान में उत्तर में स्थित हाथीदह, टाल एवं रामपुर डुमरा स्टेशनों तथा दक्षिण में स्थित राजेन्द्रपुल तथा बरौनी स्टेशनों से ही जुड़े हैं। नवनिर्मित डबल लाइन के साथ-साथ वर्तमान में चल रहे पुराने राजेंद्र सेतु से भी रेलवे परिचालन जारी रहेगा। इससे यहां कुल तीन लाइनों का प्रावधान हो गया है। इससे उत्तर और दक्षिण बिहार के साथ ही देश के उत्तर-पूर्व इलाकों के बीच रेल कनेक्टिविटी और मजबूत होगी तथा पैसेंजर और मालगाड़ियों के परिचालन में सुधार होगा तथा अनुमानतः रेलवे ट्रैफिक में 2.5 गुणा वृद्धि होगी। इससे माल ढुलाई के समय और लागत में कमी आएगी, जिससे व्यापार और जरूरी चीजों की आवाजाही को फायदा होगा। मोकामा गंगा ब्रिज एक मजबूत, बेहतर कनेक्टिविटी, कॉमर्स और ग्रोथ के लिए नई संभावनाएँ देगा।

भाजपा विधायक राजू सिंह की सदस्यता पर अब तक फैसला क्यों नहीं? : दीपंकर

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाकपा-माले महासचिव कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य ने साहेबगंज, मुजफ्फरपुर से भाजपा विधायक राजू सिंह की विधानसभा सदस्यता को लेकर बिहार विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि राजू सिंह को 4 जुलाई 2026 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा दोषी करार दिए जाने के तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त नहीं की गई है। आखिर विधानसभा अध्यक्ष इस मामले में अब तक निर्णय क्यों नहीं ले रहे हैं? कॉमरेड दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि भाकपाझमाले विधायक कॉमरेड मनोज मंजिल के मामले में बिल्कुल अलग रवैया देखने को मिला था। 12 फरवरी 2024 को उन्हें दोषी करार दिए जाने के बाद तत्काल उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। इसके बाद अगिआंव (एससी) विधानसभा क्षेत्र में 2024 के लोकसभा चुनाव के साथ ही उपचुनाव भी करा दिया गया था।उन्होंने सवाल उठाया कि एक ही विधानसभा में दोषसिद्धि के मामलों में अलग-अलग मापदंड क्यों अपनाए जा रहे हैं? यदि कानून और संवैधानिक प्रावधान सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों पर समान रूप से लागू होते हैं, तो भाजपा विधायक राजू सिंह के मामले में तीन महीने बीत जाने के बाद भी विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई ?दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को इस मामले में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और बताना चाहिए कि राजू सिंह की सदस्यता पर अब तक निर्णय क्यों लंबित है। लोकतंत्र में कानून का समान और निष्पक्ष अनुप्रयोग होना चाहिए। किसी व्यक्ति की राजनीतिक पहचान या पार्टी के आधार पर अलग-अलग मानदंड नहीं हो सकते।

संक्षिप्त खबरें

महावीरी अखाड़ा मेले को लेकर शांति समिति की बैठक

सीवान/महाराजगंज प्रखंड के महुआरी शिव मंदिर परिसर में रविवार को महावीरी अखाड़ा मेला को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेला शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। महाराजगंज थानाध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मेले के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

विधान पार्षद कारी मो शोहैब ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पटना। बिहार विधान परिषद के सदस्य कारी मोहम्मद शोहैब ने 4 अक्टूबर 2026 को बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक महत्वपूर्ण पत्र लिखा है। कारी मोहम्मद शोहैब ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक के 01 अक्टूबर 2026 के पत्र के तहत की जा रही कार्रवाई का हवाला दिया। उन्होंने मांग की है कि शिक्षकों की सेवा समाप्ति की इस कार्रवाई के दौरान उर्दू एवं बांग्ला विशेष शिक्षकों को इससे अलग रखा जाए और उन्हें संरक्षण दिया जाए। कारी मो शोहैब ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को को पत्र लिखकर मांग की है कि प्राथमिक शिक्षा निदेशक के पत्र संख्या 2853, 01.10.2026 के तहत की जा रही सेवा समाप्ति की कार्रवाई से उन शिक्षकों को अलग रखा जाए, जिनकी नियुक्ति वर्ष 2014 में प्रारंभ हुई नियोजन प्रक्रिया की निरंतरता में न्यायालयीय आदेश एवं विभागीय निर्देशों के आधार पर वर्ष 2015-16 में हुई थी। इन शिक्षकों ने वर्षों तक राज्य की शिक्षा व्यवस्था में अपनी सेवाएं दी हैं। अनेक शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, सक्षमता परीक्षा उत्तीर्ण कर विशिष्ट शिक्षक बने हैं तथा कुछ बीपीएससी के माध्यम से प्रधान शिक्षक एवं विद्यालय अध्यापक के पद पर भी नियुक्त हो चुके हैं। ऐसे में उनकी सेवा समाप्ति न केवल शिक्षकों और उनके परिवारों के भविष्य को प्रभावित करेगी, बल्कि विद्यालयों में उर्दू एवं बांग्ला शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। मैंने मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले की अलग से वैधानिक समीक्षा कर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने तथा संबंधित शिक्षकों को प्रतिकूल कार्रवाई से संरक्षण देने की मांग की है।

बिजली का कार्य करने के दौरान गिरने से मजदूर घायल

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र के हरदिया गांव में बिजली का कार्य करने के दौरान पैर फिसलने से एक मजदूर नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वह अचेत हो गया, जिसे ग्रामीणों ने उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दारौंदा में भर्ती कराया। अस्पताल में तैनात चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार सिंह ने घायल मजदूर का प्राथमिक उपचार किया। घायल की पहचान अजीत प्रसाद के रूप में हुई है।

हाईकोर्ट के निर्णय ने वैधानिक प्रक्रिया और शिक्षकों की सहमति के सिद्धांत को स्पष्ट किया : याचिकाकर्ता

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जय प्रकाश विश्वविद्यालय द्वारा नवस्थापित डिग्री कॉलेजों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति से संबंधित उहखउ ठङ्ग. 9715/2026 तथा उहखउ ठङ्ग. 9278/2026 में पटना उच्च न्यायालय की एकलपीठ द्वारा 1 सितम्बर 2026 को पारित निर्णय के विरुद्ध विश्वविद्यालय ने 1 अक्टूबर 2026 को छढअ ठङ्ग. 23538/2026 तथा छढअ ठङ्ग. 23524/2026 दायर किया है। याचिकाकताओं ने कहा कि छढअ दायर करना विश्वविद्यालय का विधिक अधिकार है, लेकिन एकलपीठ के निर्णय में महत्वपूर्ण विधिक प्रश्नों पर स्पष्ट और कारणयुक्त निष्कर्ष दर्ज किए गए हैं। याचिकाकताओं के अनुसार, न्यायालय ने शिक्षकों को प्रभारी प्राचार्य के रूप में नियुक्त करने से संबंधित र३्र४३ी 3.2.6 में निहित ह्लसहमतिह्व की आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना और बिना सहमति की गई प्रतिनियुक्ति को वैधानिक आधार से रहित पाया। न्यायालय ने प्रतिनियुक्ति के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के स्थापित न्यायिक सिद्धांतों पर भी विचार किया। नवस्थापित कॉलेजों की वैधानिक स्थिति महत्वपूर्ण प्रश्न याचिकाकताओं ने कहा कि मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू नवस्थापित राजकीय डिग्री कॉलेजों की वैधानिक स्थिति है। राज्य सरकार के संकल्प में किसी संस्था को ह्लङ्क्लल२३३४ील्ल३ ४ल्ल३ह्व कहे जाने मात्र से क्या वह बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 के अर्थ में स्वतः ह्लङ्क्लल२३३४ील्ल३ ङ्क'ीह्व बन जाती है—यह प्रश्न न्यायिक परीक्षण के केंद्र में रहा है। उन्होंने कहा कि किसी संस्था का प्रशासनिक रूप से सृजन और उसका विश्वविद्यालय के ङ्क्लल२३३४ील्ल३ ङ्क' ी के रूप में पूर्ण वैधानिक एकीकरण दो अलग-अलग प्रश्न हैं। उङ्क्लल२३३४ील्ल३ उङ्क'ी की वैधानिक अवधारणा, विश्वविद्यालय द्वारा उसके ेल्लइील्लंल्लीू और ङ्कल्ल३१ङ्क' तथा अधिनियम एवं र३ंु४३ीर में निर्धारित प्रक्रिया को केवल प्रशासनिक संकल्प के आधार पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। याचिकाकताओं ने कहा कि कुलपति की सामान्य प्रशासनिक शक्ति को भी संबंधित एक्ट और संविधि में निर्धारित विशिष्ट वैधानिक शर्तों से अलग करके नहीं पढ़ा जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के मूल आदेशों में स्वयं ह्लीस्त्र४३ंङ्कल्लह्व शब्द का प्रयोग किया गया था।

दारौंदा में स्थानांतरित पंचायत सचिवों को ग्रामीणों ने दी विदाई

सीवान/दारौंदा प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में कार्यरत रहे पंचायत सचिवों के स्थानांतरण पर एक निजी होटल में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पंचायत सचिव विकास कुमार, मुकेश कुमार, पप्पू कुमार, मो. दिलशाद आरिफ, श्रीराम प्रसाद यादव एवं रंजन कुमार सुमन को बुके एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। ग्रामीणों ने पंचायत सचिवों के कार्यकाल में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का आयोजन प्रखंड बीस सूत्री सदस्य सह एलजेपीआर प्रखंड अध्यक्ष हरि प्रेम पासवान के नेतृत्व में किया गया। मौके पर नागेंद्र यादव, अभिषेक यादव, मुद्रिका मांझी, अमित यादव, मंटू ठाकुर, रूपेश पासवान, नीरज यादव, अरुण यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

कमाल अहमद बने जदयू शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जनता दल (यू) शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ में डॉ. कमाल अहमद को लगातार तीसरी बार प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। सारण जिले के दरियापुर प्रखंड अंतर्गत ह्लबेलाह्व के मूल निवासी डॉ. अहमद शिक्षा, साहित्य एवं अकादमिक क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। अपने मनोनयन पर डॉ. कमाल अहमद ने जदयू के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व एवं शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लगातार तीसरी बार मिली यह जिम्मेदारी उनके प्रति नेतृत्व के विश्वास का प्रतीक है और वे इस विश्वास को पूरी निष्ठा, सक्रियता एवं प्रतिबद्धता के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली से हिंदी में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त डॉ. कमाल अहमद वर्तमान में जय प्रकाश विश्वविद्यालय के गंगा सिंह महाविद्यालय, छपरा में हिंदी के वरीय सहायक प्राध्यापक हैं। इससे पूर्व उन्होंने लगभग 14 वर्षों तक नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, भारत सरकार में हिंदी संपादक तथा कार्यक्रम पदाधिकारी के रूप में कार्य किया। वे इटली और ईरान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भारतीय प्रकाशनों की सामूहिक प्रदर्शनी के समन्वयक भी रहे हैं। डॉ. अहमद की साहित्यिक एवं अकादमिक उपलब्धियों में एनबीटी से प्रकाशित सात अनूदित पुस्तकें, राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित कविताएँ, पुस्तक-समीक्षाएँ, साक्षात्कार एवं शोध-पत्र आदि शामिल हैं। उन्हें भारत सरकार के ह्लराष्ट्रीय संस्कृति फैलोशिपह्व, बिहार सरकार के ह्लसाहित्य सेवा सम्मानह्व तथा ह्लमगही अकादमी शिखर सम्मानह्व सहित विभिन्न अकादमिक एवं साहित्यिक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। वे पटना विश्वविद्यालय के स्नातक (हिंदी) में ह्लयूनिवर्सिटी टॉपरह्व भी रहे हैं। शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में डॉ. अहमद ने कहा कि शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षाविदों की समस्याओं को उचित मंच तक पहुँचाना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा प्रशिक्षण एवं क्षमता-विकास के अवसरों को बढ़ावा देना उनकी प्रमुख प्राथमिकता होगी। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय से जुड़े शिक्षकों के सेवा-संबंधी मामलों, लंबित समस्याओं एवं अन्य जायज मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी पहल करना उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने, लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ पदाधिकारियों के स्थानांतरण तथा प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक गतिशील एवं संतुलित बनाने जैसे विषयों को भी वे उचित मंच पर उठाएंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं को आवश्यकतानुसार पार्टी नेतृत्व एवं सरकार के संबंधित स्तर तक पहुँचाकर उनके समाधान के लिए संस्थागत पहल का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ को शिक्षा जगत, युवाओं और सरकार के बीच प्रभावी संवाद का माध्यम बनाने का प्रयास होगा। डॉ. अहमद ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण, शोध एवं बेहतर अकादमिक वातावरण से जुड़े विषय भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल होंगे। राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से नियमित संवाद स्थापित कर उनके सुझावों को पार्टी नेतृत्व तक पहुँचाया जाएगा।

ग्रामीण महिलाओं को रोजगार से जोड़ने पर सजग रचनाकार संस्थान की बैठक

कोइलवर।सजग रचनाकार संस्थान, बिहार की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को फुहाँ में आयोजित हुई। बैठक में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने, व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संस्थान के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्र में सिलाई यूनिट स्थापित करने का निर्णय लिया गया।इसके माध्यम से इच्छुक महिलाओं एवं युवतियों को सिलाई का प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल बनाने और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। वहीं, समेकित बाल विकास परियोजना (आईसीडीएस) के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की पोशाक की मांग एवं आपूर्ति के लिए संबंधित विभाग के साथ एमओयू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। इसके अलावा सदर अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के लिए एप्रोन तैयार करने और नियमित आपूर्ति की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बैठक में महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित करने पर जोर दिया गया।किसानों को पारंपरिक खेती के साथ व्यावसायिक खेती के लिए प्रोत्साहित करने तथा कृषि आधारित व्यवसाय को बढ़ावा देने की आवश्यकता भी जताई गई। बैठक में महेंद्र प्रताप शर्मा, सुरेंद्र शर्मा विशाल (जनकवि), विजय कुमार साह (शिक्षक) सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने व फायरिंग का वीडियो वायरल, युवक पर कार्रवाई

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा थाना क्षेत्र के भीखाबांध में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अवैध हथियार लहराने और फायरिंग करने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह के स्वलिखित बयान के आधार पर भीखाबांध निवासी 18 वर्षीय अहमद अली, पिता मुनीर साईं के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार, 3 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे गश्ती के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो पुलिस के संज्ञान में आया। वीडियो में एक युवक कथित रूप से हथियार का प्रदर्शन करते हुए फायरिंग करता दिखाई दे रहा है। स्थानीय लोगों और चौकीदार के माध्यम से वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान कराई गई। जांच में पुलिस ने बताया कि वीडियो 27 सितंबर को आयोजित जन्मदिन समारोह का है। पुलिस के अनुसार, वीडियो में हथियार का प्रदर्शन और फायरिंग करने वाले युवक की पहचान अहमद अली के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष के बयान में आग्नेयास्त्र का खुलेआम प्रदर्शन और फायरिंग करना संज्ञेय अपराध बताया गया है।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस की कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन और हर्ष फायरिंग को लेकर क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है।

पति समेत ससुराल पक्ष पर मारपीट व प्रताड़ना का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। महिला ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 3 अक्टूबर की शाम करीब 7:30 बजे महिला के साथ विवाद हुआ। आरोप है कि विवाद के दौरान पति सहित परिवार के अन्य लोगों ने उसके साथ मारपीट की और गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। महिला ने आवेदन में घटना के दौरान मौजूद लोगों तथा पूर्व में हुई कथित घटनाओं का भी उल्लेख किया है। पीड़िता का आरोप है कि पारिवारिक विवाद के कारण उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया जा रहा है। घटना के बाद वह भयभीत है। उसने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। पुलिस जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

कुशल युवा कार्यक्रम के अधोषित रूप से ठप रहने से बढ़ रहा है युवाओं असंतोष

औरंगाबाद। बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2016 मे श्रम संसाधन विभाग के माध्यम से शुरू किया गया। कौशल युवा कार्यक्रम के बड़ी संख्या में युवाओं को कंप्यूटर संचार कौशल एवम व्यवहारिक जीवन कौशल का प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने वाली एक महत्वकांक्षी योजना को वर्तमान मे बंद कर दी गई है। जिसे युवाओं मे असंतोष है। विगत लंबे समय से नए बैचों का संचालन एवम नामांकन प्रभावी रूप से प्रारंभ नही हो पाने से योजना की प्रगति पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए है। एक तरफ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी करीब 1700 पुनः चालू करने की घोषणा बिहार मे की है। परंतु 871 विभाग द्वारा केंद्र मे चालू करने की सूचना मिल रही है। वैसे स्तिथि मे युवाओं मे आक्रोश है। ओबरा प्रखंड मे भी चार कुशल युवा केंद्र संचालित है। जिसमे कारा बाजार व्यापार मंडल के पास बेल मोड़ और एक ओबरा ब्लॉक मे संचालित है। लेकिन अभी पूर्ण रूपेण संचालित होने की घोषणा नही की गई है। बीते मंथ 2026 से ओबरा मे सभी कौशल युवा केंद्र बंद है। वैसे स्तिथि में युवा को प्रशिक्षण कार्य प्रभावित है। संचालन एवम नामांकन प्रभावी रूप से प्रारंभ नही हो पाने से योजना की प्रगति पर प्रश्नचिन्ह लग गए है और निराशा और असंतोष का माहौल बन गया है। इन से जुड़े हजारों प्रशिक्षकों एवम कर्मचारियों की आजीविका भी अनिश्चित के दौर में गुजर रही है। इस सम्बन्ध मे अश्मित कुमार का कहना है कि, राज्य मे रोजगार और कौशल विकास सबसे बड़ी आवश्यकता है।और इस महत्वपूर्ण योजना को पुनः गति देने के लिए अब तक कोई अधिकारी घोषणा नही आई है। युवाओं मे आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अगर जल्द चालू नही की गई तो युवाओं आगे की रणनीति तैयार करेंगे। यदि सरकार योजना मे किसी प्रकार का पुर्नगठन संशोधन अथवा नई व्यवस्था लागू करेगी तो,इसकी स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। ताकि युवाओं और प्रशिक्षण केंद्रों मे व्याप्त भ्रम समाप्त हो सके। जानवी यादव ने बताई की, युवाओं ने सरकार से मांग की है कि, कुशल युवा कार्यक्रम को शीघ्र पुनः सक्रिय किया जाए,और नए बैचों का प्रारंभ नामांकन किया जाए। आयुष राज बताते है कि,प्रशिक्षण केंद्रों की अनिश्चितता को समाप्त कर युवाओं के भविष्य के सुरक्षित किया जाए। ताकि कौशल विकास कार्यक्रम मे लगातार हो रही देरी का सीधा प्रभाव रोजगार सृजन डिजिटल सशक्तिकरण हो सके। ब्यूटी कुमारी बताती है कि,युवाओं का स्पष्ट संदेश है कि अब समय आ गया है कि सरकार मौन तोड़े अपनी स्तिथि स्पष्ट करे और कौशल प्रशिक्षण का द्वार पुनः खोलकर युवाओं की उम्मीदों का नया आधार प्रदान करे।

हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखकर अमर हो गए आचार्य रामचंद्र शुक्ल

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। हिन्दी के महान सेवक आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने ह्यहिन्दी साहित्य का इतिहासह्व लिखकर हिन्दी का जो उपकार किया वह अन्यतम है। उनकी इसी कृति ने उन्हें साहित्य में अमर कर दिया। उनकी दूसरी अमर-कृति ह्यचिंतामणिह्व ने हिन्दी के मर्मज्ञ आलोचकों की समस्त चिंताएँ दूर कर दी। काव्य में भाव और रस के महान पक्षधर, हिन्दी-समालोचना के शिखर पुरुष शुक्ल जी साहित्य के विद्यार्थियों के लिए आज भी पथ-प्रदर्शक हैं। यह बातें रविवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित जयंती-समारोह और कथा-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कही। डा सुलभ ने कहा कि, शुक्ल जी ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन से, मानव-मस्तिष्क और उसके विचारों को पढ़ने की एक विलक्षण शक्ति प्राप्त कर ली थी। एक कुशल मनोवैज्ञानिक की भाँति वे कविता के मर्म को कुछ पंक्तियों के अवलोकन से ही भाँप लेते थे। उनका विचार था कि काव्य की रचना केवल आनंद के लिए नहीं, वरण लोक-कल्याण के महान लक्ष्य को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए। जयंती पर महाकवि ब्रजनंदन सहाय ह्यमोहन प्रेमयोगीह्व को स्मरण करते हुए डा सुलभ ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के अनेक उलझनों के मध्य रह कर भी उन्होंने अद्भुत काव्य-सृजन किए। हिन्दी को विश्व-भर में प्रतिष्ठा मिले, इसके लिए वे निरन्तर प्रयत्नशील रहे। उनकी एकांतिक-साधना, नव-साहित्यकारों को प्रेरणा देती है। उन्होंने डा सतीश राज पुष्करणा को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया तथा उन्हें बिहार में ह्ललघुकथा-आंदोलनह्व का पितामह बताया। समारोह का उद्घाटन करते हुए सुप्रसिद्ध नेत्र-रोग विशेषज्ञ और बिहार विधान परिषद के सदस्य डा राजवर्धन आजाद ने कहा कि साहित्य की इन्ही महान विभूतियों से हिन्दी का विशाल भंडार भरा है। साहित्य सम्मेलन ऐसे आयोजनों से नयी पीढ़ी को जागरूक कर रहा है, जो बहुत बड़ी बात है। अतिथियों का स्वागत करते हुए, सम्मेलन के प्रधानमंत्री डा उपेंद्रनाथ पाण्डेय ने कहा कि संस्कृत, फारसी, अंग्रेजी और हिन्दी के महान विद्वान आचार्य शुक्ल ने अपनी पुस्तक ह्यहिन्दी साहित्य का इतिहासह्व की प्रस्तावना में लिखा है कि संस्कृत के ह्यअपभ्रंसह्व से हिन्दी की उत्पत्ति हुई। शुक्ल जी आलोचना-साहित्य के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हैं। उन्होंने पश्चिम के साहित्यकारों शेक्सपियर और मिल्टन के साहित्य पर ही नहीं तुलसी जैसे महाकवि के साहित्य का सूक्ष्म अवलोकन किया और आलोचनाएँ लिखीं। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, महाकवि प्रेमयोगी जी के पुत्र डा योगेश कृष्ण सहाय, डा मनोज गोवर्धनपुरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।चंदा मिश्र की वाणी-वंदना से आरम्भ हुए इस आयोजन में एक लघुकथा-गोष्ठी भी आयोजित हुई, जिसमें वरिष्ठ लेखिका किरण सिंह ने ह्यअभी बताता हूँह्व, डा शंकर प्रसाद ने ह्यजवाबह्व, डा पूनम आनन्द ने ह्यदो टूकह्व, डा पुष्पा जमुआर ह्यकराहह्व, डा विद्या चौधरी ने ह्यकाश ! माँ पढ़ी होतीह्व, मीरा श्रीवास्तव ने ह्यमुक्तिह्व, सिद्धेश्वर ने ह्यसम्मान का क्रमह्व, ई अशोक कुमार ने ह्यरिश्तेह्व, डा नागेश्वर प्रसाद यादव ने ह्यदोषी कौनह्व, शुभचंद्र सिन्हा ने ह्यठंढी चाय, सदानन्द प्रसाद ने ह्यसंघर्षह्व, डा ऋचा वर्मा ने ह्यतामझामह्व सागरिका राय ने ह्यसागरिका रायह्व, इन्दुभूषण सहाय ने ह्यमहिलाह्व तथा डा नीतू सिंह नेह्व नैतिकता और शिक्षाह्व शीर्षक से लघुकथा-पाठ किया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंधमंत्री कृष्णरंजन सिंह ने किया। प्रो सुनील कुमार उपाध्याय, ई आनन्द किशोर मिश्र, डा अर्चना त्रिपाठी, डा आशा रघुदेव, शम्भूनाथ पाण्डेय, डा प्रतिभा रानी, श्याम बिहारी प्रभाकर, ई बाँके बिहारी साव, ज्ञानेश्वर शर्मा, पं गणेश झा, प्रवीर कुमार पंकज, ज्योति मिश्र, नीरज कुमार, राहूल सिन्हा आदि प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

गैलेंट इंडिया फाउंडेशन ने स्वच्छता कर्मियों को गुलाब का फूल एवं बच्चों द्वारा निर्मित धन्यवाद पत्र भेंट कर किया सम्मानित

गया जी। गैलेंट इंडिया फाउंडेशन द्वारा आज विष्णुपद स्थित देवघाट, गया जी में स्वच्छता के प्रति निरंतर समर्पित स्वच्छता कर्मियों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों एवं फीडबैक सर्वेयरों ने स्वच्छता कर्मियों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त किया है। इस कार्यक्रम के दौरान देवघाट एवं विष्णुपद क्षेत्र में साफ-सफाई के कार्य में निरंतर जुटे स्वच्छता कर्मियों को गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया गया, साथ ही गैलेंट इंडिया फाउंडेशन द्वारा संचालित स्लम एरिया के पाठशाला प्रगति केंद्र के बच्चों द्वारा तैयार किए गए ग्रीटिंग कार्ड, आभार पत्र एवं धन्यवाद पत्र भी स्वच्छता कर्मियों को भेंट किए गए हैं। बच्चों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए गए इन कार्डों के माध्यम से स्वच्छता कर्मियों के प्रति सम्मान, प्रेम एवं आभार की भावना व्यक्त की गई है। सम्मान प्राप्त कर स्वच्छता कर्मी भी काफी आह्लादित एवं भावुक नजर आए। उन्होंने संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्य को इस प्रकार सम्मान मिलना उनके लिए अत्यंत खुशी और प्रोत्साहन का विषय है। इस कार्यक्रम में गैलेंट इंडिया फाउंडेशन के सचिव विवेक कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी मनीष कुमार, डॉ. शिवेक कुमार सहित संस्था के स्वयंसेवक एवं फीडबैक सर्वेयर उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता कर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके योगदान के लिए उनका उत्साहवर्धन किया है। तीर्थयात्रियों के फीडबैक में स्वच्छता व्यवस्था की सराहना इस कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए टीम लीडर अभिषेक कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन के तत्वावधान में गैलेंट इंडिया फाउंडेशन के स्वयंसेवकों एवं फीडबैक सर्वेयरों की टीम वर्तमान में गया जी आने वाले पिंडदानियों एवं तीर्थयात्रियों से फीडबैक सर्वे का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि फीडबैक के दौरान बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों द्वारा गया जी में उपलब्ध स्वच्छता व्यवस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बेहतर व्यवस्था के पीछे स्वच्छता कर्मियों की मेहनत, जिम्मेदारी और निरंतर सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कार्यक्रम पदाधिकारी मनीष कुमार ने कहा, स्वच्छता कर्मी स्वयं पीछे रहकर लाखों श्रद्धालुओं एवं तीर्थयात्रियों के लिए स्वच्छ और बेहतर वातावरण तैयार करते हैं। उनके इसी समर्पण एवं सेवा भावना के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करने के लिए यह सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह भले ही एक छोटा-सा प्रयास है, लेकिन हमारे लिए इन कर्मठ कर्मियों के प्रति सम्मान और धन्यवाद व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

औरंगाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स की मासिक बैठक सर्किट हाउस औरंगाबाद में हुई सम्पन्न

औरंगाबाद। औरंगाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स की मासिक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें चैंबर के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में आगामी पर्व-त्योहारों, विशेषकर दुर्गा पूजा, दीपावली एवं लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर शहर के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं, बाजार की व्यवस्था एवं व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू बनाने के विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों एवं व्यापारियों से आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान होने वाली समस्याओं को लेकर सुझाव आमंत्रित किए गए। इस दौरान बाजार में यातायात एवं पार्किंग की व्यवस्था, सुरक्षा, अतिक्रमण, साफ-सफाई, बिजली आपूर्ति तथा त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को व्यवस्थित करने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। चैंबर का उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को एकत्रित कर संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाना तथा उनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल करना है। बैठक का एक महत्वपूर्ण विषय 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाला ह्यऔरंगाबाद डांडिया नाइट्सह्व भी रहा। औरंगाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं सीतीयोग इन्वर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने के लिए विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम की तैयारियों, आयोजन की रूपरेखा एवं सदस्यों की सहभागिता को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। इस आयोजन का उद्देश्य शहर में सांस्कृतिक उत्साह, सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। बैठक में चैंबर की आगामी कार्ययोजनाओं, व्यापारियों की एकजुटता तथा औरंगाबाद के आर्थिक एवं सामाजिक विकास से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। चैंबर के चेयरमैन मुकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्वों के दौरान व्यापारिक गतिविधियां काफी बढ़ जाती हैं। ऐसे में व्यापारियों की समस्याओं को समझना, उनके सुझाव लेना और प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतर बाजार व्यवस्था सुनिश्चित करना चैंबर की प्राथमिकता है। साथ ही, 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाला औरंगाबाद डांडिया नाइट्स शहर के लिए एक विशेष सांस्कृतिक आयोजन होगा, जिसे सफल बनाने में सभी सदस्यों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। बैठक में सभी सदस्यों ने व्यापारिक हितों की रक्षा, आपसी एकता और आगामी पर्व-त्योहारों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर जोर दिया।इस बैठक में चैम्बर के पदाधिकारी कार्यकारणी सदस्य और ड्रग एंड कॉमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी और वस्तु विक्रेता संघ से पदाधिकारी गण शामिल रहे

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, सोमवार, 05 अक्टूबर, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

यूपी सियासतः अखिलेश ने लगाया नारा 'जय संविधान-जय हिंदुस्तान'

लखनऊ , एजेंसी। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बड़ा संदेश दिया है। कहा कि गठबंधन में कितनी सीटें मिलती हैं या कौन सी सीट किस दल के पास जाती है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि गठबंधन की जीत सुनिश्चित हो। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कहा कि मकसद जब साफ हो तो हाथ-में-हाथ होता है, निगाह मंजिल पर हो तो सफर आसान होता है। गठबंधन के सभी दलों को मिलकर यह सुनिश्चित करना है कि जीत गठबंधन की हो। उन्होंने दोहराया, 'बात सीट की नहीं जीत की है।' कहा कि यह जीत गठबंधन के दलों से बढ़कर उन सभी की संयुक्त कोशिश की जीत होगी, जो लगातार संघर्षरत हैं। अखिलेश ने अपने संदेश में सांप्रदायिकता, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण का भी जिक्र किया। कहा कि कोशिश यह सुनिश्चित करने की है कि सांप्रदायिकता फिर कभी सिर न उठा सके और लोकतंत्र, संविधान व आरक्षण पर भाजपाई आंच न आए। उन्होंने देश में सौहार्द कायम करने और तरक्की-खुशहाली को आगे बढ़ाने की बात भी कही। पोस्ट के अंत में अखिलेश यादव ने लिखा, 'जय संविधान-जय हिंदुस्तान!'

सैनिक का पार्थिव शरीर ले जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

सुल्तानपुर, एजेंसी। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार को सुबह सैनिक का पार्थिव शरीर ले जा रही एंबुलेंस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसा हलियापुर थाना क्षेत्र के जरई कला के पास सुबह करीब 8 :30 बजे हुआ। यहां एंबुलेंस हादसे का शिकार हो गई। यह लखनऊ से सूबेदार सत्यवान सिंह का पार्थिव शरीर लेकर गाजीपुर जा रही थी। हादसे में देवरिया के गइला, दुधिला निवासी साजन सिंह (35), गौरव सिंह (28), राम समुझ सिंह (40) और चालक जसपाल (30) की मौत हो गई। लोगों ने देखा तो मौके पर भीड़ जुट गई। भयावह हादसे की खबर फैली तो आसपास के लोग भी पहुंच गए। सूचना मिली तो यूपीडा कर्मी भी भागकर पहुंचे। यूपीडी कर्मियों के मुताबिक, दो शव पिठला अस्पताल भेजे गए हैं। चालक का शव एंबुलेंस में बुरी तरह फंस गया। उसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है। सूचना मिली तो एसआई शैलेंद्र सिंह भी पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने लोगों को एक तरफ करके घटना की जानकारी ली। यातायात बाधित न हो इसका भी ध्यान रखा। एसआई शैलेंद्र सिंह ने बताया कि रुद्रपुर के गइला, दुधिला निवासी सत्यवान सिंह सूबेदार थे। उनका निधन हो गया था। उनका शव चंडीगढ़ से लखनऊ के रास्ते देवरिया ले जाया जा रहा था। घर ले जाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि जरई कला के पास दुर्घटना हो गई। जवान के पार्थिव शरीर पर तिरंगा लिपटा है। इसलिए, उन्हें हलियापुर थाने में लाकर रखा गया है। जबकि, अन्य दो शव पिठला कुमारगंज के अस्पताल भेजे गए हैं। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मेघालय में बीमार बेटे को बचाने मां 3 घंटे पैदल चलीः गोद में ही दम तोड़ा मासूम ने

शिलॉन्ग, एजेंसी। पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली किस कदर मरीजों पर भारी पड़ रही है, इसका उदाहरण इस बार मेघालय से सामने आया है। राज्य के पश्चिम खासी हिल्स जिले के डोमक्यरकोह गांव में अपने बीमार बेटे को बचाने के लिए मां करीब तीन घंटे तक उसे गोद में लेकर पैदल चलती रही, लेकिन वह बच्चे को बचा नहीं सकी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही बच्चा जिंदगी की जंग हार गया और मां की गोद में दम तोड़ दिया।

एसआईआर पर भड़के ओवैसी, कहा- मुसलमानों के खिलाफ फर्जी फॉर्म-7 का खेल बंद हो

नहीं रुका तो सड़कों पर उतरेंगे

हैदराबाद , एजेंसी। एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान फर्जी फॉर्म-7 आवेदन दाखिल किए जाने के आरोप में हैदराबाद में विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी।

शनिवार को मिलाद मैदान में 57वें 'जलसा-ए-मिलाद-उन-नबी' को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा 'अगर फर्जी फॉर्म 7 भरे जा रहे हैं, तो हम चुनाव आयोग से अपील करते हैं कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। अगर यह नाटक बंद नहीं हुआ, तो याद रखिए हैदराबाद की सड़कों और गलियों में दिल्ली के जंतर-मंतर से भी बड़े विरोध प्रदर्शन होंगे, और इससे आपको बहुत परेशानी होगी। मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन चुप नहीं बैठेगी।'

फॉर्म-7 का इस्तेमाल वोटर लिस्ट में किसी का नाम शामिल करने पर आपत्ति जताने या तय आधारों पर किसी एंट्री को हटाने की मांग करने के

लिए किया जाता है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि भाजपा और संघ परिवार मुस्लिम वोटरों को फाइनल वोटर लिस्ट से हटाने के लिए फॉर्म-7 का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसे प्रिंटेड फॉर्म-7 जमा किए जा रहे हैं जिनमें उस व्यक्ति का नाम तो है जिसे लिस्ट से हटाना है, लेकिन फॉर्म भरने वाले व्यक्ति का नाम और जानकारी नहीं दी जा रही है। अगर ऐसा हो रहा है, तो यह पूरी तरह गलत है।' उन्होंने भारत के चुनाव आयोग से इस मामले पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा, 'हम तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी और जिला चुनाव अधिकारियों को भी बता रहे हैं कि ऐसा नहीं होने दिया जा सकता।'

इससे पहले, ओवैसी ने आरोप लगाया था कि वोटर लिस्ट का 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) असल में पिछले दरवाजे से लाया गया एनआरसी एनआरसी है। इसके साथ ही दावा किया था कि भाजपा इस प्रक्रिया का इस्तेमाल नागरिकता की परीक्षा के तौर पर करेगी। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी ने शुरू से ही एसआईआर का विरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से मुश्किलें पैदा होंगी और आखिरकार इसका इस्तेमाल 'नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन' (एनआरसी) के आधार के तौर पर किया जाएगा।

पांच एसीपी के तबादले

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने 5 डीएसपी रैंक के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। यह आदेश 3 अक्टूबर की देर रात जारी किया गया। जारी आदेश के अनुसार, लखनऊ में तैनात 5 सहायक पुलिस आयुक्तों (एसीपी) को नई तैनाती दी गई है। लक्ष्मण वर्मा को एसीपी कृष्णानगर की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले वे एसीपी लखनऊ के पद पर तैनात थे। उनके स्थानांतरण के बाद कृष्णा नगर सर्किल में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने की कवायद तेज होने की उम्मीद है। अभिषेक कुमार पाण्डेय को एसीपी कृष्णानगर से हटाकर अब एसीपी कैसरबाग बनाया गया है। कैसरबाग पुराने लखनऊ का बेहद संवेदनशील और भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है, जहां यातायात और सुरक्षा व्यवस्था बड़ी चुनौती होती है। नवरत्न गौतम जो अब तक एसीपी कैसरबाग के पद पर थे, उन्हें अब एसीपी यातायात नियुक्त किया गया है। लखनऊ में त्योहारी सीजन के चलते यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है, ऐसे में उनका अनुभव महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महेश त्यागी को एसीपी यातायात से हटाकर एसीपी कानून-व्यवस्था लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। कानून-व्यवस्था की यह पोस्ट कमिश्नरेट की सबसे महत्वपूर्ण पोस्ट में से एक मानी जाती है। वहीं, अनूप कुमार को एसीपी यातायात के साथ-साथ यूपी-112 का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। इससे पहले वे केवल यूपी-112 के एसीपी थे। अब उन्हें दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नरेट सूत्रों के अनुसार यह फेरबदल रूटीन प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किया गया है ताकि फील्ड में नए अधिकारियों को अनुभव मिल सके और कामकाज में तेजी आए।

किसानों के लिए दुल्हन ढूंढने की योजना बनाएंः शिवकुमार से किसान की अनोखी अपील

मैसूर , एजेंसी। एक किसान ने शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से एक योजना बनाने की अपील की। इस योजना के जरिये अविवाहित पुरुषों, खासकर किसानों को शादी के लिए दुल्हन ढूंढने में मदद की जाए। किसान ने कहा कि 35 से 40 साल की उम्र के कई पुरुष अब भी अविवाहित हैं। वे काफी निराशा का सामना कर रहे हैं। यह किसान यहां पिरियापटना में आयोजित प्रजा सेवा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवकुमार से बात कर रहा था। किसान ने कहा, बहुत से पुरुष 35 से 40 साल की उम्र के हैं और अब भी अविवाहित हैं। ये बेचारे आत्महत्या कर रहे हैं। वे जिंदगी से निराश हो गए हैं। उन्हें शादी के लिए महिलाएं चाहिए। किसान ने मुख्यमंत्री से यह अपील करने से पहले कहा, सर, कृपया। गरीब लोग आत्महत्या कर रहे हैं। कृपया, कुछ करना होगा। इस पर शिवकुमार ने पूछा- क्या? क्या हुआ है? किसान ने कहा कि यह पूरे कर्नाटक में बड़ी समस्या बन गई है। उसने मुख्यमंत्री से इसे दूर करने के लिए कोई योजना बनाने की अपील की। किसान ने कहा, उन्होंने इतना पैसा खर्च किया है। उन्होंने घर बनाए हैं और उनके पास जमीन भी है। लेकिन कोई भी अपनी बेटियों की शादी उनसे करने के लिए तैयार नहीं है। किसान ने कहा, अगर कोई व्यवस्था की जा सके, तो इससे लाखों युवाओं की जिंदगी की समस्या दूर हो सकती है। मैं आपसे हाथ जोड़कर अनुरोध करता हूं कि उनके लिए कुछ करें।

किसानों के परिवार में बेटियां देने से क्यों हिचकते हैं?

किसान ने यह भी कहा कि माता-पिता अपनी बेटियों की शादी किसानों के परिवार में करने से हिचकते हैं। उसने पूछा, जो किसान फसल उगाते हैं और सभी के लिए खाना उपलब्ध कराते हैं, अगर उन्हीं किसानों के लिए बेटियां नहीं दी जातीं, तो क्या किया जा सकता है? उसने कहा कि यह केवल उसकी निजी समस्या नहीं है। उसके मुताबिक, पूरे राज्य के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। किसान की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री शिवकुमार हंस पड़े।

नए प्रधान और नए प्रभारीः भाजपा-कांग्रेस ने बदले प्रदेश अध्यक्ष और इंचार्ज, अब चुनावी रण में परीक्षा की बारी

चंडीगढ़ , एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने अपने-अपने प्रदेश प्रभारियों और प्रधानों को बदल दिया है। हाल ही में भाजपा ने डॉ. सतीश पूनिया को नया प्रभारी और केवल सिंह ढिल्लों को नया प्रधान बनाया है। इसी तरह कांग्रेस ने भी बदलाव करते हुए सचिन पायलट को प्रभारी और ओलंपियन परगट सिंह को नया सूबा प्रधान बनाया है।

दोनों दलों की दोनों जोड़ियों के समक्ष अब 2027 के चुनावी रण में दम दिखाने की बड़ी चुनौती होगी। पंजाब में भाजपा इस बार बार-बार अकेले दम पर चुनाव लड़ने का एलान कर रही है। हालांकि, इस बीच शिरोमणि अकाली दल के साथ पार्टी के गठबंधन की अटकलें भी लगातार जारी हैं।

फिलहाल इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है लेकिन सियासी जमीनी हकीकत को भांपते हुए भाजपा आगे बढ़ रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को पंजाब में किसी से गठबंधन की जरूरत है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला भाजपा के नए प्रभारी और प्रधान की समीक्षा के बाद ही होगा।

ऐसे में यह भी प्रधान और प्रभारी के लिए बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि यह फैसला पंजाब में भाजपा की चुनावी रणनीति का बड़ा आधार बनेगा। 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया की भूमिका संगठन और चुनावी रणनीति के दो अहम हिस्सों के रूप में होगी।

ढिल्लों के सामने प्रदेश संगठन को

चुनावी मोड में लाने, जिला और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, पुराने-नए नेताओं के बीच तालमेल बनाने और सभी 117 सीटों पर मजबूत स्थानीय नेतृत्व तैयार करने की जिम्मेदारी है।

पिछले दिनों हुई बैठकों में जिला स्तर के पदाधिकारियों की चुनावी जिम्मेदारियां तय की गई हैं। वहीं, पूनिया केंद्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधि के तौर पर रणनीति, संगठन की समीक्षा, बूथ प्रबंधन और चुनावी रोडमैप पर नजर रखेंगे। उन्होंने 117 सीटों पर पार्टी के अपने दम पर चुनाव लड़ने की बात कही है।

पायलट-परगट की चुनौतियां भी कम नहीं

पंजाब कांग्रेस के नए प्रभारी सचिन पायलट और प्रदेशाध्यक्ष परगट सिंह के सामने सबसे पहली चुनौती पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रही खींचतान को खत्म कर वरिष्ठ नेताओं को एक मंच पर लाने की होगी। पायलट के समक्ष चुनाव से पहले मुख्यमंत्री पद के दावेदारों के बीच संतुलन बनाना भी कम चुनौती नहीं है। हालांकि, पायलट संकेत दे चुके हैं कि पहले सामूहिक रूप से चुनाव जीतना प्राथमिकता होगी और नेतृत्व का फैसला बाद में किया जाएगा।

दूसरी ओर, नए प्रधान परगट के सामने संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने, नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने तथा टिकट वितरण में संतुलन की चुनौती होगी। पार्टी को मालवा, माझा और दोआबा, तीनों क्षेत्रों में मजबूत तालमेल बनाना होगा। इसके साथ ही वर्ष 2022 में 18 सीटों पर सिमटी कांग्रेस के लिए संगठनात्मक एकजुटता को सीटों में बदलना दोनों नेताओं की सबसे अहम चुनावी परीक्षा होगी।

ईरान पर बौखलाया अमेरिकाः ट्रंप बोले- आसान या मुश्किल एक रास्ता चुनना ही होगा, देश से निकाले दो राजनयिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब उस मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है, जहां अगला कदम पूरे पश्चिम एशिया की तस्वीर बदल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर खुलकर चेतावनी दी है कि अब फैसला उन्हें करना है और रास्ता 'आसान' भी हो सकता है और 'मुश्किल' भी। इसी बीच अमेरिका ने न्यूयॉर्क में मौजूद ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर कर दिया है। दोनों को अमेरिका छोड़ने का आदेश दिया गया था, लेकिन वे आदेश के बावजूद न्यूयॉर्क में रुके हुए थे। इन दोनों घटनाओं ने संकेत दे दिया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच टकराव अब सिर्फ बयानबाजी तक सीमित नहीं रह गया है।

'अब ईरान पर फैसला होगा'

व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि ईरान को लेकर वह जल्द फैसला लेने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान को तबाह कर दिया गया है। अब सिर्फ सवाल यह है कि यह आसान रास्ते से होगा या मुश्किल रास्ते से।'ट्रंप ने हालांकि यह नहीं बताया कि उनके दिमाग में कौन-सा विकल्प है। उन्होंने अपने अगले कदम को लेकर पूरी तरह से रहस्य बनाए रखा है। यही वजह है कि उनके इस बयान को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अब क्या करने वाला है।

ईरान को लेकर ट्रंप पिछले कुछ दिनों से लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनसे तनाव और बढ़ता दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को जब

पत्रकारों ने उनसे उनकी अगली रणनीति के बारे में पूछा था, तो उन्होंने साफ कहा कि अगर वह अपनी योजना बता देंगे तो यह 'बड़ी खबर' बन जाएगी। इसके बाद ट्रंप ने सिर्फ इतना कहा कि चीजें अच्छी तरह आगे बढ़ रही हैं और ईरान की स्थिति अच्छी नहीं है। यानी अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी रणनीति के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दी, लेकिन इतना जरूर साफ कर दिया कि ईरान पर दबाव बनाए रखने की नीति जारी है। ट्रंप इससे पहले ईरान की सैन्य और आर्थिक स्थिति को लेकर भी कई बड़े दावे कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के पास पैसा नहीं है, उसकी मुद्रा की हालत खराब है और वहां महंगाई 301 प्रतिशत तक पहुंच गई है। उन्होंने ईरान की सैन्य क्षमता पर भी बड़ा दावा करते हुए कहा कि उसकी नौसेना और वायुसेना को भारी नुकसान पहुंचा है और उसकी सैन्य ताकत बुरी तरह कमजोर हो चुकी है। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के पास अब ज्यादा विकल्प नहीं बचे हैं और संघर्ष 'एक या दूसरे तरीके से' बहुत जल्द खत्म हो जाएगा।

ईरान संकट का एक बड़ा असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ सकता है। ट्रंप ने दावा किया है कि जैसे ही संघर्ष खत्म होगा, तेल की कीमतें 'चट्टान की तरह' नीचे गिरेंगी। यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि होरमुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में शामिल है। यहां किसी भी बड़े सैन्य टकराव का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई और कीमतों पर पड़ सकता है।

ट्रंप के सख्त बयानों के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ एक और कार्रवाई कर दी है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क आए ईरानी प्रतिनिधिमंडल के दो सदस्यों को अमेरिका से बाहर कर दिया गया। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दोनों को कई दिन पहले ही देश छोड़ने के लिए कहा गया था। लेकिन आदेश के बाद भी वे न्यूयॉर्क में मौजूद रहे।

एलन मस्क और शिवॉन जिलिस के हैं चार बच्चे... जिलिस बोलीं- न कोई वार्निंग और न ही शिकायत, सीधे अलग

वाशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला कंपनी के मालिक एलन मस्क का उनकी भारतीय मूल की गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया है। न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस ने मस्क के साथ ब्रेकअप होने की पुष्टि की है। दोनों के 4 बच्चे हैं। जिलिस ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मस्क ने एक हफ्ते पहले ही आई लव यू कहा था लेकिन फिर अचानक ब्रेकअप कर लिया। उन्होंने बताया कि उन्हें इसकी पहले से न कोई वॉर्निंग मिली थी न ही शिकायत। जिलिस ने कहा- मैं इस ब्रेकअप से दुखी हूं, लेकिन मस्क की अब भी बहुत परवाह करती हूं। मैं चाहूंगी कि वे हमेशा खुश रहें। मुझे उम्मीद है कि हम दोनों आगे भी अच्छे दोस्त रहेंगे और अपने बच्चों की साथ में परवरिश करेंगे। जिलिस ने मस्क के साथ हुई चैट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया। इसमें चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भी जिक्र है। मस्क ने लिखा-मुझे पता नहीं था कि शी जिनपिंग से जुड़े इस डिनर में पार्टनर्स को भी बुलाया गया है। मुझे पता होता तो मैं तुम्हें जरूर बुलाता। शिवॉन जिलिस और मस्क के 4 बच्चे हैं। मस्क ने दो शादियां की थीं, उनके कुल मिलाकर 14 बच्चे हैं। 1990 के दशक में कनाडा की क्वीन्स यूनिवर्सिटी में फिजिक्स की पढ़ाई के दौरान मस्क की मुलाकात इंग्लिश लिटरेचर की स्टूडेंट जस्टिन विल्सन से हुई। दोनों ने कई साल डेटिंग के बाद जनवरी 2000 में शादी की। 2002 में उनके पहले बेटे नेवाडा का जन्म हुआ। हालांकि, 10 हफ्ते की उम्र में इंफेंट डेथ सिंड्रोम से उसकी मौत हो गई। इसके बाद 2004 में कपल ने आईवीए के जरिए जुड़वां बच्चों विवियन और ग्रिफिन का स्वागत किया। 2006 में तीन बच्चे काई, सैक्सन और डेमियन भी आईवीएश से हुए। 2008 में मस्क और जस्टिन विल्सन का तलाक हो गया। 15 फरवरी 2025 को अमेरिकी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और राइटर एश्ले सेंट क्लेयर ने दावा किया था कि वे टेस्ला कंपनी के मालिक इलॉन मस्क के बेटे की मां हैं।

नेतन्याहू बोले- पीएम मोदी के साथ भारतीय पायलट आमंत्रित

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली की आजादी के जश्न में इस वर्ष भारतीय पायलट स्मित मच्छार भी शरीक हो सकते हैं। कैप्टन स्मित के सम्मान में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि वे इस्राइल में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कैप्टन स्मित और पीएम मोदी को सेलिब्रेट्री फ्लेम जलाने / थामने के लिए आमंत्रित करते हैं। नेतन्याहू ने अस्पताल में इलाज करा रहे भारतीय पायलट से बात भी की। इस्राइल की आजादी से जुड़े विशेष आयोजन में आम तौर पर इस्राइली नागरिक ही फ्लेम को थामने का गौरव हासिल करते हैं, लेकिन इस वर्ष नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को यह सम्मान देने का एलान किया है।

पीएम नेतन्याहू ने स्मित से फोन पर क्या कहा

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ फोन पर हुई बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने बताया, 'हमले से पहले सह-पायलट प्रार्थना करना

चाहता था, इसलिए सम्मान के तौर पर मैंने अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया।' हमले के खौफनाक लम्हों को याद करते हुए कैप्टन स्मित ने कहा कि चंद मिनटों के बाद उनके सिर के पिछले हिस्से पर जोरदार प्रहार हुआ। हमले का सिलसिला जारी रहा। शुरुआत में लगा कि विमान में कोई बहुत बड़ी तकनीकी खराबी आ गई है, लेकिन जब लगातार वार होते रहे तब उन्हें अहसास हुआ कि कॉकपिट के अंदर मौजूद दूसरा शख्स ही उन पर हमला कर रहा है। सिर पर लगातार प्रहार से उनकी नजरें पूरी तरह धुंधली हो गईं। इसी बीच विमान तेजी से नीचे की ओर गोता लगाने लगा।

कैप्टन मच्छार ने नेतन्याहू को बताया कि सह पायलट ने शुरुआत में उन्हें कॉकपिट का दरवाजा खोलने से रोकने की कोशिश की। लेकिन जमीन पर पड़े होने के बावजूद उन्होंने सोचा, मेरे अंदर अभी लड़ने की एक आखिरी ताकत बची है, अगर मैं यह नहीं करता, तो मैं मर जाऊंगा। अपनी पूरी ताकत लगाकर उन्होंने आखिरकार कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिसके बाद बाहर खड़े यात्री और क्रू मेंबर्स अंदर कूदे और हमलावर को काबू में कर लिया।

रडर टूटने के बाद हुई इमरजेंसी लैंडिग हैरान करने वाली क्यों: गौरतलब है कि सऊदी अरब में विमान की आपातकालीन लैंडिंग के बाद विमानन विशेषज्ञों ने हैरानी भी प्रकट की। दरअसल, विमान की तेज गति के कारण उड़ान के नियंत्रण में काम आने वाले यंत्र रडर का एक हिस्सा टूट चुका था। ऐसे हालात में विमान के क्रैश होने का खतरा होता है। विमान कंपनी- फ्लाईदुबई की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक विमान में यात्रा कर रहे चालक दल के सदस्यों ने विमान को स्थिर करने के बाद सुरक्षित लैंडिंग में मदद की। सुरक्षा कारणों से उनकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

स्वस्थ होकर अतिथि के तौर पर आएं, इस्राइल आभारीः नेतन्याहू

बातचीत के दौरान पीएम नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से कहा, 'आपका साहस और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी शांत रहने की क्षमता अद्भुत है। आपने कई जिंदगियां बचाईं... आपने दुनिया में मानवता की भावना को बचाया। नेतन्याहू ने कैप्टन मच्छार से कहा, आप भारत और इंस्राइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने मच्छार से कहा कि जब वह स्वस्थ हो जाएं तो अतिथि के तौर पर इस्राइल आएं। इस्राइल देश उनका आभारी है। सूत्रों के मुताबिक नेतन्याहू ने कैप्टन मच्छार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्राइल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया है। बता दें कि इस्राइल का स्वतंत्रता दिवस 14 मई को मनाया जाता है। गौरतलब है कि कैप्टन स्मित फ्लाईदुबई के उस विमान में सवार थे, जो दुबई से तेल अवीव जा रहा था। इस विमान को ओमान का सह-पायलट क्रैश कर 170 से अधिक लोगों की जान लेना चाहता था। ओमान के पायलट ने उड़ान के दौरान कॉकपिट के भीतर कैप्टन स्मित पर चाकू से जानलेवा हमला किया। भारतीय पायलट ने इस नाजुक मौके पर भी अपना हौसला नहीं गंवाया। अपनी जान की परवाह किए बिना कैप्टन स्मित ने ओमान के पायलट का मुकाबला किया। विमान में सवार यात्रियों ने कॉकपिट का दरवाजा खुलने पर ओमान के पायलट को अपने कब्जे में लिया। इसी उड़ान में यात्रा कर रहे शख्स यानिव ने अपनी कुशलता का परिचय देते हुए विमान को नियंत्रित करने के बाद सकुशल सऊदी अरब में लैंड कराया। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और यानिव की मुलाकात की तस्वीर भी सामने आ चुकी है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496